शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जाति जनगणना रिपोर्ट होनी चाहिए सार्वजनिक: गृह मंत्री @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 16 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-15

विस्तारवाद नहीं, विकासवाद में यकीन...

पीएम मोदी ने दुनिया को बताई समंदर में भारत की ताकत, चीन को भी साफ संदेश

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि तीन अत्याधुनिक और प्रमुख प्लेटफार्म का एक ही दिन नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाना मजबूत तथा आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण तथा नौसेना को 21वीं सदी के अनुरूप सशक्त बनाने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं, भारत विकासवाद की भावना काम करता है। श्री मोदी ने बुधवार को यहां नौसेना डॉकयार्ड में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों – आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की नौसेना को सशक्त बनाने की तरफ हम एक बड़ा कदम उठा रहे हैं और आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है।

दरअसल यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नजर गड़ाए और लगातार शरारत कर रहे चीन को सीधा संदेश है।

उन्होंने कहा कि यह पहली बार हो रहा है जब एक डिस्ट्रायर, एक फ्रिगेट और एक सबमरीन को एक साथ कमीशन किया जा रहा है और सबसे गर्व की बात है कि ये तीनों ही प्रमुख प्लेटफार्म मेड इन इंडिया हैं। आज का भारत दुनिया की एक बड़ी समुद्री शक्ति बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। भारत ने हमेशा खुले, सुरक्षित, समावेशी ▶10 पर

अग्रिम मोर्चे के नौसैनिकों का शामिल होना हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण : राजनाथ

मुंबई , 15 जनवरी (एजेंसियां)। तीन अग्रणी नौसैनिक लड़ाकू जहाजों का शामिल होना हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण है, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मुंबई शहर में एक पनडुब्बी और दो नौसेना जहाजों को शामिल करने के दौरान कहा।

राजनाथ सिंह ने आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस वाघशीर के कमीशन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह न केवल भारतीय नौसेना की, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में पूरे देश की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। उन्होंने भू-रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से हिंद महासागर के महत्व और आज के तेजी से बदलते परिवेश में इसकी बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला । सिंह ने कहा, दुनिया के व्यापार और वाणिज्य का एक बड़ा हिस्सा आईओआर ▶10 पर

2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत: पीयूष गोयल

चेन्नइ, 15 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 2027 तक जापान और जर्मनी से आगे निकलकर भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

गोयल ने मंगलवार को यहां तमिल पत्रिका 'तुगलक' की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी ने 10 साल में क्या किया? वह भारत को 11वें सबसे बड़े जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) से पांचवें सबसे बड़े जीडीपी पर ले गए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने 2014 में अनुमान लगाया था कि 30 वर्ष में भारत तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी वाला देश बन जाएगा।

गोयल ने कहा, मोदी ने क्या किया? उन्होंने कहा था कि 'मैं इसे आधे से भी कम समय में कर दूंगा और मैं आपको विश्वास दिलाता हूं मित्रों, 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा...जापान और जर्मनी से आगे...केवल 13 वर्षों में न कि 30 वर्षों में... यह प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता तथा दृढ़ विश्वास है...।

साथ ही उन्होंने कहा कि 19 देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है।

इनमें से आठ मुस्लिम बहुल, 10 ईसाई बहुल और एक बौद्ध बहुल देश है। उन्होने कहा कुछ लोग जो भारत और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, उसका इससे बेहतर जवाब कोई नहीं हो सकता।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, वह सच्ची धर्मनिरपेक्षता वाले सबसे समावेशी नेता हैं, जो तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं, वह सबका साथ, सबका विकास में विश्वास करते हैं।

पीएम मोदी ने नवी मुंबई में किया इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन, कहा

भारत की चेतना होगी समृद्ध

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुंबई दौरे पर हैं। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने नवी मुंबई में एक नए इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर लगभग 9 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें से 2.5 एकड़ क्षेत्र में भव्य मंदिर बनाया गया है। यह एशिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर है। नए इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, आज ज्ञान और भक्ति की इस महान धरती पर इस्कॉन के प्रयासों से श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर का उद्घाटन हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे ऐसे अलौकिक अनुष्ठान में अपनी भूमिका निभाने का पुण्य प्राप्त हुआ है। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट चुनाव सुधार को लेकर नए नियमों का परीक्षण करने को तैयार

चुनाव आयोग और केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव संचालन नियमों में संशोधन को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता जयराम रमेश की याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट चुनाव सुधार को लेकर नए नियमों का परीक्षण करने को तैयार हो गया है। जयराम रमेश की याचिका पर उच्चतम न्यायालय 17 मार्च से शुरू हो रहे सप्ताह में सुनवाई करेगा। ▶10 पर

कुंभमेला जा रहे तेलंगाना के श्रद्धालुओं की बस को लगी आग, एक जिंदा जल गया

हैदराबाद, 15 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में जारी कुंभमेला में भाग लेने जा रहे तेलंगाना श्रद्धालुओं की बस को आग लग गई। इस आग में एक व्यक्ति जिंदा जल गया। आदिलाबाद जिले के भैंसा से 50 श्रद्धालु कुंभमेला में भाग लेने के लिए जा रहे थे। हालाँकि, अचानक बस में आग लग गई। इस आग में एक व्यक्ति जिंदा जल गया, जबकि शेष 49 श्रद्धालु सुरक्षित बस से बाहर आ गए। उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने उन्हें अपने घर लौटने में मदद करने के लिए कदम उठाए है। निजामाबाद जिले के कुभीर मंडल के पलसी निवासी शीलम ध्रुपत नामक व्यक्ति को जिंदा जल गया। दूसरी ओर, बस को आग लगने की ▶10 पर

छत्तीसगढ़ : 2000 करोड़ के शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा गिरफ्तार

रायपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ रुपये से अधिक के शराब घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को एक बार फिर पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को पूछताछ के लिए बुलाया। इस दौरान उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को भी उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन सीए की अनुपस्थिति के कारण कवासी लखमा अकेले ही लगभग सुबह 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे।

पूछताछ के बाद ईडी ने कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, 9 जनवरी को भी ईडी ने कवासी लखमा से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की थी। 28 दिसंबर को ईडी ने रायपुर में उनके ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें नगद लेन-देन और वित्तीय अनियमितताओं के कई साक्ष्य मिले थे।

करीब चार घंटे तक चली पूछताछ के बाद ईडी ने दोनों को गिरफ्तार किया। ▶10 पर

32 लाख के 4 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

'निया पुलिस निया नार' अभियान ने किया असर

नारायणपुर/रायपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में बुधवार को तीन दर्जन से अधिक घटनाओं में 32 लाख रुपये के चार इनामी नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मीडिया को ▶10 पर

जूते बांटने का मामला

बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है. रिटर्निंग ऑफिसर ने मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन प्रभारी को वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र लिखा था। इसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। दरअसल, शिकायत उस घटना से जुड़ी है जिसमें वर्मा को वाल्मीकि मंदिर परिसर में मतदाताओं को जूते बांटते हुए देखा गया था। रिटर्निंग ऑफिसर ओपी पांडे ने अधिवक्ता रजनीश भास्कर के एक व्हाट्सएप संदेश के आधार पर शिकायत दर्ज की, जिसमें वर्मा को महिला मतदाताओं को जूते बांटते हुए कथित तौर पर दिखाए जाने वाले दो वीडियो थे। ▶10 पर

तटरक्षक बल ने लक्षद्वीप द्वीप से 54 यात्रियों को बचाया

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाज ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में लापता नाव से 22 महिलाओं और 23 बच्चों सहित 54 यात्रियों को बचाया। नाव कवारत्ती से सुहेलीपार द्वीप की ओर जा रही थी। लक्षद्वीप से लापता नाव के बारे में संकटपूर्ण कॉल मिलने के बाद आईसीजी ने तेजी से अभियान शुरू किया, जिसमें 54 लोग सवार थे। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,620/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,000/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

पाकिस्तान ने 150 जासूस छितराए हुए हैं काबुल में

आईएसआई की गहरी साजिश के सुराग का पर्दाफाश

काबुल, 15 जनवरी (एजेंसियां)। काबुल में पाकिस्तानी जासूसों के मंडराने के सुराग अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के निकट के लोगों ने दिए हैं। उनका दावा है कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई के लगभग 150 जासूस अफगानिस्तान के भीतर जासूसी कर रहे हैं, हवाई मार्गों पर खासतौर से नजर रखी जा रही है।

जिन्ना के देश वाले अपनी ना-पाक हरकतों से बाज नहीं आ सकते। अफगानिस्तान में बंदूकधारी लड़ाकों की सरकार बनाने वाली पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अब तालिबान के कान घुमाकर पकड़ना चाह रही है। पता चला है कि पाकिस्तान ने राजधानी काबुल में उथलपुथल मचाने के लिए अपने एजेंट छोड़ रखे हैं जो टीटीपी के विरुद्ध एक दूसरे जिहादी गुट को उकसा रहा है। कारण यह कि तालिबान और टीटीपी जिन्ना के देश की नाक में दम कर रहे हैं और फौजियों को कत्ल कर रहे हैं।

तालिबान की बढ़ती उग्रता का दंश झेल रहा पाकिस्तान बेचैन हो चला है कि कैसे भी काबुल की लड़ाकाओं की सत्ता को अपने शिकंजे में कसे। लेकिन वहां अब उसका ऐसा प्रतिरोध हो रहा है कि न आईएसआई की चल रही है, न पिंडी की। खुफिया एजेंसी आईएसआई ने लगभग के 150 एजेंट काबुल में छोड़े हुए हैं जो तालिबानी मंत्रियों, बड़े लड़ाका नेताओं के घरों के सुराग पकड़ रहे हैं। अफगानिस्तान के हवाई इलाकों ▶10 पर

अमेरिकी अधिकारियों की जानकारी पर भारत सरकार की जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट

आपराधिक समूहों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की सिफारिश

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों के सुरक्षा हितों को कमजोर करने वाले व्यक्तियों, संगठित आपराधिक समूहों और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। कुछ संगठित आपराधिक समूहों, आतंकवादी संगठनों, ड्रग तस्करों आदि की गतिविधियों के संबंध में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर नवंबर 2023 में पैनल का गठन किया गया था। गृह विभाग ने अपनी नवीनतम प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पैनल को पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। अमेरिकी अधिकारी और उन्होंने अपनी जांच करते समय उनके मार्गदर्शन का पालन किया।

इसमें लिखा है, जांच समिति ने अपनी जांच की, और अमेरिकी पक्ष द्वारा प्रदान किए गए सुरागों का भी पालन किया। इसे अमेरिकी अधिकारियों से पूरा सहयोग मिला और दोनों पक्षों ने यात्राओं का आदान-प्रदान भी किया। समिति ने विभिन्न एजेंसियों के कई अधिकारियों से भी पूछताछ की। इस संबंध में प्रासंगिक दस्तावेजों की जांच की गई। बयान में कहा गया किलंबी जांच के बाद, समिति ने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी है और एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

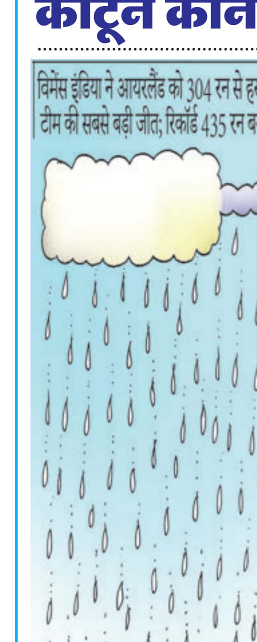

शुभ लाभ DAILY

श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा केपीबीएल का आयोजन

कारवान को हराकर अमरदीप ने जीता ओसवाल बैडमिंटन कप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री काँठा प्रांत जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु द्वारा काँठा समाज के युवाओं में आपसी जुड़ाव बढ़ाने, नेटवर्किंग का विस्तार करने तथा खेल कौशल को निखारने के उद्देश्य से आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में टीम अमरदीप शटलर्स ने टीम कारवान स्मैशर्स को हराकर ओसवाल कप अपने नाम किया।

बेंगलूरु के वसंतनगर स्थित कर्नाटका बैडमिंटन एसोशिएशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में 310 मैच की कड़ी स्पर्धा के बाद विजेता का निर्णय हुआ। प्रतियोगिता के 245 लीग व क्वाटर फाइनल मुकाबलों से गांधी गेमर्स, प्राचीन क्राफ्टर्स, कारवान स्मेशर्स व अमरदीप शटलर्स ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। अमरदीप ने गांधी गेमर्स को तथा कारवान ने प्राचीन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच अंतिम पॉइंट तक चलने से दर्शकों व टीम मालिकों की धड़कने बार बार ऊपर नीचे होती रही। प्रतियोगिता के समारोह की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे खेल के साथ खेल भावना के प्रदर्शन का अनुरोध किया। मुख्य अतिथि हैदराबाद के प्रसिद्ध व्यवसायी मोतीलाल भलगट ने कांठा प्रांत ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल समाज के युवाओं की खेल प्रतिभा में निखार आता है, साथ समाज में एक जुटता का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मुख्य प्रायोजक श्रीपाल खिवेंसरा ने मुख्य प्रायोजन का अवसर उनके परिवार को देने के लिये ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया। विशेष अतिथि के रूप में बोलते हुए हुब्बल्ली के महेंद्र सिंघी ने कहा कि युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा के प्रदर्शन का यह उचित मंच है, जहां आपसी नेटवर्किंग बढ़ाने का भी समान अवसर मिलता है। केपीबीएल संयोजक रमेश गुगलिया एवं सह संयोजक विमल गांधी के अनुसार श्रीपाल खिवेसरा के मुख्य प्रायोजन, नवीनकुमार कोटरिया के फूड प्रायोजन, शांतिलाल सुराणा के पारितोषिक प्रायोजन, पारसमल बोहरा के वेन्यू प्रायोजन, उत्तमचंद कोठारी के ऑक्शन प्रायोजन, मीठालाल पटवा के जर्सी प्रायोजन एवं राजेशकुमार गांधी के विशेष प्रयोजन में प्रतियोगिता का सफल संचालन हुआ। ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्राफी के साथ नगद पुरस्कार भी दिया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तेलंगाना राज्यों के कांठा प्रांतीय महानुभावों की विशेष उपस्थिति रही। प्रतियोगिता को सफल बनाने में कांठा ट्रस्ट के ट्रस्टियों तथा सहयोगी सदस्यों का अथक सहयोग रहा।

वी. प्रेन्यूर्स की बैठक में उद्यमशीलता के सफर और व्यवसाय की सफलता पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पगारिया जेबीएन वी. प्रेन्यूर्स ने चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में एक अत्यंत आकर्षक और प्रभावशाली बैठक का आयोजन किया। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई, जिसने सकारात्मक और केंद्रित माहौल बनाया।

बेक ग्लैमर की सोनिया मांडोत ने प्रेरणादायक 8-मिनट की प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने अपने उद्यमशीलता के सफर और अपने व्यवसाय की सफलता को साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे लॉकडाउन का समय उनके लिए उनके उद्यम की शुरुआत का अवसर बना। वह हर उत्सव के लिए शुद्ध, घर पर बने केक प्रदान करने की प्रेरणा से प्रेरित हैं। उनकी संक्षिप्त और प्रभावी प्रस्तुति ने उनकी दृष्टि और समर्पण को बखूबी प्रस्तुत किया। सभी सदस्यों ने उनके द्वारा बनाए गए केक और अंत में वितरण किए गए चॉकलेट का भरपूर आनंद लिया। जीतो बेंगलूरु साउथ महिला विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने इस आयोजन की शोभा बढ़ाई। उन्होंने सदस्यों को व्यावसायिक अवसरों को बढ़ाने के लिए बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया और सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने कौशल और व्यावसायिक रणनीतियों को नवीनीकरण, बेहतर संस्करण और नवाचार करें, ताकि व्यावसायिक विकास को गति दी जा सके। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक 30-सेकंड की व्यावसायिक प्रस्तुति दी, जिसमें उनकी रचनात्मकता और उद्यमशीलता की भावना प्रदर्शित हुई। बैठक का कुशल संचालन रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने किया। सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक 30-सेकंड पिच मीतू जैन, प्रथम संपर्ककर्ता कनक जैन और शीतल जैन, सबसे अधिक संदर्भ देने वाली रचिता सुराना, एक-से-एक बैठक के लिए तृप्ति जैन को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। बैठक में सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे सहयोग और एकता की भावना को प्रोत्साहन मिला। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

मकर संक्रांति पर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मकर संक्रांति के पावन पर्व पर राष्ट्रीय चेतना परिवार ने मंगलवार को बेंगलूरु स्थित जे.डी. मारा स्लम, बीटीएम, बन्नेरघट्टा रोड पर जरूरतमंदों के लिए अन्नदान का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग को सहायता प्रदान करना था। इस अवसर पर बच्चों, बुजुर्गों और स्लम में रहने वाले परिवारों में चावल, गुड़, दाल, कपड़े, कंबल आदि सामग्री का वितरण किया गया। यह पहल जरूरतमंदों के जीवन में खुशी और राहत लाने का एक प्रयास था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय चेतना परिवार के कई सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. अरविंद कुमार गुप्ता, नीलम, विवेकी और उनके परिवार के सदस्य, रेनू कुकरेती आदि की उपस्थिति और सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम द्वारा राष्ट्रीय चेतना परिवार ने अपने छोटे- छोटे कार्यों, सहयोग एवं सेवा भावना से प्रेरित होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

भवन अच्छा है तो गतिविधियां भी होती रहनी चाहिए: साध्वी

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन तेरापंथ सभा भवन में साध्वी संयमलता जी का मंगल भावना कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत हासन तेरापंथ महिला मंडल की बहनों की मंगल भावना गीतिका से हुई। साध्वी रौनक जी ने हासन को साताकारी क्षेत्र बताते हुए कहा कि भवन अच्छा है तो गतिविधि भी होती रहनी चाहिए। जैसे बंद घर में जाले लग जाते हैं, वैसे ही भवन में गतिविधियां हो तो सभी को आकर सामायिक करनी चाहिए। प्रोग्राम करने चाहिए, ताकि भवन और श्रावक खिले रहे। साध्वी मार्दव श्रीजी ने कहा कि साल का समापन हमारे पदार्पण से हुआ और साल की शुरुआत का पहला त्योहार मकर संक्रांति भी यही हुई है। अब यह पूरा साल साधु संतों का आवागमन रहेगा। सेवा में लगे रहे, ऊर्जा बनी रहेगी। साध्वी संयमलता जी ने कहा कि मंगल भावना को विदाई की जगह बधाई दी जानी चाहिए।

संक्रान्ति का मतलब है परिवर्तन और परिवर्तन संसार का नियम है, क्योंकि हम कोई भी अच्छा कार्य करते हैं तो बधाई देते हैं, आगमन से जो धर्म आराधना हुई है वो तो इसकी बधाई देते हुए इसकी खुशी मनानी चाहिए। साध्वी ने कहा कि हम जो अच्छा कार्य करता है उसे अप्रिशिएट करते हैं किसी को अप्रिशिएट करना और तारीफ करना दो अलग-अलग बातें हैं, प्रोत्साहित करने से मनुष्य में आगे बढ़ने की इच्छा जागृत रहती है, और तारीफ करने से उसका विकास रुक जाता है। इस क्षेत्र के लोग सहयोगी है। भवन में शनिवार की सामायिक करें धम्म जागरण करें तो भवन ऊर्जावान रहेगा। साध्वी जी ने सभी श्रावकों से खमतखामणा किया। इससे पहले हासन तेरापंथ महिल मंडल मंत्री पिंकी गुलगुलिया, मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली, हासन तेरापंथ सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड, अणुव्रत समिति अध्यक्ष चांदमल सुराणा, पूर्व अध्यक्ष डॉ. जयंतीलाल कोठारी, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष नितेश सुर-णा, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका ममता कोठारी, हेमराज आशोरिया ने मंगल भावना पर अपने-अपने विचार रखते हुए सभी साध्वियों से खमतखामणा किया। कार्यक्रम के अंत में बेंगलूरु में हुए शिविर में भाग लेने वाले ज्ञानशाला के बच्चे और गुरुदेव के रास्ते की सेवा करके आए बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। हासन तेरापंथ सभा मंत्री विमल कोठारी ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन साध्वीजी के मंगल पाठ के साथ हुआ।

धूमधाम से मनाया मकर संक्रांति पर्व

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चामुंडी पहाड़ी की तलहटी स्थित मैसूरु पिंजरापोल सोसायटी परिसर में मकर संक्रांति पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सोसायटी के सचिव विनोद खाबिया ने बताया कि संरक्षित गायों की पूजा अर्चना कर गौपालकों ने गायों में हरा चारा, गुड़, केला आदि डाला।

बाबा रामदेव मंदिर तथा श्रीकृष्ण मंदिर में महिला भक्तों ने देव गीत गाए। संरक्षित गायों के चारे-पानी की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहयोग दिया गया। गायों को हल्दी से रंग कर आग के ऊपर से दौड़ाया गया। उन्होंने आगे बताया कि गायों को आग से ऊपर के दौड़ाने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है तथा भूमि पर शांति का वातावरण बनता है। कई प्रकार के रोग नष्ट हो जाते है। इस मौके पर समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित, पुष्पा देवी, यशोदा कंवर, सुनीता राजपुरोहित, किरण सिंह राजपुरोहित, ओमप्रकाश बड़ोला, घेवरचंद बड़ोला, पिंजरापोल सोसायटी के सचिव विनोद खाबिया, कोषाध्यक्ष अशोक धोका, विमल मुथा सहित बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित रहे।

महक मेवाड़ की, चहक नारी शक्ति की सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ की शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल महिला मंडल के तत्वावधान में कनिष्का होटल में महक मेवाड़ की, चहक नारी शक्ति की, संस्कृति राजस्थान की, नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बालिका मंडल द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से हुई। महिला संगठन की सहसंयोजिका गरिमा हिंगड़ ने मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल के निवर्तमान अध्यक्ष, मंत्री, नव नर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, युवा संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश संचेती एवं नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बाबेल का स्वागत किया।

मेवाड़ महिला संगठन की संयोजिका लाड़ बड़ौला ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। महिला मंडल की पूर्व संयोजिका, सह संयोजिका कांता लोढ़ा, कुसुम डांगी, मेघना हिरण, विजयलक्ष्मी चोरड़िया, कुसुम कटारिया, लीला खाबिया ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में बालिका मंडल और महिला मंडल द्वारा राजस्थानी नृत्य, खम्मा घणी, पधारो म्हारे देश, ड्रामा व कविता, नाटक, स्वागत गीत, कौन है पक्का मेवाड़ी की सुन्दर प्रस्तुति दी गई। बिंदु मेहता ने संचालन करते हुए गेम का आयोजन किया। लकी ड्रा भी रखा गया, जिसमें प्रथम स्थान पर प्रदीप बाबेल, दूसरे स्थान पर हस्तीमल बाबेल और तीसरे पर नरेश कोठारी रहे। कार्यक्रम में मेवाड़ बीसा ओसवाल के अध्यक्ष, मंत्री शान्तिलाल बाबेल, नरेंद्र सामर, मनोहर हिरण, पुखराज बाफना, सुशील बोहरा, सुरेन्द्र आंचलिया, कन्हैयालाल सुराणा, सुरेश नवेदिया, प्रकाश लोढ़ा, महेन्द्र संचेती, युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष, मंत्री विनोद बाफना, सुनिल चोरड़िया, कमलेश भरसारिया, अरिहंत कावड़िया, राजेश कोठारी, नरेश कोठारी, गौतम खबिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सभी ने म्हारो प्यारो राजस्थान रो का गुणगान किया।

स्नेहलता बाफना को नयी संयोजिका नियुक्त किया गया। सभी पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। इसके साथ ही महिला मंडल के अंतर्गत बालिका मण्डल का भी गठन हुआ।

भारतीय स्टेट बैंक में विश्व हिंदी दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्टेट बैंक के बेंगलूरु स्थित स्थानीय प्रधान कार्यालय में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक (सतर्कता) उदय कुमार बिस्वास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में विश्व हिंदी दिवस के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला और स्टाफ-सदस्यों से अनुरोध किया कि अपने-अपने कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। इस अवसर पर बैंक के राजभाषा विभाग के शिव कुमार सिंह द्वारा आओ अपनी हिंदी परखें प्रश्नमंच प्रतियोगिता का संचालन किया गया, जिसमें 8 टीमों ने हिस्सा लिया। उनमें से अत्यधिक अंकों के साथ विजयी 4 टीमों को उदय कुमार बिस्वास ने पुरस्कृत किया। इस प्रतियोगिता के संचालन में विभाग की गिरिजा कुंबार, के एन श्रीनिवास एवं एचआर के प्रसाद ने सहायता प्रदान की। विभाग के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कोंगे दत्तात्रेय राव ने आभार जताया।

बीजेएस के गौतम बाफना राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व विक्रम जैन हुब्बल्ली चैप्टर के अध्यक्ष मनोनीत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय जैन संघठना (बीजेएस) के नविन कार्यकारिणी की बैठक में गौतम बाफना को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। साथ ही मुकेश हिंगड़ को राज्य कम्युनिटी कार्यक्रम का चेयरमैन, विक्रम जैन को क्षेत्रीय चयरमैन के साथ हुब्बल्ली चैप्टर का अध्यक्ष, प्रकाश कवाड को क्षेत्रीय अध्यक्ष, हुब्बल्ली चैप्टर के उपाध्यक्ष पद पर महावीर कोठारी, सचिव पद पर संदीप बाफना और कोषाध्यक्ष पद पर भरत पटवारी को सर्व सम्मति मनोनीत किया गया।

बीजेएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना ने बताया कि हम सभी मिलकर हमारी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मुथा के नेतृत्व में देश भर के समस्त राज्यों में चैप्टर के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। इन सेवाओं में जल है तो कल है के तर्ज पर तालाबों का कायाकल्प कर जल निकायों के पुनरुद्धार के माध्यम से जल उपलब्धता में सुधार करना शामिल है। इस कार्य को करने के लिए सरकार के साथ अनेक दानी भी अपना सहयोग प्रदान कर रहे है।

बीजेएस का स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम, जिसे पहले ईओजी (लड़कियों का सशक्तिकरण) के नाम से जाना जाता था, एक अनूठा प्रयास है जो 13-21 वर्ष की आयु वर्ग की किशोरियों के भावनात्मक विकास से संबंधित मुद्दों और चिंताओं को संबोधित करने का प्रयास करता है।

2008 से, सरकारी स्कूलों/कॉलेजों में पढ़ने वाली 6 लाख से अधिक लड़कियों को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के माध्यम से सशक्त बनाया गया है। इसी प्रकार से कई अन्य कार्यक्रम किए जाते हैं।

क्रोध, मान, माया, लोभ को कम करना जरूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजित कुमार जी ने संयम कुंज केंगेरी उपनगर में प्रवचन देते हुए फरमाया कि हमें हमारे जीवन की सार्थकता सिद्ध करनी है, क्रोध मान माया लोभ को कम करना है। तेरापंथ युवक परिषद को जागरूक एवं दक्षता की ओर अग्रसर करते हुए अनेक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। मुनि मोहजित कुमार जी, मुनि जयेश कुमार एवं मुनि भव्य कुमार जी ने चिकमगलूरु का एक ऐतिहासिक एवं सफलतम चातुर्मास संपन्न कर बेंगलूरु नगर निगम की सीमा में प्रवेश किया। इस अवसर पर तुलसी निकेतन समिति उदयपुर के अध्यक्ष सुरेश दक एवं राजराजेश्वरी नगर सभा के मंत्री गुलाब बांटिया एवं विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने मुनि की अभ्यर्थना में स्वागत भाषण दिया। मर्यादा महोत्सव 2 फरवरी को अरहम भवन विजयनगर श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में संभावित है।

जाति जनगणना रिपोर्ट होनी चाहिए सार्वजनिक: गृह मंत्री

हमें रिपोर्ट के सार के बारे में तो पता चलेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने यह बात गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में विवादास्पद जाति जनगणना रिपोर्ट पेश किए जाने पर टिप्पणी करते हुए कही। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा जाति जनगणना का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाना चाहिए। रिपोर्ट पर निर्णय अलग मामला है। हमने पहले भी देखा है कि जनगणना के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। मैं अभी यह नहीं बता पाऊंगा कि कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा होगी या नहीं। कम से कम हमें रिपोर्ट के सार के बारे में तो पता चलेगा। सरकार ने जाति जनगणना पर करदाताओं के करीब 160 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करना अलग बात है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करना सरकार का विवेकाधिकार होगा। इस संबंध में सरकार का निर्णय अंतिम है। जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट बैठक में खोला जाना चाहिए। इसे सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत किया जाता है। किसी को भी इसे पहले नहीं खोलना चाहिए और इससे सूचना लीक होने की संभावना रहेगी। इसलिए एहतियात बरती जा रही है कि इसे केवल कैबिनेट मीटिंग में ही खोला जाए। भाजपा और जद (एस) ने दावा किया है कि रिपोर्ट त्रुटिपूर्ण है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इशारे पर तैयार की गई है।

प्रभावशाली वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के नेताओं ने फिर से सर्वेक्षण की मांग की है। आरोप है कि जाति जनगणना सर्वेक्षण का इस्तेमाल राज्य में मुस्लिम आबादी को अधिक दिखाने के लिए किया जा सकता है। दलित और पिछड़े समुदायों के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में सीएम सिद्धरामैया से मुलाकात की और राज्य में जाति जनगणना रिपोर्ट को लागू करने की मांग की। भाजपा ने बार-बार आरोप लगाया है कि जब भी सीएम सिद्धरामैया राजनीतिक अनिश्चितता का सामना करते हैं, तो वे जाति जनगणना के मामले को सबसे आगे ले आते हैं। सीएम और डिप्टी सीएम के नई दिल्ली दौरे पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने कहा सीएम और डिप्टी सीएम को नई दिल्ली में नए एआईसीसी भवन के उद्घाटन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है और इसी पृष्ठभूमि में वे नई दिल्ली में हैं।

मुझे नई दिल्ली जाना था, लेकिन सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के व्यस्त होने के कारण मैंने अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के प्रतिनिधियों की बैठक के आयोजन के बारे में निर्णय लिया जाएगा। आबकारी मंत्री आर.बी. थिम्मापुरा के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वे सीएम बनने में सक्षम हैं, परमेश्वर ने कहा कि मंत्री थिम्मापुरा 30 वर्षों से राजनीति में हैं और उनमें यह क्षमता है। उन्होंने कहा हाईकमान के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय महासचिव की ओर से निर्देश है कि राज्य में सीएम के बदलाव के बारे में न बोलें। पार्टी के माध्यम से सामुदायिक बैठकें आयोजित करने के निर्णय पर पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा हम अपनी समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, पार्टी चाहे तो सामुदायिक बैठकें आयोजित कर सकती है। पार्टी हम हैं। क्या हमारे बिना पार्टी का अस्तित्व है? हम पार्टी का निर्माण करते हैं। हम होंगे तो पार्टी अस्तित्व में रहेगी। हम समुदाय पार्टी का निर्माण करते हैं और इसी समुदाय ने पार्टी का निर्माण किया है। कांग्रेस पार्टी एक आंदोलन है और यह दावा करना कि हम कैडर आधारित पार्टी नहीं हैं, गलत है और यह एक आंदोलन है। मैं ज्योतिष नहीं जानता कि मार्च में कांग्रेस में कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होगा या नहीं।

भविष्यवाणी पता होती तो मैं बयान देता

अगर मुझे ज्योतिष और भविष्यवाणी पता होती तो मैं बयान देता। जिन लोगों ने मंत्रियों से प्रदर्शन रिपोर्ट ली है, उन्हें कैबिनेट फेरबदल के बारे में बात करनी होगी और मैं टिप्पणी नहीं कर सकता। हमने रिपोर्ट सौंप दी है। मैंने अपने विभाग के बारे में भी एक प्रस्तुतिकरण दिया है। 2014 में, सिद्धरामैया (सीएम के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान) ने कर्नाटक सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक जनगणना का आदेश दिया। तत्कालीन पिछड़ा वर्ग आयोग एच. कांताराजू की अध्यक्षता वाली एक समिति ने लगभग 169 करोड़ रुपये की लागत से सर्वेक्षण किया। रिपोर्ट 2016 तक तैयार हो गई थी, हालांकि, बाद की सरकारों ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। एच.डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस और जेडीएस गठबंधन सरकार और बी.एस. येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई ने भी रिपोर्ट को लंबित रखा। 2020 में राज्य की भाजपा सरकार ने जयप्रकाश हेगड़े को आयोग का प्रमुख नियुक्त किया, लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया। हेगड़े ने 29 फरवरी, 2024 को सिद्धरामैया सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी।

केपीसीसी को नया अध्यक्ष नियुक्त करना चाहिए: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानमंडल की बैठक के बाद भी कांग्रेस पार्टी में असहमति के बयान शांत नहीं हुए हैं। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली सीधे केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ खुला बयान लेकर मैदान में उतर आए। जब डीके शिवकुमार ने विधानसभा में बेलगावी कांग्रेस कार्यालय के निर्माण का श्रेय मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर को देने का प्रस्ताव रखा तो सतीश जारकीहोली ने इसका सीधे तौर पर विरोध किया। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए जारकीहोली ने कहा कि केपीसीसी के लिए नया अध्यक्ष नियुक्त किया जाना चाहिए।

नये अध्यक्ष की नियुक्ति होनी चाहिए। हमने एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से अनुरोध किया है कि नए अध्यक्ष को बदलने का निर्देश दें। इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति है कि केपीसीसी अध्यक्ष बदला जाएगा। हमें एक पूर्ण अध्यक्ष की जरूरत है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पार्टी का नेतृत्व कोई भी संभाले, वोट लाने वाले तो होने ही चाहिए। इसका फायदा हमें अगले चुनाव में मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला उस जाति या इस जाति का नहीं है। निचले स्तर पर केपीसीसी अध्यक्ष के बदलाव की चर्चा है। हर कोई बदलाव चाहता है। उन्होंने कहा कि जब एआईसीसी प्रतिनिधि से उनकी बातचीत हुई तो उन्होंने 25 जनवरी के बाद इस पर बात करने का वादा किया। मैंने अध्यक्ष पद को लेकर अपनी राय सीधे हाईकमान तक पहुंचा दी है। हमने पार्टी के संगठन को लेकर भी चर्चा की। हमारे बीच नफा-नुकसान को लेकर विश्लेषण चल रहा है। मैंने अनुरोध किया था कि मुझे विधान सभा में बोलने के लिए समय दिया जाये। लेकिन कोई मौका नहीं मिला। हमने अपने विचारों से पार्टी नेताओं को अवगत करा दिया है। सब कुछ एक बार में हल नहीं होगा। समय की जरूरत है। हर कोई कह रहा है कि पार्टी महत्वपूर्ण है। हमारी भी यही राय है। उन्होंने कहा कि कोई भी पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल नहीं था। हाईकमान को स्पष्ट निर्णय देना चाहिए कि डीके शिवकुमार को अध्यक्ष बने रहना चाहिए या नहीं। 2023 से पहले पार्टी संगठन की गति धीमी हो गई है। खासकर विधानसभा चुनाव संपन्न होने और सरकार बनने के बाद संगठन अपेक्षित स्तर पर संगठित नहीं हो पा रहा है। हमारा आग्रह नहीं है कि अध्यक्ष बदलना चाहिए। अगर वह जारी रहे तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी संगठन को ज्यादा समय देते हैं उन्हें नेतृत्व करना चाहिए। मेरे सहित सभी मंत्री विभाग के काम में लगे हुए हैं। पार्टी संगठन में कोई शामिल नहीं है। इससे पहले, आलाकमान ने घोषणा की थी कि लोकसभा चुनाव के बाद केपीसीसी अध्यक्ष को बदल दिया जाएगा। केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में इस संबंध में लिखित समझौता हुआ। यदि क्षमता है तो 2-3 पद देने में कोई आपत्ति नहीं है। कोई कह रहा है कि सतीश जारकीहोली को पार्टी का अध्यक्ष होना चाहिए तो कई कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी को पिछड़े वर्ग से ज्यादा वोट मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि वह इस महीने के अंत में दिल्ली जा रहे हैं और हाईकमान से चर्चा करेंगे।

लक्ष्य बदलने के इरादे से जाति जनगणना की चर्चा को लाया जा रहा आगे: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेस सरकार कई भ्रष्टाचार घोटाले, मुख्यमंत्री बदलने का मुद्दा, केपीसीसी अध्यक्ष बदलने का मुद्दा समेत कई तरह की समस्याओं का सामना कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लक्ष्य बदलने के इरादे से जाति जनगणना की चर्चा को आगे लाया गया है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में पहले से ही इसका विरोध हो रहा है। उन्होंने बताया कि एक तरफ डीके शिवकुमार और दूसरी तरफ श्यामनूर शिवशंकरप्पा भी विरोध कर रहे हैं।

कांताराजू की रिपोर्ट में क्या है, यह भी जयप्रकाश हेगड़े ने बताया है। तो पिछले कई वर्षों में क्या बदलाव आया है? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति की आबादी वास्तव में करीब 1.50 करोड़ है, लेकिन इसे एक करोड़ आठ लाख दिखाया गया है। कोई सही आंकड़ा नहीं है। अगली जनगणना अप्रैल और मई में होगी। उन्होंने कहा कि तभी सही आंकड़े प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्लेषण किया कि उन्होंने जो किया है वह सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक जनगणना है न कि जातीय जनगणना। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर हर बात को ध्यान में रखा जाए और कोई भेदभाव न हो तो इस पर सहमति बन सकती है। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अगर इसे लागू करना है तो इसके फायदे और नुकसान को समझना चाहिए और अगर यह लोगों के लिए उपयोगी है तो इस पर चर्चा होनी चाहिए। हालाँकि, वे लीक कर रहे हैं और चर्चा कर रहे हैं। 60 फीसदी कमीशन को लेकर ठेकेदार सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं। वह एक पत्र भी लिख रहे हैं। सरकार के पास इनका कोई जवाब नहीं है। इसलिए उन्होंने उन पर लक्ष्य बदलने के लिए ऐसी हरकतें करने का आरोप लगाया।

सीएम कल मेंगलूरु में बहुसंस्कृति उत्सव राज्य खेल 2025 का करेंगे उद्घाटन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 17 जनवरी को टाउन हॉल और मंगला स्टेडियम में क्रमशः बहुसंस्कृति उत्सव और राज्य खेल 2025 का उद्घाटन करेंगे। कर्नाटक सुवर्ण संभ्रम समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित बहुसंस्कृति उत्सव 17 जनवरी को टाउन हॉल में आयोजित किया जाएगा।

यह आयोजन कन्नड़ और संस्कृति विभाग के साथ-साथ तुलु, बेरी, कोंकणी, अरेबाशे, कोडवा और यक्षगान अकादमियों द्वारा दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कोडागु के जिला प्रशासन के सहयोग से एक संयुक्त प्रयास है। सीएम सिद्धरामैया उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, स्पीकर यू टी खादर, मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार एएस पोन्नन्ना, जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव, मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, एनएस बोसराजू और शिवराज एस थंगादगी, विपक्षी नेता आर अशोक, सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, कोटा श्रीनिवास पुजारी और यदुवीर चामराज वाडियार, विधायक वेदव्यास कामथ, डॉ. भरत वाई शेट्टी, उमानाथ कोटियन, हरीश पूंजा, राजेश नाइक, भागीरथी मुरुल्या और सुनील कुमार और अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। उत्सव की शुरुआत एक जीवंत जुलूस से होगी। इसका उद्घाटन स्पीकर यू टी खादर 17 जनवरी को शाम 4 बजे करेंगे, जो शारदा विद्यालय से शुरू होकर टाउन हॉल में समाप्त होगा। राज्य खेल 2025 भी 17 जनवरी से शुरू हो रहे हैं, जिनका उद्घाटन सीएम सिद्धरामैया मंगला स्टेडियम में करेंगे। यह आयोजन 23 जनवरी तक चलेगा। खेलों में मेंगलूरु, उडुपी, मणिपाल और बेंगलूरु में 25 कार्यक्रम होंगे। मेंगलूरु में 12, उडुपी में 8, मणिपाल में 3 और बेंगलूरु में 2 कार्यक्रम होंगे। कुल 3,247 एथलीट पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 631 स्वर्ण, 631 रजत और 827 कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

मेंगलूरु में होने वाले कार्यक्रमों में बैडमिंटन, बास्केटबॉल, तलवारबाजी, फुटबॉल, हैंडबॉल, खो-खो, नेटबॉल, तैराकी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, वुशू और ताइक्कांडो शामिल हैं। उडुपी और मणिपाल में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, जूडो, कबड्डी, कुश्ती, कयाकिंग, कैनोइंग, हॉकी, लॉन टेनिस और टेबल टेनिस की मेजबानी की जाएगी। जिमनास्टिक और निशानेबाजी की स्पर्धाएं बेंगलूरु में आयोजित की जाएंगी।

गाय के थन काटने के मामले की हो रही निष्पक्ष जांच: बी दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिटी पुलिस कमिश्नर दयानंद ने कहा कि चामराजपेट के विनायकनगर के पेंशन मोहल्ले में तीन गायों के थन काटने के मामले को हमने गंभीरता से लिया है और निष्पक्ष जांच चल रही है। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह शैतानी हरकत है। जैसे ही उस दिन घटना सामने आई, हमारी पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, जांच की और स्थानीय साक्ष्य और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जांच जारी है। एक पत्रकार के इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या घटना में कोई और भी शामिल था, उन्होंने कहा कि वह अभी इस बारे में कुछ नहीं कह सकते क्योंकि मामले की जांच चल रही है। राममूर्तिनगर थाना क्षेत्र में छह साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने यह भी कहा कि डीसीपी और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले में जल्द ही आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रही है। ऐश्वर्या गौड़ा के खिलाफ शहर में तीन मामले और मांड्या पूर्व पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है। कमिश्नर ने कहा कि शहर भर के मामलों की जांच जारी है और काफी जानकारी जुटाई गई है।

सिद्धरामैया के इस्तीफे का समय नजदीक : विजयेंद्र

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि मुडा घोटाले में मुख्यमंत्री के परिवार ने गरीबों के लिए आरक्षित भूखंडों पर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया। अगर प्लॉट लौटा भी दिए गए तो भी यह एक गलती थी। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अपराध तो अपराध है। सिर्फ परिसर लौटाने से कलंक से मुक्ति नहीं मिल सकती। आज वे स्नेहमई कृष्णा को धमकी दे रहे हैं और मामले दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सब साजिश है। स्नेहमई कृष्णा ने न्याय की लड़ाई नहीं छोड़ी है। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि स्नेहमई कृष्णा के अनुरोध के अनुसार उच्च न्यायालय इस मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंप देगा। यह सिर्फ 14 स्थान नहीं है, बल्कि इसमें 5000 करोड़ से ज्यादा का घोटाला हुआ है। जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, हजारों प्लॉट रियल एस्टेट ब्रोकरों को बेचे गए हैं। मुडा घोटाले के मुद्दे पर बीजेपी लगातार संघर्ष करती रही है। उन्होंने बताया कि हमने बेंगलूरु से मैसूरु तक ट्रैकिंग भी की थी। पहले सिद्धरामैया ने कहा कि कोई अवैधता नहीं है और अगर मुआवजा दिया गया तो वह जमीन वापस कर देंगे। इसके बाद उन्होंने बिना कोई मुआवजा मांगे मुडा को 14 प्लॉट वापस कर दिया। हमारे संघर्ष के परिणामस्वरूप, सिद्धरामैया को समझ में आ गया है कि अवैधता मुख्यमंत्री की कुर्सी का कांटा है। सिद्धरामैया का इस्तीफा तय है। उन्होंने कहा कि चाहे वे कितनी भी कोशिश कर लें, उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना ही होगा।

नाबालिगों के साथ सामूहिक बलात्कार के आरोप में दो गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती कर दो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर रायबाग तालुक के सावसुड्डी गांव के पास एक पहाड़ी पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी भी गायब है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. भीमाशंकर गुलेड़ ने बुधवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि अलकनूर निवासी अभिषेक बलप्पा बेवनूर ने इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग लड़की से दोस्ती की थी और उसे मैसेज भेज रहा था। पिछले महीने कोकटनूर मेले के दौरान उसकी पीड़िता से मुलाकात भी हुई थी। दोस्ती करने के बाद उसने पीड़िता को अपने साथ सावदत्ती चलने को कहा था। उसने पीड़िता को हरुगेरी में बस स्टैंड के पास आने को कहा था। 3 जनवरी को जब पीड़िता अपने एक अन्य दोस्त के साथ बस स्टैंड के पास पहुंची तो बेवनूर एक कार में उनका इंतजार कर रहा था, जिसमें हरुगेरी निवासी अन्य आरोपी आदिलपाशा शब्बीर जमादार और अलकनूर निवासी कौतुक बानू बडिगर भी थे।

वे दोनों नाबालिग लड़कियों को सावसुड्डी गांव के पास एक पहाड़ी पर ले गए। बेवनूर और जमादार ने पहाड़ी पर पीड़िता के साथ बलात्कार किया, जबकि बडिगर ने कार में दूसरी नाबालिग के साथ बलात्कार किया। उन्होंने अपने कृत्यों का वीडियो और तस्वीरें भी लीं और धमकी दी कि अगर वे फिर से उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए नहीं आईं तो वे उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने दोनों पीड़ितों को अपने साथ गोवा चलने के लिए भी बुलाया था। बलात्कार की घटना के बाद, दोनों नाबालिग सदमे की स्थिति में थीं, लेकिन उनमें से एक ने हिम्मत जुटाई और अपने परिवार के सदस्यों को उनके साथ हुई दरिंदगी के बारे में बताया।

13 जनवरी को हरुगेरी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी बेवनूर और जमादार को पकड़ लिया और उनके सेल फोन बरामद कर लिए।

उनके फोन में बलात्कार की घटना के कुछ वीडियो मिले हैं, अन्य वीडियो डिलीट हो सकते हैं। उन्होंने कहा हमने डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने के लिए उनके सेल फोन को साइबर फोरेंसिक लैब में भेज दिया है। तीसरे आरोपी बदीगर की तलाश शुरू कर दी गई है, जो वाहन लेकर फरार हो गया है। हम आरोपियों के पिछले रिकॉर्ड और अन्य अपराधों में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रहे हैं। हमें जानकारी मिली है कि आरोपी जमादार का भाई भी ऐसे कामों में शामिल था और उसकी हत्या कर दी गई थी।

गाय पर अत्याचार मामला : भाजपा ने राज्यव्यापी विरोध की बनाई योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में मंगलवार शाम को एक प्रतिनिधिमंडल ने चामराजपेट में हाल ही में एक व्यक्ति द्वारा काटे गए तीन गायों के मालिकों से मुलाकात की और घटनास्थल का भी दौरा किया। इस जघन्य अपराध के लिए एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद, भाजपा ने इस मुद्दे पर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। भाजपा दावा कर रही है कि एक व्यक्ति द्वारा अपराध करना संभव नहीं था और वह इस भयावह घटना की उचित जांच की मांग कर रही है। मकर संक्रांति त्योहार के मद्देनजर, टीम ने गौ पूजा भी की। भाजपा की राज्य टीम कॉटनपेट पुलिस स्टेशन की सीमा में दुंडुमारीअम्मा मंदिर के पास घायल गायों के मालिक के घर गई। दौरे के दौरान, टीम ने गाय के मालिक को नैतिक समर्थन दिया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद पी.सी. मोहन, एमएलसी एन. रविकुमार, बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, पूर्व आईपीएस अधिकारी और भाजपा नेता भास्कर राव, पार्टी के प्रमुख सदस्य और

स्थानीय नेता मौजूद थे। विपक्षी नेता आर. अशोक ने घोषणा की कि ऐसी घटनाओं से हिंदू भयभीत नहीं होंगे।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैंने व्यक्तिगत रूप से चामराजपेट में गायों के थन काटे जाने और उनका खून बहाए जाने के बाद उनकी दुर्दशा देखी है। यह किसी एक व्यक्ति का कृत्य नहीं है। इस अपराध में कई लोग शामिल हैं। पुलिस को गहन जांच करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा यह कृत्य ऐसे महत्वपूर्ण समय में किया गया जब प्रयागराज में संक्रांति उत्सव और महाकुंभ मेला चल रहा है। इसके अलावा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर गाय के मालिक कर्ण पर गायों को उन्हें सौंपने के लिए दबाव डाला। भाजपा ने गाय के मालिक को मुआवजे के तौर पर एक लाख रुपये दिए हैं।

हिंदू झुकने की स्थिति में नहीं हैं। कांग्रेस के दोहरे मापदंड हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो उन्होंने मालिक को तीन नई गायें उपहार में देने की पेशकश की, जबकि उनके अपने लोग उन्हें मार रहे थे। मुझे अब पुलिस और सरकार दोनों पर संदेह है। आरोपी की जेब में ब्लेड पाया गया और पुलिस ने दावा किया कि वह मानसिक रूप से अस्थिर है। ऐसा व्यक्ति दस साल तक फैक्ट्री में कैसे काम कर सकता है? वह सुबह 3-4 बजे कैसे मौके पर पहुंचा? वे गाय के मालिक कर्ण पर सीधे हमला नहीं कर सकते थे, इसलिए उन्होंने चेतावनी के तौर पर उनकी गायों पर हमला किया। फिर भी, सीएम सिद्धरामैया ने निंदा में एक शब्द भी नहीं कहा। अगर मुसलमानों के साथ कुछ हुआ होता, तो वे तुरंत जवाब देते। हालांकि, हम इस वोट बैंक की राजनीति से नहीं डरते। यह एक धार्मिक युद्ध है और भाजपा पूरे राज्य में गोहत्या और हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ लड़ेगी। अशोक ने उचित जांच न होने पर गुस्सा जताया और इसकी तुलना पिछली घटना से की, जिसमें एमएलसी सी.टी. रवि को गिरफ्तार कर गन्ने के खेत में रखा गया था। इस मामले में, आरोपी को जांच के लिए पुलिस हिरासत में लिए बिना सीधे अदालत में पेश किया गया था। उन्होंने कहा इससे जांच रुक गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से दूध देने वाली गायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया और कहा गौ माता के साथ विश्वासघात न करें। मीडिया से बात करते हुए विजयेंद्र ने कहा राज्य और देश के हिंदुओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। कर्नाटक के इतिहास में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ हम गाय की पूजा करते हैं और इसे पवित्र माना जाता है और इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने गायों के मालिक के घर का दौरा किया और भाजपा सांसद पी.सी. मोहन ने उनके परिवार की मदद के लिए उन्हें एक गाय दान की है।

केओनिक्स विक्रेताओं ने प्रियांक खड़गे पर उत्पीड़न का लगाया आरोप

इच्छा मृत्यु की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरकारी स्वामित्व वाली कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (केओनिक्स) से जुड़े विक्रेताओं ने भारत के राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। उन्होंने ग्रामीण विकास और पंचायत राज (आरडीपीआर), आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे और कांग्रेस विधायक शरत बच्चेगौड़ा, जो केओनिक्स के अध्यक्ष भी हैं, पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। केओनिक्स विक्रेताओं के संघ ने मंगलवार को पत्र प्रस्तुत करते हुए दावा किया कि कथित व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण पिछले डेढ़ साल से उनके लंबित बिलों का भुगतान नहीं किया गया है। संघ ने इस बात पर जोर दिया कि 400 से 500 विक्रेता गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, जिसका असर करीब 6,000 परिवारों पर पड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई विक्रेता या उनके परिवार के सदस्य आत्महत्या करते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी मंत्री खड़गे और विधायक बच्चेगौड़ा की होगी। वसंत बंगेरा और एसोसिएशन के अन्य सदस्यों ने अपनी दलील में कहा हमें हर दिन परेशान किया जाता है। केओनिक्स विक्रेताओं

का जीवन बर्बाद हो गया है। हम पर निर्भर 6,000 परिवार सड़कों पर आ गए हैं। इसके मद्देनजर, हम विनम्रतापूर्वक दया मृत्यु की अनुमति मांगते हैं। केओनिक्स, जो राज्य में 48 वर्षों से कार्यरत है, ने सरकार को विभिन्न सेवाएँ प्रदान करने के लिए 450 से 500 छोटे उद्योगपतियों को विक्रेता के रूप में पंजीकृत किया है। बंगेरा ने कहा कि लगातार सरकारों ने केओनिक्स के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि 2023 में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद स्थिति बदल गई और पिछले तीन-चार महीनों से विक्रेता अपने भुगतान को मंजूरी देने के लिए अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनके प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला है। एसोसिएशन ने दावा किया कि पूर्व सीईओ ने 12 प्रतिशत कमीशन की मांग की और जब विक्रेताओं ने इनकार कर दिया, तो उनके बिल रोक दिए गए। विरोध प्रदर्शन करने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। पत्र में आगे आरोप लगाया गया है कि मंत्री खड़गे ने मामले को व्यक्तिगत रूप से लिया है, जांच के बहाने भुगतान रोक दिया है, जबकि विक्रेताओं ने अपना काम पूरा कर लिया है और सरकारी विभागों ने केओनिक्स को पहले ही धन जारी कर दिया है। कई विक्रेता, जिन्होंने अपने संचालन के लिए ऋण लिया था, अब वित्तीय संकट में हैं और दबाव के कारण आत्महत्या करने पर विचार कर रहे हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि मंत्री खड़गे, विधायक बाच्चेगौड़ा, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और अन्य अधिकारियों से बार-बार की गई अपील को नजरअंदाज कर दिया गया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि सब कुछ जानबूझकर किया गया लगता है। यह सुनिश्चित करने के लिए नए नियम बनाए गए हैं कि 450 से 500 विक्रेताओं में से कोई भी अपनी स्थिति बरकरार न रख सके, इसके बजाय बड़ी कंपनियों को तरजीह दी गई है। इसने 6,000 परिवारों को अपनी आजीविका से वंचित कर दिया है। राष्ट्रपति से अपनी अपील में, एसोसिएशन ने तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और राज्य सरकार से उनके जीवन को बचाने के लिए एक सप्ताह के भीतर उनका बकाया जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

निरीक्षण के दौरान विचाराधीन कैदियों ने जिला जेल कर्मचारियों पर किया हमला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला जेल में एक घटना की सूचना मिली है, जिसमें विचाराधीन कैदियों ने निरीक्षण कर रहे कर्मचारियों पर हमला कर दिया। जेल अधिकारियों ने घटना के संबंध में बार्के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। सोमवार रात को कर्मचारियों ने सेल में प्रतिबंधित वस्तुओं की मौजूदगी के संदेह में तलाशी शुरू की। जब उन्होंने ए ब्लॉक का निरीक्षण करने का प्रयास किया, तो विचाराधीन कैदियों ने कथित तौर पर उन्हें धमकाया और प्रवेश करने से रोका। जेल में वर्तमान में सांप्रदायिक आधार पर कैदियों को अलग रखा जाता है, जिसमें ए ब्लॉक में मुस्लिम कैदी और बी ब्लॉक में हिंदू कैदी रहते हैं। यह विवाद तब हुआ, जब जेल

अधीक्षक एम एच अशेकन के नेतृत्व में जेल कर्मचारियों ने नियमित रात्रिभोज सेवा के बाद शाम 7:30 बजे निरीक्षण शुरू किया।

मोबाइल फोन और भांग जैसी प्रतिबंधित दवाओं की मौजूदगी के संदेह में, टीम ने विस्तृत तलाशी लेने की तैयारी की। हालांकि, ए ब्लॉक में कैदियों ने बर्तनों और अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल करके हमला किया, साथ ही गाली-गलौज और धमकियां भी दीं। कर्मचारियों ने मामले को बढ़ने से रोकने के लिए आगे की कार्रवाई करने से परहेज किया और इसके बजाय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बार्के पुलिस स्टेशन में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, जिसमें ए ब्लॉक के सभी कैदियों के नाम हैं। जेल कर्मचारियों की सुरक्षा और जेल के भीतर अनुशासन को मजबूत करने के लिए जांच जारी है।

मैं दलित हूं, मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता: मंत्री तिम्मापुर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस पार्टी में जारी अंदरूनी कलह के बीच मंगलवार शाम को कर्नाटक के आबकारी मंत्री आर.बी. तिम्मापुर ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा पेश करते हुए कहा कि वह दलित हैं और वह मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकते। यहां पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री तिम्मापुर ने कहा दलितों को मुख्यमंत्री पद क्यों नहीं मिलना चाहिए? मुझे मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनना चाहिए? अगर मैं मुख्यमंत्री बन गया तो कौन आपत्ति करेगा? उन्होंने कहा मुझे यकीन नहीं है कि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक मेरे नाम को मंजूरी देगी या नहीं। ये सभी कारक भूमिका निभाएंगे। अगर हाईकमान फैसला करता है, तो मैं मुख्यमंत्री बनूंगा। उन्होंने कहा, सोमवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बेलगावी कार्यक्रम पर चर्चा हुई। किसी विधायक ने असंतोष नहीं जताया। दलित नेताओं की बैठक रद्द नहीं की गई है। हमने इसे स्थगित कर दिया है। दलितों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए। मैंने बलिदान के बारे में बात की है। मुख्यमंत्री के बदलाव पर हाईकमान फैसला करेगा। किसने कहा है कि सीएम सिद्धरामैया को पद छोड़ने के लिए कहा जाएगा? मुझे सत्ता के बंटवारे के बारे में नहीं पता। मुझे कैबिनेट फेरबदल के बारे में भी नहीं पता। तीन गायों के थन काटने की घटना के खिलाफ भाजपा के विरोध पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या दलितों की हत्या की घटनाओं के सामने आने पर भाजपा ने विरोध किया था। उन्होंने कहा दोषियों से निपटा जाना चाहिए और मामले में राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

अगर भाजपा ओछी राजनीति से दूर नहीं रहेगी तो जनता उसे सबक सिखाएगी। इस बीच, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता एसआर पाटिल ने कहा कि वह उत्तर कर्नाटक क्षेत्र से किसी नेता को सीएम पद के लिए चुने जाने का स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा हर विधायक की इच्छा मुख्यमंत्री बनने की होगी। कोई भी व्यक्ति साधु नहीं होता। प्रतिष्ठित पद की मांग करना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री बदलने का मामला हाईकमान पर छोड़ दिया गया है। मुझे सत्ता के बंटवारे के बारे में नहीं पता। कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर टिप्पणी करते हुए विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि सिद्धरामैया निवर्तमान मुख्यमंत्री हैं।

उन्होंने कहा कांग्रेस में मतभेद है। पार्टी भविष्य में सत्ता में नहीं आने वाली है। अब लड़ाई मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी कलह कोई नई बात नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दो साल पूरे करने जा रहे हैं। कांग्रेस के कई नेता मुख्यमंत्री बनने की प्रतीक्षा में हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री पद पर काबिज होने के लिए बेताब हैं और अन्य नेता भी बेताब हैं। अंदरूनी कलह जल्द ही सड़कों पर आ जाएगी। विजयेंद्र ने कहा कांग्रेस के आठ से ज्यादा नेता सीएम बनने का इंतजार कर रहे हैं और जल्द ही सब कुछ सामने आ जाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को भाजपा में जो कुछ हो रहा है, उससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। भाजपा आलाकमान स्थिति को संभालने और चीजों को सही करने के लिए काफी मजबूत है। समय-समय पर कई कांग्रेस नेता सीएम पद के लिए अपनी दिलचस्पी दिखाते रहे हैं। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के अलावा राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर, पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे के नाम भी चर्चा में हैं।

सात दिवसीय इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स का हुआ समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ का सात दिवसीय इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग कोर्स, जो 6 से शुरू हुआ, का 13 जनवरी को समापन हो गया। 6 दिन का कार्यक्रम बसवनगुड़ी में स्थित ईआईएमआर बिजनेस स्कूल और सातवें दिन का कार्यक्रम वासवी हॉस्टल ट्रस्ट के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस 7 दिवसीय प्रोग्राम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के परिक्षक हितेश छाजेड़, नेहा चौधरी एवं मुकेश भंडारी ने सभी प्रतिभागियों को बहुत ही बारीकी से अच्छे वक्ता बनने का प्रशिक्षण दिया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं ई पी एस कोर्स की किताब से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजेंद्र छाजेड़ एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मधु गोलछा मौजूद थी। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम की सभापति प्रीति चौरडिया ने सभी प्रायोजक परिवारों और मेहमानों का स्वागत किया एवं महिला संघ द्वारा किए हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष सीमा मेहता ने अपने भाषण में सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए एक अच्छा वक्ता बनकर अपने विचार को कैसे नई दिशा देनी चाहिए, के बारे में बताया। राजेंद्र छाजेड़ ने महिला संघ द्वारा किए गए सभी कार्यक्रमों की सराहना की। मधु गोलछा ने बताया कि आज से 11 साल पहले जो सिवांची महिला संघ का बीज बोया गया था, वह आज एक वटवृक्ष बन गया है। हेमा चोपड़ा ने अगले कार्यक्रमों की रुपरेखा बताई। डिंपल ओस्तवाल ने सभी प्रायोजक और मेहमानों का आभार जताया। महावीर कानुगा, दीपक जैन का प्रोग्राम में विशेष सहयोग रहा। विजया बाफना, संगीता गुलेछा, रोहिणी मेहता, इंदिरा लालवानी, प्रकाश करण मेहता, नरेंद्र पालरेचा, रमेश छाजेड़, महेश चौरडिया आदि मेहमानों की उपस्थिति रही। ऊषा भंडारी, ललिता छाजेड़, शीतल चोपड़ा, अनीता लुंकड़, सुशीला गोलेछा, मोनिका पालरेचा, मीना रांका, नीतू गुलेछा, रेखा मुणोत, नेहा चौरडिया, डिंपल बागरेचा, निकिशा चौरडिया, गुलाब मेहता, टीनू पालरेचा, उषा श्रीमाल, प्रियंका पालरेचा आदि का सहयोग रहा।

परमात्मा और गुरुदेव की पूनम भक्ति आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुड़ी द्वारा दीपकों की रोशनी में अद्भुत अहसास के साथ मकर संक्रान्ति की पूर्व संध्या पर परमात्मा और गुरुदेव की पूनम भक्ति आयोजित की गई। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि अत्यन्त ही चमत्कारी भक्तों पर विशेष कृपा दृष्टि बरसाने वाले दादा गुरुदेव के विशेष दिवसों में एक प्रति पूर्णिमा को दादावाड़ी में भक्ति संध्या आयोजित की जाती है, जिसमें अनेक कलाकार सदस्य अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। दादावाड़ी

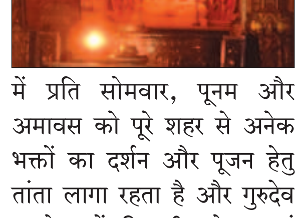

में प्रति सोमवार, पूनम और अमावस को पूरे शहर से अनेक भक्तों का दर्शन और पूजन हेतु तांता लागा रहता है और गुरुदेव अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। भक्ति में सनी रांका, नितेश बोहरा, पारस पारख, रेखा लोढ़ा ने सुमधुर स्वर में भक्ति गीतों से उपस्थित सदस्यों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी संस्थाओं के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बेंगलूरु मित्र मंडल द्वारा स्व. रंजीतमल कानूँगा की स्मृति में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सामाजिक और परोपकारी कार्य किए गए। पोंगल कार्यक्रम के अंतर्गत साड़ी और ब्लैंकेट वितरण के साथ-साथ अन्नदानम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मदनराज पिरगल, शांतिलाल भंडारी, रमेश सिसोदिया, सुनील लोढ़ा, पदमराज मेहता, अशोक चोरड़िया और प्रकाश पिरगल समेत अन्य लोग मौजूद थे। पोंगल आयोजन समिति की ओर से कमल, वसंत आदि ने सभी का बहुमान किया।*

बेंगलूरु बायोइनोवेशन सेंटर में आग लगने से 12 प्रयोगशालाएं हुई जलकर खाक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी फेज 1 के आईबीएबी कैंपस के हेलिक्स बायोटेक पार्क में स्थित बेंगलूरु बायोइनोवेशन सेंटर (बीबीसी) में मंगलवार को अचानक आग लगने से 12 शोध प्रयोगशालाएं नष्ट हो गईं। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बीबीसी कर्नाटक सरकार के आईटी, बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कर्नाटक जैव प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा (केबीआईटीएस) के अंतर्गत आता है। 50,000 वर्ग फुट का यह केंद्र 10 एकड़ के परिसर में स्थित है। आईटी/बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने नुकसान का निरीक्षण करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। बाद में, आईटी और बीटी विभाग ने एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना प्रयोगशाला में ज्वलनशील विलायक के अनुचित प्रबंधन के कारण हुई। स्टार्टअप को हुए नुकसान का प्रारंभिक अनुमान 80-110 करोड़ रुपये के बीच है, जबकि बीबीसी की संपत्तियों को अनुमानित नुकसान लगभग 42 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया है गैलोर टेक्सास स्टार्टअप

रूम में दूसरी मंजिल (ईएसएफ07 लैब) में आग लग गई, क्योंकि उनकी लैब में ज्वलनशील विलायक का प्रबंधन ठीक से नहीं किया गया था। सभी बीबीसी स्टार्टअप को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि वे अपनी लैब में ज्वलनशील रसायनों का अधिक मात्रा में भंडारण और उपयोग न करें और इसके लिए एक अलग खुला भंडारण क्षेत्र प्रदान किया गया था। विभाग ने कहा कि सुविधा की दूसरी मंजिल, जिसे हाल ही में अधिक संख्या में स्टार्टअप के लिए पुनर्निर्मित किया गया था, पूरी तरह से जल गई, जबकि आपस में जुड़ी एचवीएसी लाइनों के कारण पहली और भूतल को भी भारी नुकसान हुआ। विभाग ने कहा आग ने बेंगलूरु बायो बैंक, क्लीनरूम सुविधा, फ्लोसाइटोमेट्री, एचवीएसी इकाइयों, एसी इकाइयों सहित बीबीसी के सामान्य बुनियादी ढांचे को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। कई इनक्यूबेटेड स्टार्टअप जिनके पास अपने उपकरण थे, उनके उपभोग्य सामग्रियों और आईपी उत्पादों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा। इस बीच, अग्निशमन विभाग ने कहा एक सुरक्षा गार्ड ने आग को नोटिस करने के बाद फायर कंट्रोल रूम को सूचित किया। एक निजी फर्म के एरियल लैडर प्लेटफॉर्म सहित कुल चार दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया।

कड़ाके की सर्दी में बिजली की आंख मिचौली

हाउसबोट में रह रहे पर्यटकों का मजा किरकिरा

जम्मू, 15 जनवरी (ब्यूरो)।

कड़ाके की ठंड के बीच प्रसिद्ध डल झील में बार-बार बिजली गुल होने से पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सर्दियों के दौरान प्रतिष्ठित हाउसबोट में रहने का आकर्षण धूमिल हो रहा है। यही कारण है कि अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा के बावजूद अविश्वसनीय बिजली आपूर्ति पर्यटकों और हाउसबोट मालिकों दोनों को निराश कर रही है।

हाउसबोट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मंजूर पख्तून कहते हैं कि हाड़ कंपा देने वाली ठंड में, पर्यटकों के आराम के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति आवश्यक है। वे बार बार जोर कहते थे कि बार-बार बिजली गुल होने से न केवल टूरिस्टों के लिए मुश्किलें बढ़ रही हैं, बल्कि पर्यटन उद्योग पर निर्भर लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। बिजली कटौती से हीटिंग और लाइटिंग जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं बाधित होती हैं, जिससे पर्यटकों को डल झील के अनूठे और शांत अनुभव का आनंद लेने में संघर्ष करना पड़ता है। पख्तून कहते हैं कि कई पर्यटक बेहतरीन अनुभव की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन बिजली गुल होने से वे निराश हो जाते हैं, जिससे गंतव्य की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। उन्होंने सरकार से बिजली संकट को तत्काल दूर करने का आग्रह किया है, जिसमें कहा गया है कि पर्यटकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार बिजली की आपूर्ति महत्वपूर्ण है। एसोसिएशन के अन्य नेता कहते हैं कि बेहतर बिजली आपूर्ति जम्मू कश्मीर सरकार के पर्यटन संवर्धन अभियान का हिस्सा होनी चाहिए। पदाधिकारी कहते थे कि हम डल झील में सभी हाउसबोट में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए तैयार हैं।

हाउसबोट मालिक तारिक अहमद भी कहते हैं कि भले ही उनके पास उचित बैकअप है, लेकिन बिजली के अपने फायदे और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हैं। उनका कहना था कि हर हाउसबोट मालिक बिजली कटौती के दौरान अंदरूनी हिस्सों को गर्म रखने के लिए जनरेटर या अन्य हीटिंग गैजेट नहीं खरीद सकता। कई बार, जनरेटर के लिए केरोसिन और पेट्रोल भी आसानी से उपलब्ध नहीं होता है। हाउसबोट मालिकों के मुताबिक, इससे कठोर सर्दियों के दौरान पर्यटकों के लिए आरामदायक प्रवास प्रदान करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कश्मीर में कठोर सर्दी के बीच, हाउसबोट मालिक बिजली कटौती की समस्या को हल करने के लिए त्वरित कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डल झील देश और विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनी रहे। हालांकि, पख्तून यह भी कहते हैं कि ऊंचे हवाई किराए ने कश्मीर में पर्यटकों की आमद पर असर डाला है। उनका कहना था कि हम वर्तमान में 25 प्रतिशत बुकिंग देख रहे हैं, जो कम है। भले ही कश्मीर में बर्फबारी हुई हो, लेकिन हवाई किराए में बढ़ोतरी के कारण पर्यटकों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। उन्हें आगामी महीनों में पर्यटन में भारी वृद्धि की उम्मीद है।

सोनमर्ग सुरंग के उद्घाटन में सांसद की अनुपस्थिति चर्चा में

सीएम उमर और सांसद रूहुल्लाह के बीच सब ठीक नहीं

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 15 जनवरी।

सांसद रूहुल्लाह और उमर अब्दुल्ला के बीच मनमुटाव अब खुलकर सामने आने लगे हैं। सोनमर्ग सुरंग के हाई-प्रोफाइल उद्घाटन में श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद सैयद रूहुल्लाह मेहदी की अनुप-स्थिति ने इसे स्पष्ट कर दिया है।

कल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भरोसेमंद सहयोगी और सलाहकार नासिर असलम वानी को श्रीनगर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मेहदी की अनुपस्थिति के बारे में पत्रकारों के सवालों का सामना भी करना पड़ा था। वानी ने स्थिति को कमतर आंकने का प्रयास करते हुए कहा था कि कृपया बहुत अधिक अर्थ न निकालें। दक्षिण भारत में उनके पहले से ही कार्यक्रम थे। वह कोच्चि में हैं और इसलिए वह समारोह में शामिल नहीं हो सके। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मेहदी की अनुपस्थिति परिस्थितिजन्य से अधिक प्रतीकात्मक थी।

नेकां के एक नेता का कहना था कि क्या कोच्चि में कार्यक्रम प्रधानमंत्री की खुद की मौजूदगी वाले कार्यक्रम से अधिक महत्व-पूर्ण था? विशेषकर तब जब एक ऑनलाइन साक्षात्कार में उनकी हालिया आलोचनात्मक टिप्पणियों के बाद मेहदी और पार्टी के बीच मतभेद बढ़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। याद रहे कुछ दिन पहले मेहदी ने दावा किया था कि कश्मीरी उमर अब्दुल्ला द्वारा जम्मू और कश्मीर के लोगों और नेकां के जनादेश से खुद को दूर करने से चिंतित हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अब्दुल्ला को कश्मीर में दिल्ली के प्रतिनिधि के रूप में देखे जाने का जोखिम है। दरअसल 23 दिसंबर, 2024 से तनाव बढ़ रहा है, जब मेहदी ने उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें एक विवादास्पद आरक्षण नीति का विरोध किया गया, जो ओपन मेरिट छात्रों के लिए नौकरी के अवसरों को कमजोर करती है। विरोध में विपक्षी समूह और छात्र प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि बाद में उमर ने छात्रों से मुलाकात की और उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया, लेकिन एक्स पर उनकी प्रतिक्रिया में मेहदी पर एक सूक्ष्म कटाक्ष था, मैंने उनसे कुछ अनुरोध किए हैं और उन्हें कई आश्वासन दिए हैं। उन्होंने पोस्ट किया था कि संचार का यह चैनल बिना किसी बिचौलिए या पिछलग्गू के खुला रहेगा।

फिर उसके एक दिन बाद, हजरतबल से नेकां विधायक सलमान अली सागर ने विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक विरोधियों का मंच बताया और आरोप लगाया कि मेहदी की भागीदारी ने प्रतिद्वंद्वियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका दिया। जैसे-जैसे नेकां के भीतर तनाव बढ़ रहा है, सवाल बना हुआ है कि क्या दरार खुले संघर्ष में बदल जाएगी या पार्टी के भीतर शांति कायम होगी। फिलहाल, नेकां को कई मोर्चों पर एक कठिन लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें इसका नेतृत्व आंतरिक असंतोष और बाहरी चुनौतियों से जूझ रहा है।

बढ़ते साइबर अपराध को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा किया है। अदालत ने कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सर्विस (सीएएनपी) को लागू करने के लिए ट्राई (टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) को निर्देश देने की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि साइबर अपराध बड़ा मुद्दा है।

बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर याचिका बेंगलुरु निवासी गौरीशंकर एस ने दाखिल की है। याचिका में साइबर अपराध के बढ़ते खतरे और अनचाहे कॉल की समस्या का जिक्र किया गया है। सीजेआई संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि हम समझते हैं कि समस्या है। केंद्र को जवाब देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम नेटवर्क ऑपरेटरों को सीएनएपी (कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सर्विस) को लागू करने के निर्देश देने के लिए जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में भारत में साइबर अपराध धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे और नागरिकों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और अन्य एजेंसियों जैसे आरबीआई, वाणिज्यिक बैंकों आदि पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को बताया गया है।

कहा गया है कि भारत में साइबर अपराध खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिससे लोगों को भारी वित्तीय नुकसान और परेशानी हो रही है। बताया गया है कि नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग प्रबंधन प्रणाली के अनुसार, साइबर अपराध प्रति माह 488.64 करोड़ रुपये है, जो प्रतिदिन 20 करोड़ से अधिक है।

शिकायतों में वृद्धि, 2023 में प्रतिदिन औसतन 3,100 से बढ़कर जनवरी-2024 में लगभग 7,000 हो गया है। इस मुद्दे की व्यापक प्रकृति को दर्शाता है। ये डेटा बिंदु देश के नागरिकों की सुरक्षा और प्रवर्तन एजेंसियों पर बोझ को कम करने के लिए प्रभावी निवारक उपायों की सख्त आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। जनहित याचिका में कहा गया है कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सेवा या सीएएनपी को (डीओटी) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा साइबर अपराध के खतरों को रोकने के लिए एक सक्रिय उपाय के रूप में पहचाना गया है। लेकिन ढाई साल से इसे लागू नहीं किया गया है।

कश्मीर का पांचवां खेलो इंडिया विंटर गेम्स

देशभर से 1,000 से अधिक एथलीट शामिल होंगे

जम्मू, 15 जनवरी (ब्यूरो)।

कश्मीर में पांचवें खेलो इंडिया विंटर गेम्स की तैयारियां जोरों पर हैं और देशभर से 1,000 से अधिक एथलीटों के इसमें भाग लेने की उम्मीद है। शीतकालीन खेलों और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में 22 से 25 फरवरी तक गुलमर्ग में बर्फ पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में बर्फ पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी।

आयोजन में जुटे अधिकारियों के बकौल, इस आयोजन में अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और स्की माउंटेनियरिंग की प्रतियोगिताएं होंगी, जिसमें भारत भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीट शामिल होंगे। याद रहे कि 2024 में होने वाले चौथे संस्करण में भी ऐसा ही उत्साह देखा गया था, जिसमें विभिन्न श्रेणियों में 20 राज्यों ने भाग लिया था, जिससे इस क्षेत्र की इतने बड़े पैमाने पर खेल आयोजनों की मेजबानी करने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया था।

आगामी कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, गुलमर्ग के विधायक फारूक अहमद शाह ने व्यवस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा है कि गुलमर्ग जल्द ही गतिविधियों से गुलजार हो जाएगा, क्योंकि हम देश भर से 1,000 से अधिक एथलीटों का स्वागत करेंगे। यह न केवल खेलों के लिए एक भव्य आयोजन है, बल्कि इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। वे कहते हैं कि तैयारियां पटरी पर हैं और अधिकारी इस आयोजन को सभी के लिए यादगार अनुभव के साथ एक शानदार सफलता बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आलोचकों को जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपने नेता पर भरोसा है और जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान उमर साहब के भाषण की व्यापक रूप से सराहना की गई है। वह सभी के लिए मुख्यमंत्री हैं, जिन्हें लोगों ने चुना है।

विधायक ने जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली की भी उम्मीद जताई, जो इस क्षेत्र के कई लोगों की भावना है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलमर्ग को देश की शीतकालीन खेल की राजधानी घोषित किया, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर इसके बढ़ते महत्व पर जोर देता है।

डल्लेवाल के स्वास्थ्य सुधार दावे पर पंजाब सरकार से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने करीब 50 दिनों से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के स्वास्थ्य मापदंडों में 'सुधार' के पंजाब सरकार दावे पर बुधवार को नाराजगी जताई और एम्स से राय लेने के लिए उनकी (डल्लेवाल) स्वास्थ्य रिपोर्ट की एक प्रति पेश करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार के दावे पर आश्चर्य जताया कि करीब 50 दिनों से अनशन कर रहे व्यक्ति के स्वास्थ्य मापदंडों में कैसे सुधार हुआ।

पीठ ने पंजाब सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा,ऐसा कैसे हो सकता है...और एक तरफ आप कह रहे हैं कि आपके डॉक्टर वहां (धरना स्थल पर) मौजूद हैं... हम जानना चाहते हैं कि मापदंडों (स्वास्थ्य) में कैसे सुधार हो रहा है।

पीठ की ओर से यह कहने पर कि 'वह (डल्लेवाला) 49 दिनों से अनशन कर रहे हैं, उनके स्वास्थ्य मापदंडों में कैसे सुधार हो रहा है', श्री सिब्बल ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य संबंधी मापदंड स्थिर हैं और उनमें सुधार नहीं हो रहा है। पीठ ने उनसे कहा,पिछली बार जब आपने हमें चार्ट दिया था तो आपका दावा था कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। पीठ को बताया गया कि पंजाब सरकार ने डल्लेवाल की व्यापक चिकित्सा जांच के लिए एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया है।

पीठ ने श्री सिब्बल से आगे पूछा,तो, आपके अनुसार, 24 दिसंबर, 2024 को प्लेटलेट्स (जो 2,22,000 थे), अब सुधर कर 2,54,000 हो गए हैं।

पीठ ने किसान नेता की स्वास्थ्य रिपोर्ट का पूरा सेट मांगा। पीठ ने पंजाब सरकार के मुख्य सचिव को डल्लेवाल की जांच रिपोर्ट शीर्ष अदालत की रजिस्ट्रार के पास जमा कराने का निर्देश दिया।

पीठ ने शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार को निर्देश दिया कि वे मेडिकल बोर्ड से डल्लेवाल की जांच रिपोर्ट पर राय लेने के लिए एम्स निदेशक को रिपोर्ट भेजें।

शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 में तीन तारीखों पर लिए गए डल्लेवाल के खून के नमूनों के आधार पर जांच के तुलनात्मक चार्ट का हवाला दिया। पीठ ने अपने आदेश में मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि इन रिपोर्टों का पूरा सेट सौंपने ताकि, एम्स (दिल्ली) को मेडिकल बोर्ड से डल्लेवाल की चिकित्सा/स्वास्थ्य स्थिति पर राय लेने के लिए कहा जा सके।

श्री सिब्बल ने तर्क दिया कि डल्लेवाल को एक अस्थायी अस्पताल में स्थानांतरित करने के संबंध में कुछ प्रगति हुई है, जिसे अब विरोध स्थल से 10 मीटर की दूरी पर स्थापित किया गया है। उन्होंने पीठ को यह भी बताया कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि भी प्रदर्शनकारी किसानों से मिल रहे हैं।

इस पर पीठ ने कहा कि श्री सिब्बल ने कहा है कि कुछ सक्रिय कदम उठाए गए हैं और मामले में प्रगति हुई है।

इसके बाद पीठ ने मामले की आगे की सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तारीख मुकर्रर कर दी। गौरतलब है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) (गैर-राजनीतिक) के संयोजक डल्लेवाल 26 नवंबर, 2024 से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा दी जाने वाली चिकित्सा सहायता से इनकार कर दिया। इसके बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। एसकेएम और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी, 2024 से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

आंदोलनकारी किसान अपनी कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं।न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसानों ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफी, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 की बहाली और पिछले आंदोलन के दौरान (वर्ष 2020-21) मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

सात हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम का उद्घाटन

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल अहमदाबाद से मुंबई, चेन्नै, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद हवाई अड्डों पर फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम'(एफटीआई- टीटीपी) का उद्घाटन करेंगे।

गृह मंत्री ने पिछले वर्ष 22 जून को यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल-3 से 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम की शुरूआत की थी।

फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम विकसित भारत 2047 विजन के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय अप्रवासन सुविधाएं प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाना है। शुरु में यह सुविधा भारतीय नागरिकों और ओसीआई कार्डधारकों के लिए नि:शुल्क आरंभ की गई है।

'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन - ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' को देश के 21 प्रमुख हवाईअड्डों पर शुरू किया जाएगा। पहले चरण में इस सुविधा को दिल्ली के अलावा देश के 7 अन्य प्रमुख हवाईअड्डों - मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि और अहमदाबाद पर शुरू किया जा रहा है।

त्रिपुरा में सीएम, मंत्री और विधायकों की बल्ले-बल्ले

100 फीसदी बढ़ेगा वेतन विधानसभा में प्रस्ताव पारित

अगरतला, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

त्रिपुरा में मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायकों की बल्ले बल्ले हो गई है। वेतन बढ़ोत्तरी से जुड़ा बिल त्रिपुरा विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हो गया। इस बिल में मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सदन के अध्यक्ष और विधायकों के वेतन, भत्तों और पेंशन में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव है। विधेयक में मुख्यमंत्री को 97,000 रुपए का मासिक वेतन और 13,000 रुपए का सत्कार भत्ता, जबकि मंत्रियों और विपक्ष के नेता को 12,000 रुपए प्रति माह के भत्ते के साथ 95,000 रुपए वेतन तथा विधायकों को 12,000 रुपए प्रति माह के भत्ते के साथ 93,000 रुपए वेतन देने का प्रावधान किया गया है। राज्य में पहले मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को 50,000 से 48,000 रुपए तक वेतन मिलता था। संसदीय कार्य मंत्री रतन लाल नाथ ने विधानसभा में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, मुख्य सचेतक और विधायकों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेंद्र चौधरी ने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि विधायकों के वेतन और पेंशन में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी शत प्रतिशत उचित नहीं थी। उन्होंने कहा, सांसदों के वेतन और पेंशन में नियमित अंतराल पर बढ़ोतरी करना सामान्य बात है, लेकिन यह प्रक्रिया उचित तरीके से की जानी चाहिए। हालांकि, मैं सांसदों को मिलने वाले वेतन-भत्तों व अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के खिलाफ नहीं हूं।

कांग्रेस के सीनियर विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल में खामियों की ओर इशारा किया और सुधार के लिए सांसदों के चिकित्सा बिल पर ऊपरी सीमा लागू करने की मांग की। बर्मन ने कहा, बताया जा रहा है कि कुछ विधायक चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल के रूप में हर महीने 25,000 रुपए से 30,000 रुपए हासिल कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि हमारे पास बीमार विधायक हैं। विधायकों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल के संबंध में एक ऊपरी सीमा लागू होनी चाहिए। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री ने विधेयक का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि बढ़ोतरी के बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को सबसे कम वेतन और भत्ते मिलेंगे।

उन्होंने कहा, हमने छह साल के अंतराल के बाद अपने विधायकों के लिए संशोधित वेतन, पेंशन और अन्य लाभों का प्रस्ताव रखा है। हमारे मंत्री और विधायक राज्य के विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्हें सरकार से समर्थन की जरूरत है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी की गई है।

महाकुंभ में शुरू हुआ ब्रह्मचर्य दीक्षा समारोह

श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा में हुआ दीक्षा समारोह

महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ प्रयागराज में लगे मेला परिसर में स्थित ब्रह्मचारियों के अखाड़े श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा में बुधवार को दीक्षा समारोह शुरू हो गया। मकर संक्रांति के अगले दिन अखाड़े में ब्रह्मचारियों के दीक्षा की प्रक्रिया शुरू की गई है। आदि गुरु शंकराचार्य की परंपरा से चतुर्नाम के ब्रह्मचारी इस अखाड़े में रहते हैं। प्रकाश, स्वरूप, चैतन्य और आनंद, जो एक-एक शंकराचार्य का प्रतिनिधित्व इस अखाड़े में करते हैं। चारों वेदों का अखाड़े में अध्ययन किया जाता है, जिससे वे समाज में जाएं और धर्म का प्रचार प्रसार करें।

श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संपूर्णानंद महाराज ने बताया कि इस अखाड़े में लाखों ब्रह्मचारी हैं।

जो यहां ब्रह्मचारी की दीक्षा लेने के लिए आयेगा, वह पहले अखाड़े की और सनातन धर्म की परंपराओं को समझेगा। जब अखाड़े के पंचों को लगता है कि वह ब्रह्मचारी बनने के लिए परिपक्व है तो उसे ब्रह्मचारी के रूप में दीक्षित किया जाता है।

संपूर्णानंद महाराज के अनुसार ब्रह्मचारी वह है जो धर्म का पालन करता है। जो सनातन धर्म की व्याख्या और प्रचार करेगा, उसे ब्रह्मचारी बनाएंगे। जो गृहस्थ से दूर हैं, वे यहां आते हैं। यहां बहुत सारे ब्रह्मचारी दीक्षित हुए और उन्होंने सामाजिक उपाधियां प्राप्त की। ब्रह्मचारियों को सभापति, महामंत्री, सचिव, श्रीमहंत, महंत, थानापति, कोतवाल, पुजारी पदों पर योग्यता के अनुसार नियुक्त किया जाता है।

स्वस्थ महाकुंभ : श्रद्धालुओं को मिल रहा स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन

हर सेक्टर में तैनात किए गए फूड सेफ्टी ऑफिसर

महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने विशेष इंतजाम किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र को 5 जोन और 25 सेक्टरों में बांटकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक सेक्टर में फूड सेफ्टी ऑफिसर तैनात हैं, जो परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों की नियमित जांच कर रहे हैं। सेक्टर 24 में संकट मोचन मार्ग पर स्थित ऑफिस से फूड सेफ्टी की सभी व्यवस्थाओं का संचालन किया जा रहा है। वहीं से खाद्य पदार्थों की निगरानी और टीमों की मॉनिटरिंग की जा रही है।

सहायक खाद्य आयुक्त सुशील कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं को खराब या मिलावटी भोजन से बचाने के लिए फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स का उपयोग किया जा रहा है। ये मोबाइल लैब्स मेला क्षेत्र में भोजन और पेय पदार्थों की ऑन-द-स्पॉट जांच कर रही हैं। होटलों, ढाबों और छोटे खाद्य स्टॉल्स पर बन रहे भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच हो रही है। शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना

समीक्षा बैठक में सीएम योगी ने कहा, युद्धस्तर पर करें तैयारी

लखनऊ, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान की संभावना के दृष्टिगत व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बीते 03 दिनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि पौषपूर्णिमा और मकर संक्रांति के दो प्रमुख स्नान पर्वों पर 06 करोड़ से अधिक लोगों ने त्रिवेणी स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर 8-10 करोड़ लोगों के आगमन की संभावना है। ऐसे में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने की आवश्यकता है।

सीएम ने निर्देश दिए कि रेलवे के साथ संवाद बनाकर महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों का समयबद्ध आवागमन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि नियमित और विशेष ट्रेनों का संचालन लगातार किया जाता रहे। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इनकी संख्या को बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क को और बेहतर करने की जरूरत भी बताई, साथ ही बसों, शटल बसों और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन लगातार कराए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शौचालयों की नियमित सफाई की जाए, घाटों की बैरिकेडिंग हो और सभी सेक्टरों में 24 घंटे बिजली और पेयजल आपूर्ति की जानी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव गृह व सूचना, प्रमुख सचिव नगर विकास, चेयरमैन पावर कॉर्पोरेशन और निदेशक सूचना सहित अनेक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

संस्कृति का महाकुंभ आज से शुरू

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजेगी महाकुंभ की शोभा

लखनऊ/महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में 16 जनवरी से 24 फरवरी तक संस्कृति का महाकुंभ होगा। मुख्य मंच गंगा पंडाल का होगा, जिसमें देश के नामचीन कलाकार भारतीय संस्कृति का प्रवाह करेंगे। इसके अतिरिक्त यमुना पंडाल, सरस्वती पंडाल में भी 16 जनवरी से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। त्रिवेणी पंडाल में 21 जनवरी से अनवरत सांस्कृतिक सुरों का संगम होगा। 16 जनवरी को गंगा पंडाल में बॉलीवुड सिंगर शंकर महादेवन के सुरों की गंगा में श्रोता आनंद की डुबकी लगाएंगे तो यमुना पंडाल में काशी के संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थी मंगलाचरण से ईश्वर के चरणों में श्रद्धा निवेदित करेंगे। पहले दिन सरस्वती पंडाल पर नौटंकी विधा से भी श्रद्धालु परिचित होंगे। पद्मश्री रामदयाल शर्मा 30 सदस्यीय टीम के साथ कृष्ण सुदामा की मित्रता को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेंगे।

भक्ति एवं विरासत के इस उत्सव में गंगा पंडाल का मंच मुख्य होगा। 10, 000 दर्शकों की क्षमता के लिए सेक्टर-1 के परेड ग्राउंड में गंगा पंडाल बनाया गया है। यह भारत के प्रसिद्ध कलाकारों की भव्य प्रस्तुतियों का केंद्र है। इसके अलावा दो हजार दर्शकों की क्षमता वाला त्रिवेणी, यमुना व सरस्वती पंडाल बनाया गया है। यहां भी मेजबान उत्तर प्रदेश समेत देश के नामचीन कलाकार अनेक विधाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे।

16 जनवरी को होने वाले मुख्य कार्यक्रम

गंगा पंडालः प्रो. ऋत्विक सान्याल (वाराणसी) - शास्त्रीय/उप शास्त्रीय गायन, विचित्रानंदा स्वेन (भुवनेश्वर), ओडिशी नृत्य, कुशल दास (कोलकाता) सितार, शंकर महादेवन (मुंबई) एवं रविशंकर (उत्तर प्रदेश), भजन/सुगम संगीत। यमुना पंडालः संस्कृत विद्यालय वाराणसी के बच्चों द्वारा मंगलाचरण, सान्या पाटनकर (राजस्थान) शास्त्रीय गायन, सहीराम पांडेय (गोंडा) आल्हा गायन, सरिता मिश्रा (लखनऊ) लोकगायन, रामप्रसाद (प्रयागराज) बिरहा गायन, पीयूषा कैलाश अनुज (दिल्ली) भजन, आरुषी मुद्गल (दिल्ली) ओडिशी नृत्य, अमरजीत (सोनभद्र) जनजाति लोकनृत्य। सरस्वती पंडालः सौरभ बनौधा (सोनभद्र) बंसी वाद्यवृंद, श्वेता दुबे (वाराणसी) भजन गायन, श्रुति मालवीय (लखनऊ) भजन/लोकगायन, पद्मश्री रामदयाल शर्मा (दिल्ली) कृष्ण सुदामा नौटंकी।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए अखाड़ा वॉक-टूर

प्रशिक्षित विशेषज्ञ और गाइड कराएंगे अखाड़ा वॉक-टूर

महाकुंभ नगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। तीर्थराज प्रयागराज में संगम तट पर लगने वाले दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 का आरंभ हो चुका है। पवित्र नदी गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर होने वाले आस्था के इस महा आयोजन में 26 फरवरी तक करोड़ों लोग डुबकी लगाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए यूपीएसटीडीसी ने विभिन्न पैकेज तैयार किए गए हैं। इन्हीं में से एक है अखाड़ा वॉक-टूर पैकज, जिसकी फीस 2000 रुपए निर्धारित की गई है। उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (यूपीएसटीडीसी) परेड ग्राउंड के टेंट कॉलोनी से सुबह सात बजे से वॉक-टूर शुरू करेगा और 09:30 बजे तक ढाई घंटे में विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण कराएगा। इन अखाड़ों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। भ्रमण के लिए कम से कम पांच लोगों का ग्रुप होना चाहिए।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं, पर्यटकों की सुविधा के लिए तथा प्रयागराज मेले की विहंगम दृश्य अवलोकन के लिए इसकी शुरूआत की गई है। अखाड़ा वॉक-टूर देसी विदेशी श्रद्धालुओं को प्रयागराज की प्राचीनता और बदलते स्वरूप तथा कुंभ क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक स्थलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

इसके लिए विशेषज्ञ तथा गाइड की व्यवस्था की गई है। आखाड़ा वाक करने वाले कम से कम 05 लोग यूपीएसटीडीसी पर बुकिंग कराकर अखाड़ा वॉक टूर में शामिल हो सकते हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (यूपीएसटीडीसी) ने श्रद्धालुओं/पर्यटकों की सुविधा के लिए कांबो पैकेज भी लांच किया है। 3500 रुपए में अखाड़ों के साथ-साथ नागा साधुओं, अघोरी संप्रदाय और कल्पवासियों को करीब से देखने-समझने का अवसर प्राप्त होगा। कांबो टूर पैकेज के तहत प्रतिदिन सुबह 07:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक भ्रमण कराया जा रहा है। इसकी समय अवधि करीब 5 घंटे की है। इसकी शुरुआत परेड ग्राउंड के टेंट कॉलोनी से होगी। टूर के दौरान प्रतिभागियों को वॉक एक्सपर्ट, मेले का नक्शा, एक प्रिंटेड हैंडआउट, इको-फ्रेंडली कैरी बैग तथा 01 बोतल मिनरल वाटर उपलब्ध कराया जाएगा।

जयवीर सिंह ने बताया कि इन अखाड़ों के बारे में संक्षिप्त जानकारी भी प्रसारित कराई जा रही है। इन अखाड़ों में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा भारत के सबसे प्रमुख और प्राचीन अखाड़ों में से एक है, जिसका हिंदू संन्यासी परंपरा में महत्वपूर्ण स्थान है। श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी सबसे प्रभावशाली अखाड़ों में से एक, जो हिंदू धर्म के शैव संप्रदाय से संबंधित है। श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी का इतिहास एक सहस्त्राब्दी से भी अधिक पुराना है। श्री पंच अटल अखाड़ा इस अखाड़े का इतिहास लगभग 1,400 वर्षों से अधिक पुराना है। दशनामी संन्यास परंपरा के सात अखाड़ों में से एक, अटल अखाड़ा भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत में विशेष स्थान रखता है। श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा देश के 13 प्रमुख अखाड़ों में से एक, जो दशनामी सन्यास परंपरा का हिस्सा है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि श्री तपोनिधि आनंद अखाड़ा पंचायती शैव संप्रदाय के सात प्रमुख अखाड़ों में से एक, अपनी अद्वितीय संरचना और महत्वपूर्ण परंपराओं के लिए विख्यात है। श्री पंचदशनाम आवाहन अखाड़ा इसे 6वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित किया गया था। यह ऐतिहासिक अखाड़ा काशी के दशाश्वमेध घाट पर स्थित है। श्री पंचदशनाम अग्नि अखाड़ा इसे श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़ा भी कहा जाता है। शैव संप्रदाय में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता है। अग्नि अखाड़ा अपनी विशिष्ट प्रथाओं और रीति-रिवाजों का पालन करता है। श्री दिगंबर अनी अखाड़ा-बैरागी वैष्णव संप्रदाय के तीन प्रमुख अखाड़ों में से एक है। यह अपनी समृद्ध परंपराओं और विशिष्ट प्रथाओं के लिए प्रसिद्ध है। श्री निर्वाणी अनी अखाड़ा-संत अभयराम दास जी द्वारा स्थापित यह अयोध्या के सबसे प्रभावशाली अखाड़ों में से एक है।

जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़ा संत रामानंद द्वारा स्थापित हिंदू संप्रदाय का प्रमुख अखाड़ा है। यह सादगी, ब्रह्मचर्य और प्रभु श्रीराम की भक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन-सन 1825 में हरिद्वार में स्थापित, उदासीन संप्रदाय का एक प्रमुख संस्थान है। इसकी स्थापना निर्वाण बाबा प्रीतम दास महाराज ने की थी। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन इसे उदासीन पंचायती नया अखाड़ा भी कहा जाता है। 1913 से अखाड़ा अपने संप्रदाय का प्रतिनिधित्व कर रहा है। श्री निर्मल पंचायती अखाड़ा की स्थापना 1862 में हुई थी। अखाड़े का इतिहास सिख मठवासी परंपराओं के विकास और समेकन को दर्शाता है।

10 देशों का दल महाकुंभ का भ्रमण करेगा

21 अंतर्राष्ट्रीय मेहमान गुरुवार को संगम में लगाएंगे डुबकी

महाकुंभनगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन अब पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को 10 देशों का 21 सदस्यीय दल संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के एक्सटर्नल पब्लिसिटी एंड पब्लिक डिप्लोमेसी डिवीजन द्वारा आमंत्रित 10 देशों का 21 सदस्यीय दल बुधवार को पहुंच रहा है। इस दल के आवास की व्यवस्था अरैल क्षेत्र स्थित टेंट सिटी में की गई है, जिसे उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा निर्मित किया गया है।

बुधवार को दल के महाकुंभ मेला क्षेत्र में भ्रमण का कार्यक्रम है।

शाम 5:00 बजे से 6:30 बजे तक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया है, जिसमें दल के सदस्य प्रयागराज की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनुभव करेंगे। रात में टेंट सिटी में रात्रि भोजन और विश्राम की व्यवस्था की गई है। अंतरराष्ट्रीय दल गुरुवार, 16 जनवरी को सुबह 8:00 बजे त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाएगा। इसके बाद नाश्ते के पश्चात 9:30 बजे दल के सदस्यों को हेलीकॉप्टर से महाकुंभ क्षेत्र का हवाई अनुभव कराया जाएगा। भ्रमण कार्यक्रम दोपहर 1:30 बजे समाप्त होगा और दल एयरपोर्ट के लिए रवाना होगा। इस अंतरराष्ट्रीय दल में फिजी, फिनलैंड, गयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि शामिल हैं।

भूरागढ़ में शहीदों की याद में 3330 दीप प्रज्जवलित

बांदा, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सैनिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के ऐतिहासिक भूरागढ़ दुर्गा प्रांगण में स्थित अमर जवान शहीद स्मारकों में बुधवार की शाम प्रत्येक शहीद की याद में 3330 दीप प्रज्जवलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में राजनीतिज्ञों, विद्वानों , कलाकारों ,साहित्यकारों ,अधिवक्ताओं और पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों व गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। जन समुदाय ने देश की आजादी में और आजाद देश के विभिन्न युद्धों व आपरेशन में राष्ट्र के लिए शहीद हुए राष्ट्र भक्तों की स्मारकों में पुष्प,माला,रीथ आदि अर्पित कर उन्हें सलामी दी।

शंकराचार्य ने किया गो प्रतिष्ठा यज्ञ का उद्घाटन

महाकुंभनगर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने बुधवार को यहां सुबह सेक्टर 19 में मोरी मार्ग पर स्थित शंकराचार्य शिविर में पहुंच कर गो प्रतिष्ठा महायज्ञ का उद्घाटन किया। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्र कृष्ट मात्रा में याज जहां होते हैं, ऐसे प्रयागराज की पावन भूमि पर गो को राष्ट्रमाता के पद पर प्रतिष्ठा करने के लिये गाय की रक्षा के लिये एवं गायों को पुष्ट करने के लिये एक महीने तक एक बहुत बड़ा यज्ञ प्रयागराज कुम्भ में शुरू हुआ। इस महायज्ञ में 324 कुंडीय यज्ञ, जिसमें सवा तीन करोड़ आहुतियां दी जायेंगी।

बहराइच में तेंदुये ने बनाया मासूम को शिकार

बहराइच, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के ग्राम पंचायत उर्रा के तमोलिनपुरवा गांव में बुधवार को एक तेंदुए ने कक्षा दो की छात्रा पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। सूत्रों के अनुसार, बैजनाथ अपने परिवार के साथ खेत में काम करने गए थे। इस दौरान तेंदुआ गन्ने के खेत में छिपा हुआ था। जैसे ही आठ वर्षीय छात्रा शालिनी ने खेत में कदम रखा, तेंदुआ अचानक हमला कर दिया और उसे अपने जबड़े में दबोचकर गन्ने के खेत में ले गया। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य दौड़े और तेंदुए को भगाने की कोशिश की। घटना के बाद छात्रा अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुकी थी। यह सुनकर परिवार में मातम छा गया और गांव के सैकड़ों लोग वहां इकट्ठा हो गए। वन विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और डीएफओ को सूचित किया।

संपादकीय

कर्मचारी या गुलाम चाहिए

आज नौकरी बनाम परिवार, खुद की जिंदगी के समीकरणों पर बात करेंगे। औद्योगिक सोच और शोषण की प्रवृत्ति भी स्पष्ट होती जाएगी। यह सवाल भी खुलता जाएगा कि हमारी कंपनियां, अंततः, विश्वस्तरीय क्यों नहीं हैं? लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) एक बहुराष्ट्रीय समूह है और देश की शीर्ष 100 कंपनियों में उसका नाम आता है। कंपनी में 59,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। उनके अलावा, दिहाड़ीदार मजदूर भी कंपनी की परियोजनाओं से जुड़े रहते हैं। कंपनी का सालाना टर्नओवर कई लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे औद्योगिक समूह के चेयरमैन सुब्रह्मण्यम की इच्छा है कि कंपनी के कर्मचारी सप्ताह में 90 घंटे काम करें। वे रविवार को भी दफ्तर आएं। एक शीर्ष उद्योगपति का यह विचार निरर्थक नहीं हो सकता। उन्होंने बेमतलब ही यह विचार व्यक्त नहीं किया है। बेशक वह अत्यंत प्रतिभाशाली, बौद्धिक, मेहनती, अन्वेषक उद्योगपति हैं, जिन्होंने इतनी बुलंदियां छुई हैं, लेकिन उनकी इच्छा में कई सवाल भी निहित हैं। कर्मचारी 90 घंटे, सातों दिन, काम करें, लेकिन वेतन वही रहेगा। सालाना बढ़ोतरी भी औसतन 1.7 फीसदी ही होगी, लेकिन चेयरमैन का वेतन 51.05 करोड़ रुपए सालाना है। अर्थात 14 लाख रुपए हर रोज..! उनकी वेतन-वृद्धि भी 43 फीसदी है। औसतन कर्मचारी का सालाना वेतन 9.7 लाख रुपए है और महिला कर्मचारी को 6.7 लाख रुपए ही मिलते हैं। दरअसल हमारी चिंता और सरोकार किसी औद्योगिक समूह के कर्मचारियों के वेतन तक ही सीमित नहीं हैं। हम किसी मजदूर आंदोलन के पैरोकार भी नहीं हैं और न ही कथित वामपंथी हैं। सवाल यह है कि देश के शीर्ष उद्योगपतियों की औसत कर्मचारी को लेकर सोच क्या है? उन्हें कामगार चाहिए अथवा जरखरीद गुलाम चाहिए? बहुराष्ट्रीय कंपनी इंफोसिस के संस्थापक उद्योगति नारायणमूर्ति ने भी कुछ साल पहले बयान दिया था कि यदि देश को तरक्की करनी है, तो कर्मचारियों को सप्ताह में कमोबेश 70 घंटे काम करना चाहिए। एल एंड टी के चेयरमैन की इच्छा 90 घंटे के कर्मचारी की ही नहीं है, बल्कि वह कामगारों के घर में ताक-झांक कर तंज भी कसते हैं-घर में बैठकर क्या करोगे? कितनी देर तक पत्नी को निहारोगे और पत्नी तुम्हें निहारेगी? चलो, दफ्तर आओ और काम करो। सवाल यह भी है कि आज का कर्मचारी क्या 'जंगली प्राणी' है, जिसके कुछ पारिवारिक दायित्व ही नहीं हैं? यदि वह सप्ताह में 90 घंटे नौकरी ही करेगा, तो रोजाना की नींद लेने, रोजाना के कार्यों से निवृत होने, नाश्ता और डिनर करने, बच्चों को स्कूल छोडऩे, बीमार माता-पिता को डॉक्टर तक ले जाने, घर से दफ्तर और दफ्तर से घर लौटने के घंटों के बाद उसके पास अपने लिए कितना समय बचेगा? शायद जिंदगी ही छोटी पड़ जाए! क्या सुब्रह्मण्यम ने अपनी जिंदगी के बारे में कभी आत्मचिंतन किया है? चिकित्सा के विभिन्न शोधों के निष्कर्ष हैं कि यदि मनुष्य लगातार काम ही करता रहेगा, तो वह हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, मानसिक असंतुलन सरीखी बीमारियों का शिकार हो सकता है। एक रपट के मुताबिक, भारत में करीब 62 फीसदी लोग बर्नआउट (तनाव) का शिकार होते हैं। हमारे श्रम-कानून में भी प्रावधान है कि कामगार से सप्ताह में 48 घंटे से अधिक श्रम नहीं करा सकते, लिहाजा जो सुब्रह्मण्यम ने कहा है, क्या वह कानून का उल्लंघन नहीं है? एल एंड टी समूह के जानकार विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनी में जो कर्मचारी फील्ड, साइट पर काम कर रहे हैं, वे औसतन 12 घंटे हर रोज से ज्यादा काम कर रहे हैं। यदि एक रविवार को काम किया, तो कर्मचारी अगले रविवार भी आधा दिन काम करेगा। यह कैसी कार्य-संस्कृति है।

औद्योगिक सोच और शोषण की प्रवृत्ति भी स्पष्ट होती जाएगी। यह सवाल भी खुलता जाएगा कि हमारी कंपनियां, अंततः, विश्वस्तरीय क्यों नहीं हैं? लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) एक बहुराष्ट्रीय समूह है और देश की शीर्ष 100 कंपनियों में उसका नाम आता है। कंपनी में 59,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। उनके अलावा, दिहाड़ीदार मजदूर भी कंपनी की परियोजनाओं से जुड़े रहते हैं। कंपनी का सालाना टर्नओवर कई लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे औद्योगिक समूह के चेयरमैन सुब्रह्मण्यम की इच्छा है कि कंपनी के कर्मचारी सप्ताह में 90 घंटे काम करें। वे रविवार को भी दफ्तर आएं। एक शीर्ष उद्योगपति का यह विचार निरर्थक नहीं हो सकता। उन्होंने बेमतलब ही यह विचार व्यक्त नहीं किया है। बेशक वह अत्यंत प्रतिभाशाली, बौद्धिक, मेहनती, अन्वेषक उद्योगपति हैं, जिन्होंने इतनी बुलंदियां छुई हैं, लेकिन उनकी इच्छा में कई सवाल भी निहित हैं। कर्मचारी 90 घंटे, सातों दिन, काम करें, लेकिन वेतन वही रहेगा।

देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत

प्रह्लाद सबनानी

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं (Fast Moving Consumer Goods - FMCG) के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों

में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014-15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023-24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से भी जुड़े हैं। यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद तक सुधार होता है। मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में यदि उक्त उपाय नहीं किया जाते हैं तो बहुत सम्भव है कि यह मध्यमवर्गीय परिवार एक बार पुनः कहीं गरीबी रेखा के नीचे नहीं खिसक जाय। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने का भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए।

दृष्टि कोण

निष्पक्ष चिंतन प्रजातंत्र का आधार

प्रजातंत्र अनेक शासन व्यवस्थाओं में बेहतरीन व्यवस्था मानी जाती है क्योंकि इसमें तानाशाही व्यवस्थाओं जैसी मनमानी और क्रूरता की संभावना न्यूनतम होती है। प्रारंभ में शासन की जिम्मेदारी केवल बाहरी हमलों से सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखना मात्र होती थी। लोग अपनी-अपनी सामथ्र्य अनुसार अपनी रोजी-रोटी के प्रयास करने के लिए स्वतंत्र थे। किन्तु इस व्यवस्था में कमजोर और शक्तिशाली को एक ही धरातल पर प्रतिस्पर्धा करनी होती थी। औद्योगिक क्रांति के बाद जो पूंजीवादी व्यवस्था बनी, उसने भी इसी मान्यता को अपनाया, किन्तु इस मॉडल ने नागरिकों के बीच आर्थिक असमानता को और भी ज्यादा बढ़ा दिया। उद्योगपति और मजदूर, मालिक और नौकर वाली व्यवस्था बनी जिसमें मालिक मजदूर या श्रमिक वर्ग का मनमाना शोषण करने के लिए स्वतंत्र थे। इसी के विरुद्ध प्रतिक्रिया के फलस्वरूप साम्यवादी विचारधारा का उदय हुआ, जिसने आर्थिक असमानता को कम करने के प्रयास किए, किन्तु एकदलीय तानाशाही की स्थापना की। इसने व्यक्ति की स्वतंत्र चिंतन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को नष्ट कर दिया जिसके फलस्वरूप ही साम्यवादी व्यवस्थाएं अपने ही बोझ से ध्वस्त हो गईं। जो बची हैं वह भी साम्यवाद का पाखंड ही करती दिखती हैं क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था तो भयंकर पूंजीवादी बन गई है। इसी दुविधा काल में फिर से प्रजातंत्र के विचार को बल मिला, किन्तु पूंजीवादी व्यवस्था में जो खुले शोषण की छूट मिल जाती थी, उस पर दो तरह से नियंत्रण करने के प्रयास किए गए। एक तो श्रमिक हितों की रक्षा के लिए कानून बनाए गए और दूसरे कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का विकास हुआ। कल्याणकारी राज्य में प्रतिस्पर्धा में पिछड़ गए या किसी भी कारण हाशिए पर आ गए समाज को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी राज्य पर डाली गई, जिसमें गरीबी उन्मूलन, मानव कल्याण के काम जैसे भोजन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और आय संबंधी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के काम शामिल हैं। भारतीय संविधान में भी धारा 38 और 39 में राज्य के कल्याणकारी कत्र्तव्यों का प्रावधान किया गया है। यानी धीरे-धीरे प्रजातंत्र और पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को सुधारते हुए अधिकाधिक प्रगतिशील बनाने के प्रयास हुए। इंग्लैंड और जर्मनी में 1940 के दशक में ही कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पर कार्य आरंभ हुआ, जिससे प्रजातंत्र का ऐसा स्वरूप विकसित हो रहा है जो समाज को उन्मुक्त चिंतन के अवसर प्रदान करता है, कार्य और उद्यम की स्वतंत्रता प्रदान करता है, प्रतिस्पर्धा में पिछड़ गए समाज के भाग को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है और तानाशाही वृत्तियों को नियंत्रित करता है। इसी कारण प्रजातंत्र बेहतरीन शासन पद्धति साबित हो रहा है। प्रजातंत्र को उत्तरोत्तर प्रगतिशील बनाने के लिए प्रजातंत्र के मूल लक्षणों पर बल देते रहने की जरूरत होती है क्योंकि शासक वर्ग हमेशा ही शक्ति के दुरुपयोग द्वारा तानाशाही वृत्तियों की ओर उन्मुख होने की संभावनाओं से ग्रस्त रहता है। इसीलिए कानून के शासन को प्रजातंत्र में प्रमुख स्थान दिया गया है। जो कानून प्रजा पर लागू होता है वही शासकों पर भी लागू होता है। प्रजातंत्र में बहुदलीय प्रणाली से निश्चित अवधि पर चुनाव होते हैं और वयस्क नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए अपने प्रतिनिधि चुन कर सरकार बनाते हैं। मतदाताओं का कत्र्तव्य है कि वे प्रजातंत्र के मूल्यों को ध्यान में रख कर, निष्पक्ष होकर अपने प्रतिनिधि और दल को चुनें। इसके लिए मतदाता का निष्पक्ष होना जरूरी है। दलों का प्रयास रहता है कि वे अधिक से अधिक नागरिकों को अपना सदस्य बनाएं, किन्तु नागरिकों का प्रयास होना चाहिए कि वे कम से कम दलीय सदस्यता ग्रहण करें। जब वे दलीय सदस्यता से बाहर रहेंगे, तभी वे सत्यनिष्ठ मूल्यांकन कर सकेंगे। वरना प्रतिबद्ध मतदाता जो किसी दल से जुड़ा है, उसके बारे में पता होता है कि वह किसके प्रति अपनी क्या राय व्यक्त करेगा, और वह जिस दल के साथ प्रतिबद्ध है, उसके गलत काम को भी ठीक ही कहेगा। इसलिए यदि हम चाहते हैं कि शासन निष्पक्ष कार्य करे तो पहले हमें ही निष्पक्ष होने की जरूरत है। हम भिन्न-भिन्न दलों के साथ जुड़ाव को दरकिनार करते हुए उनके कार्य के निष्पक्ष मूल्यांकन के आधार पर यदि मतदान करना आरंभ कर देंगे तो दलों पर भी अपनी कार्य पद्धति को सुधारने का दबाव बनेगा। विनोबा जी ने इस दृष्टि से आचार्यकुल नामक संस्था के गठन का विचार दिया था। इस संस्था के सदस्य समाज को पूर्णतः निष्पक्ष राय से जागरूक करते रहेंगे जिससे सर्वहितकारी न्यायपूर्ण प्रजातंत्र को सुदृढ़ करने के लिए मतदान किया जा सके। अपनी निष्पक्षता को सुदृढ़ करने के लिए आचार्यकुल के सदस्य किसी भी दल के सदस्य न बनें, मतदान भी न करें।

कुछ अलग

साहिब सोए फाइल पर

पिछले दिनों झुन्नू लाल जी मुझे सचिवालय की सीढियां उतरते दिखे। वह भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग में सहायक निदेशक हैं। चेहरा कुछ उतरा हुआ था। मैंने उनसे कुशल-क्षेम पूछते हुए कहा, 'भाई साहिब! सब ख़ैरियत तो है। चेहरा क्यों उतरा हुआ है? कहीं ट्रांसफर तो नहीं हो गई।' वह रुआंसे होकर बोले, 'यार! क्या बताऊं। मैं तो परेशान हो चुका हूं पिछले साल से। क़रीब डेढ़ साल होने को आ रहा है। लेकिन प्रमोशन है कि अभी तक अटकी पड़ी है।' मैं उनकी ओर ताकता हुआ बोला, 'हद है पंडित जी। ऐसा क्या हो गया जो आपकी प्रमोशन नहीं हो रही। क्या विजिलेंस का कोई केस लगा है?' वह उदास होते हुए बोले, 'अब क्या बोलूं यार। पहले विभाग प्रमोशन का केस प्रोसेस करने में नहीं आ रहा था। किसी तरह फाइल चलवाई तो सचिव कार्यालय में पता चला कि पांच साल की एसीआर गुम हैं। मैं तो हर साल समय पर एसीआर भर कर भेजता रहा। लेकिन निदेशक को मुझसे प्यार बहुत था। उसने तीन साल तक मेरी एसीआर नहीं भरी। लेकिन पूछता कौन है इस अंधेर नगरी में। एसीआर रिव्यू करने वाले अधिकारी भी सोये रहते हैं और रिपोर्ट करने वाले भी।' मैंने उत्सुकता से पूछा, 'फिर आपने कैसे मैनेज किया?' उन्होंने निराशा भरे स्वर में अपनी बात जारी रखी, बोले, 'एक निदेशक रिटायर हो चुके थे। उनसे एसीआर लिखवाने के लिए उनके गांव जाना पड़ा। फिर दूसरे निदेशक को ढूंढा। भाई साहिब हमारा महकमा छोड़ कर दूसरे विभाग में बतौर संयुक्त सचिव टेबल तोड़ रहे थे। स्साले ने दस चक्कर कटवाए। तब कहीं जाकर एसीआर भरी। कभी कहता कि मैंने उसके साथ ठीक नहीं किया था तो कभी कहता कि मेरे पास तो तुम्हारी एसीआर पहुंची ही नहीं। दोबारा भर कर दी। तब कहीं जाकर उसने रिपोर्ट किया। फिर रिव्यूइंग अफसरों के तरले किए। पहला रिटायरमेंट के बाद यहीं जुगाड़ में राजधानी में सूचना आयोग का कार्यभार संभाल रहा था। दूसरा रिटायर होकर दिल्ली में बस गया था। किसी तरह एसीआर पूरी कीं। फिर विभाग में जमा करवाईं।' उनकी निराशा देखने के बावजूद मेरी उत्सुकता में कोई कमी नहीं आई थी। मैंने उसी अंदाज़ में उनसे पूछा कि अब क्या अड़चन है। वह बुझे चेहरे से कहने लगे, 'यार! मैं क्या सपने लेकर बत्तीस साल पहले भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग में ज़िला भाषा अधिकारी बन कर आया था। हालांकि विश्वविद्यालय में प्रवक्ता की भली-चंगी नौकरी मिल रही थी। पर मुझ पर राज्य में भाषा, कला और संस्कृति का संवर्धन और संरक्षण करने का भूत सवार था। पे-स्केल कम होने के बावजूद मैंने यह विभाग चुना। लेकिन बाद में पता चला कि भाषा, कला और संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण के नाम पर उन नेताओं के चाहने पर ही भाषा, कला और संस्कृति का विकास हो सकता है जो बात-बात में सबको गरियाते हैं और जिन्हें अपनी भाषा भी ठीक से नहीं आती। हिंदी और अंग्रेज़ी की बात तो छोड़ ही दो।' इतना कहने के बाद वह अतीत की किसी गहरी सोच में उतर गए। मेरे पूछने पर पुनः बोले, 'बड़ी मुश्किल से डीपीसी की डेट तय हुई। डीपीसी वाले दिन पता चला कि एक एसीआर फिर गुम है। यह तो भगवान का शुक्र है कि मैंने इस बार एसीआर जमा करवाने से पहले अपने पास पहले सभी एसीआर की फोटोस्टेट रख ली थीं। दूध का जला, छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। डीपीसी के बाद फाइल एप्रूवल के लिए मुख्यमंत्री को भेजी गई। क़रीब दो महीने से फाइल सीएम के टेबल पर पड़ी है। पर किसको फुर्सत है कि आम अधिकारी की फाइल एप्रूव हो।

देश दुनिया से

भारतीय संस्कृति में सूर्य

आम तौर से सूर्य को प्रकाश और गर्मी का अक्षुण्ण स्त्रोत माना जाता है, लेकिन अब वैज्ञानिक यह जान गए हैं कि यदि सूर्य का अस्तित्व समाप्त हो जाए तो पृथ्वी पर विचरण करने वाले सभी जीव-जंतु तीन दिन के भीतर मृत्यु को प्राप्त हो जाएंगे। सूर्य के हमेशा के लिए अंधकार में डूबने के भीतर वायुमंडल में मौजूद समूची जलवाष्प ठंडी होकर बर्फ के रूप में गिर जाएगी और असहनीय शीतलता से कोई भी प्राणी जीवित नहीं रह पाएगा। करीब 50 करोड़ साल पहले से प्रकाशामन सूर्य की प्राणदायिनी ऊर्जा की रहस्य शक्ति को हमारे ऋषि-मुनियों ने पांच हजार साल पहले ही जान लिया था और वे ऋग्वेद में लिख गए थे, 'आप्रा द्यावा पृथिवी अंतरिक्षः सूर्य आत्मा जगतस्थश्च।' अर्थात विश्व की चर तथा अचर वस्तुओं की आत्मा सूर्य है। ऋग्वेद के मंत्र में सूर्य का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व उल्लेखित है। प्रकृति के रहस्यों के प्रति जिज्ञासु ऋषियों ने हजारों साल पहले जिस सत्य का अनुभव किया था, उसकी विज्ञान सम्मत पुष्टि अब 21वीं सदी में वैज्ञानिक प्रयोगों से संभव हो रही है। सौर मंडल के सौर ग्रह, उपग्रह और उसमें स्थित जीवधारी सूर्य से ही जीवन प्राप्त कर रहे हैं। पृथ्वी पर जीवन का आधार सूर्य ही है। सभी जीव-जंतु और वनस्पति जगत का जीवन चक्र सूर्य पर ही पूर्ण रूप से आश्रित है। सूर्य के इन्हीं गुणों के कारण वैदिक काल में अनेक काव्यात्मक सूक्तों की रचना की गई और ऐतिहासिक काल में सूर्य मंदिरों का निर्माण कराया गया। आदिमानव को सूर्य इसलिए चमत्कृत व प्रभावित करता था, क्योंकि वह अंधकार से मुक्ति दिलाता था और ठंड से बचाता था। सूर्य के प्रदेय में कोई भेद नहीं है। काल गणना का दिशा बोध भी मनुष्य को सूर्य ने ही दिया। इसलिए दुनिया की सभी जातियों और सभ्यताओं ने सूर्य को देवता के रूप में पूजा और अपनी-अपनी कल्पनाओं व लोकानुरूप मिथक गढ़े, जो किंवदंतियों के रूप में हमारे पास आज भी सुरक्षित हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में वैदिक काल में सूर्योपासना ज्ञान और प्रकाश के एकीकरण के लिए की जाती थी। तैत्रीय-संहिता में उल्लेख है कि सूर्य के प्रकाश से ही चंद्रमा चमकता है। 'छांदोग्य उपनिषद' में सूर्य को ब्रह्म बताया गया है। गायत्री मंत्र में सूर्य को तेज और बुद्धि का पर्याय माना गया है। रामायण में राम, रावण से युद्ध का श्रीगणेश करने से पहले सूर्य की स्तुति करते हैं। महाभारत में तो कर्ण को सूर्य पुत्र बताया गया है। कनिष्क तथा हुविष्क के सिक्कों पर सूर्य का अंकन है। कुषाणों ने अनेक नयनाभिराम सूर्य प्रतिमाओं का निर्माण कराया। हर्ष के राजकवि मयूर ने सूर्य की वंदना में सौ श्लोकों की रचना की। सूर्य की किरणों से चिकित्सा पर कई पुस्तकें लिखी गई हैं। यजुर्वेद में स्पष्ट कहा गया है कि अंतरिक्ष में व्याप्त सभी विकिरणों में सूर्य की किरणें ही जीव जगत के लिए लाभदायी हैं। 1582 में मुगल सम्राट अकबर ने एक नए धर्म 'दीन ऐ इलाही' की शुरुआत की थी, जिसमें सूर्य पूजा का ही सर्वाधिक महत्व दर्शाया गया था। वैदिक रूप में सूर्य को काल गणना का कारण मान लिया गया था। ऋतुओं में परिवर्तन का करण भी सूर्य को माना गया। वैदिक समय में ऋतुचक्र के आधार पर सौर वर्ष या प्रकाश वर्ष की गणना शुरू हो गई थी, जिसमें एक वर्ष में 360 दिन रखे गए। वर्ष को वैदिक ग्रंथों में संवत्सर नाम से जाना जाता है। नक्षत्र, वार और ग्रहों के छह महीने तक सूर्योदय उत्तर-पूर्व क्षितिज से, अगले छह माह दक्षिण पूर्व क्षितिज से होता है। इसलिए सूर्य का काल विभाजन उत्तरायण और दक्षिणायन के रूप में है। उत्तरायण के शुरू होने के दिन से ही रातें छोटी और दिन बड़े होने लगते हैं। यही दिन मकर तथा कर्क राशि से सूर्य को जोड़ता है। इसलिए उस दिन भारत में मकर संक्रांति का पर्व मनाने की परंपरा है। वेदकाल में यह साफ तौर से पता लगा लिया था कि प्रकाश, ऊर्जा, वायु और वर्षा के लिए समस्त भूमंडल सूर्य पर ही निर्भर है। वेदकालीन सूर्य में सात प्रकार की किरणें और सूर्य रथ में सात घोड़ों के जुते होने का उल्लेख है। सूर्य रथ का होना और उसमें घोड़ों का जुता होना अतिरंजनापूर्ण लगता है। अस्तु सूर्य रथ की कल्पना काल की गति के रूप में की गई। सात प्रकार की किरणों को खोजने में आधुनिक वैज्ञानिक भी लगे हैं। नए शोधों से ज्ञात हुआ है कि सूर्य किरणों के अदृश्य हिस्से में अवरक्त और पराबैंगनी किरणें होती हैं। भूमंडल को गर्म रखने और जैव रासायनिक क्रियाओं को छिप्र रखने का कार्य अवरक्त किरणें और जीवधारियों के शरीर में रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाने का काम पराबैंगनी किरणें करती हैं। वेदकालीन सूर्यलोक में दो देवियों की भी कल्पना की गई है। ये हैं, उषा और सूर्या। ऋग्वेद में उषा की वंदना सूर्यों के साथ बीस सूक्तों में की गई है। सूर्योदय के समय अंधेरे और उजाले के बीच जो संधिवेला है, वही उषा की प्रतीक है। सौर देवी सूत्रों की ऋग्वेद में पूरे सूक्त में स्तुति की है। भूमंडल को प्रकाशित करने का कारण उषा ही मानी जाती है। दुनिया के सबसे बड़े मेले सिंहस्थ और कुंभ भी सूर्य के एक निश्चित स्थिति में आने पर लगते हैं। सिंहस्थ का पर्व तब मनाया जाता है, जब सिंह राशि में सूर्य आता है। इसमें स्नान एक निश्चित मुहूर्त में किया जाता है। वैदिक ग्रंथों के अनुसार देव और दानवों ने समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश प्राप्त किया था। इसे लेकर विवाद हुआ। तब विष्णु ने सुंदरी रूप रखकर देवताओं को अमृत और दानवों को मदिरा पान कराया। राहू ने यह बात पकड़ ली। वह अमृत कलश लेकर भागा। विष्णु ने सुदर्शन चक्र छोडक़र राहू का सिर धड़ से अलग कर दिया। इससे सिर 'राहू' और धड़ 'केतु' कहलाया। इस छीना-झपटी में जहां-जहां अमृत की बूंदें गिरीं, वहां-वहां सिंहस्थ और कुंभ के मेले लगने लगे। इस वैदिक घटना को वैज्ञानिक संदर्भ में भी देखा जा रहा है। इस आख्यान एवं वैज्ञानिक शोध के बीच सामंजस्य बिठाया जा रहा है। दरअसल हमारे सौर मंडल में एमएस 403 एक तारा है। यह हमारे सूर्य से दस हजार गुना बड़ा सूर्य है। इसे एक ब्लैकहोल निगल रहा है। जिस तरह से शेर के मुंह से अपने को छुड़ाने को जानवर भागता है, ठीक उसी तरह यह दस हजार गुना बड़ा सूर्य ब्लैकहोल के चारों ओर छूटकर भागने के लिए चक्कर काट रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में जैसे किसी अनारदाने से आतिशबाजी की चिंगारियां निकलती हैं, एमएस 433 के दोनों ओर यह आतिशबाजी निकल रही है। वैज्ञानिकों ने इसके प्रकाश का जब परीक्षण किया तो पाया कि 433 में ऐसे अनेक तत्व हैं, जिन्हें हमारा विज्ञान आज भी नहीं पहचानता। आज भी ऐसे तत्व अन्य किसी तारे में मौजूद नहीं हैं। यह भी एक विचित्र संयोग है, जब सिंहस्थ का मेला लगता है तो एसएस 433 सूर्य के साथ सिंह राशि में बीचोंबीच स्थित रहता है और सिंहस्थ व कुंभ स्नान के समय इससे निकलने वाला प्रकाश तथा आतिशबाजी सीधे पृथ्वी की ओर इंगित रहता है।

आप का नजरिया

बीबीएन की मिट्टी से आशा

हिमाचल के औद्योगिक परिदृश्य को समझने, निखारने और आर्थिक परिस्थिति को जांचने के लिए बीबीएन एक मॉडल सरीखा है। यह कितना सफल, कितना विफल या कितनी उम्मीदों से भरी संभावना का कलश है, इसके ऊपर बहस और समाधान संभव हैं, लेकिन इस बीच अच्छी खबर यह है कि बीबीएन विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक मिट्टी का स्वामित्व धारण करने की इच्छा प्रकट की है। अथारिटी औद्योगिक संरचना में अपना रुतबा बढ़ाने के लिए यह अधिकार चाहती है कि उसे इंडस्ट्रियल प्लॉट निर्माण और आबंटन की शक्तियां मिलनी चाहिएं। इससे पहले प्राधिकरण को आवासीय क्षेत्र में आगे बढने के स्वतंत्र अधिकार मिले हैं और अगर औद्योगिक निर्माण से जुड़े कार्य भी इसके कार्यक्षेत्र में आते हैं, तो यह औद्योगिक शहर के भविष्य की परिकल्पना में एक क्रांतिकारी कदम होगा। दरअसल बीबीएन क्षेत्र का उदय जिस परिकल्पना को साकार कर सकता था, उसके लक्ष्यों में अभी भी खोट है। दरअसल यह क्षेत्र औद्योगिक पैकेज का सारांश बनकर आज भी अपनी क्षमता, संभावना और आर्थिक संपन्नता से महफूज है, क्योंकि योजनाबद्ध विकास की दृष्टि से कई रिसाव अब सताते हैं। अगर हमने बीबीएन की मिट्टी से हिमाचल की आर्थिकी का शृंगार करना हो, तो शिखर पर एक ही एजेंसी को जवाबदेह बनाना पड़ेगा। देर से ही सही, लेकिन बीबीएन विकास प्राधिकरण के गठन से आर्थिक व शहरी महत्त्वाकांक्षा के सपने बड़े व व्यापक ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। बीबीएन ने क्या खोया या पाया, इसकी समीक्षा के साथ-साथ इस क्षेत्र की संभावना व क्षमता के रिसाव को रोकने की एक विस्तृत योजना चाहिए, जिसे विकास प्राधिकरण जैसी स्वतंत्र संस्था पूरा कर सकती है। हमने केंद्र के औद्योगिक पैकेज से बीबीएन की महफिल सजा तो ली, लेकिन इसके परिणामों का दोहन नहीं कर सके। जो उद्योग शुरू हुए, वे भी अपने वित्तीय व कर लाभ की पैमाइश बन कर रह गए या अगंभीर प्रयासों की खेती में कई फसली बटेर पलायन कर गए। आखिर बीबीएन है कितने कैरेट का। हम अगर बीबीएन को प्रदेश की आर्थिक राजधानी का दर्जा दें, तो यह हिमाचल का न केवल सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र, बल्कि ऐसा शहर बनकर उभर सकता है जहां चंडीगढ़-मोहाली की समीपता से कई तरह से आर्थिक लाभ अर्जित होंगे। करीब पांच लाख बाशिंदों के घनत्व में बीबीएन की सुबह और बीबीएन की रात का उल्लेख मिलता है। यह दीगर है कि यह देश का ऐसा शहर है जो रात्रि पलायन कर जाता है और शेष रह जाता है एक ऐसा निम्न वर्ग जो शहरीकरण की उद्दंडता में निरंतर छलनी होता है। शहर की सूरत में बीबीएन के संकल्प केवल औद्योगिक रिसाव बन कर रह गए हैं, जबकि बीबीएन का स्तर एक तरह से चंडीगढ़ के उसी तरह के विस्तार की गवाही होना चाहिए, जो हमें पंचकूला, मोहाली से आगे निकलकर न्यू चंडीगढ़ या उससे भी आगे की रीयल एस्टेट में दिखाई देता है। बीबीएन की आंखें अगर विकास प्राधिकरण के नजरिए को आगे बढ़ाती हैं, तो यह शहर हिमाचल के आर्थिक पहरावे में अपनी सौम्यता प्रकट कर सकता है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल से ढाई घंटे तक हुई पूछताछ, बयान देने से इनकार

सियोल, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) के अधिकारियों ने सुबह हिरासत में लिये गए राष्ट्रपति यून सुक येओल से पूछताछ शुरू कर दी। येओल को राष्ट्रपति आवास से हिरासत में लेने के बाद ग्योंगगी प्रांत के ग्वाचेओन स्थित सीआईओ मुख्यालय ले जाया गया। यहां ढाई घंटे तक उनसे पूछताछ की गई।

सीआईओ के डिप्टी प्रमुख ली जे-सेउंग के नेतृत्व में अधिकारियों ने सुबह करीब 11 बजे यून सुक येओल से पूछताछ शुरू की। इस दौरान येओल के वकील भी मौजूद रहे।

येओल से पूछताछ मुख्यत: उनकी मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा पर केंद्रित है। यह घोषणा येओल ने तीन दिसंबर की रात की थी। इस बीच विपक्ष के तेवर देख यह घोषणा वापस ले ली गई। विपक्ष ने मोर्चाबंदी कर नेशनल असेंबली की पूर्ण बैठक आहूत कर येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। इस पर मतदान हुआ। मतदान में राष्ट्रपति को तगड़ा झटका लगा और महाभियोग प्रस्ताव पास हो गया। इसके बाद इसे संवैधानिक अदालत भेजा गया। संवैधानिक अदालत में मंगलवार को इस पर सुनवाई शुरू हो चुकी है।

यून सुक येओल हिरासत में लिये जाने वाले पहले मौजूदा कोरियाई राष्ट्रपति हैं। जांच अधिकारियों को 48 घंटों के भीतर यह निर्णय लेना होगा कि हिरासत में पूछताछ जारी रखने के लिए औपचारिक गिरफ्तारी वारंट दायर किया जाए या उन्हें रिहा कर दिया जाए। सीआईओ ने सुबह 10:33 बजे हिरासत वारंट निष्पादित किया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चार आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के सामान्य क्षेत्र स्पिनवाम में चार आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इसकी पुष्टि की। आईएसपीआर ने कहा कि सुरक्षाबलों को यह कामयाबी 14/15 जनवरी की रात खुफिया आधारित अभियान में मिली। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने को घेरकर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। इस दौरान चार आतंकवादी मारे गए। आतंकियों के ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इससे पहले मंगलवार को सुरक्षा बलों ने प्रांत के टैंक और खैबर जिलों में दो खुफिया आधारित अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया था।

काठमांडू से चीन के नागरिक का अपहरण करने वाले महाराष्ट्र के चार युवक नेपाल पुलिस की हिरासत में

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के सबसे व्यस्ततम पर्यटकीय क्षेत्र ठमेल से चीन के एक नागरिक का अपहरण कर भारत के तरफ ले जाने का प्रयास करते हुए चार भारतीय युवकों को नेपाल पुलिस ने भारतीय सीमा से 90 किलोमीटर पहले ही दबोच लिया। काठमांडू घूमने आए महाराष्ट्र के चार युवक पिछले तीन दिन से ठमेल के एक होटल में ठहरे हुए थे। इस दौरान एक चीनी नागरिक के साथ किसी बात पर अनबन होने के बाद इन युवकों ने मंगलवार देररात उसे अगवा कर अपनी कार से ले जाने की कोशिश की। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसएसपी सानू थापा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10 बजे ठमेल एरिया से यह जानकारी मिली। इसके बाद काठमांडू पुलिस सक्रिय हुई और सीसीटीवी के जरिए उस भारतीय नंबर प्लेट की गाड़ी (स्कॉर्पियो) के बारे में पता लगाया जिसमें चीनी नागरिक को जबरन बैठाया गया था। पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए भारतीय सीमा से करीब 90 किलोमीटर पहले हेटौडा के पास रहे भीमफेदी के जंगल में इस गाड़ी (एमएच16डीजी 4904) को घेर लिया। पुलिस ने चीनी नागरिक और चारों आरोपितों को दबोच लिया। नेपाल पुलिस के अनुसार आरोपित युवकों की पहचान सातारा जिला निवासी 32 वर्षीय आशुतोष दत्तात्रेय, अहमदनगर के 30 वर्षीय अमोल करमाटे, 33 वर्षीय अमोल श्रीसत और गाड़ी चालक 40 वर्षीय अफसर शेख के रूप में की गई है। पुलिस ने अपहृत किए गए चीनी नागरिक के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।

नेपाल ने हमास के कब्जे से छात्र की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज किए

काठमांडू। नेपाल ने हमास के कब्जे से नेपाली छात्र विपीन जोशी की रिहाई को लेकर कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कतर और इजराइल के विदेश राज्यमंत्री से टेलीफोन पर वार्ता की है। हमास ने कुछ बंधकों की रिहाई की घोषणा की है। इसमें नेपाली छात्र विपीन जोशी का नाम नहीं है। विदेशमंत्री डॉ. राणा ने मंगलवार को पहले कतर के विदेश राज्यमंत्री डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलाजिज अल-खुलाइफी से टेलीफोन वार्ता कर मदद मांगी। खुलाइफी हमास और इजराइल के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं। विदेशमंत्री ने एक्स पर कहा है कि कतर के विदेश राज्यमंत्री ने नेपाली छात्र के रिहाई कराने का आश्वासन दिया है। मंगलवार देररात विदेशमंत्री राणा ने इजराइल के विदेश राज्यमंत्री गिडियन सार से भी टेलीफोन वार्ता की। राणा ने एक्स में कहा कि इजराइल नेपाली छात्र विपीन जोशी की रिहाई के लिए पहल कर रहा है।

बाइडेन ने अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक महत्वपूर्ण आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके जरिए अमेरिका में उन्नत (एडवांस्ड) एआई के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे, जैसे बड़े पैमाने पर डाटा केंद्र और नई स्वच्छ उर्जा सुविधाएं, का निर्माण सुनिश्चित करना है। इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि रक्षा और उर्जा विभाग उन स्थानों की पहचान करेंगें, जहां निजी कंपनियां एआई डाटा केंद्र बना सकें। इसके अलावा, इन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वे अपने डाटा केंद्र के लिए पर्याप्त स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करें।

एक बयान में, बिडेन ने कहा कि एआई का राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ेगा और अगर जिम्मेदारी से इसका उपयोग किया जाए तो अमेरिकियों के जीवन में सुधार करने की भारी क्षमता होगी। इससे बीमारियों का इलाज करने से लेकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम कर समुदायों को सुरक्षित रखने तक का काम किया जा सकेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि %एआई के मुद्दे पर हम अपनी बढ़त को हल्के में नहीं ले सकते। जब भविष्य को परिभाषित करने वाली प्रौद्योगिकी की बात आती है तो हम अमेरिका को कमजोर नहीं होने देंगे। न ही हमें महत्वपूर्ण पर्यावरण मानकों और स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी की रक्षा के लिए हमारे साझा प्रयासों का त्याग करना चाहिए।

नए नियमों के तहत, रक्षा और ऊर्जा विभाग प्रत्येक कम से कम तीन साइटों की पहचान करेंगे जहां निजी क्षेत्र एआई डेटा केंद्र बना सकते हैं। वरिष्ठ प्रशासन अधिकारियों ने कहा कि एजेंसियां उन संघीय साइटों पर एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धी अनुरोध चलाएंगी।

वियतनाम और रूस ने परमाणु ऊर्जा पर सहयोग बढ़ाने के समझौते पर किए हस्ताक्षर

हनोई

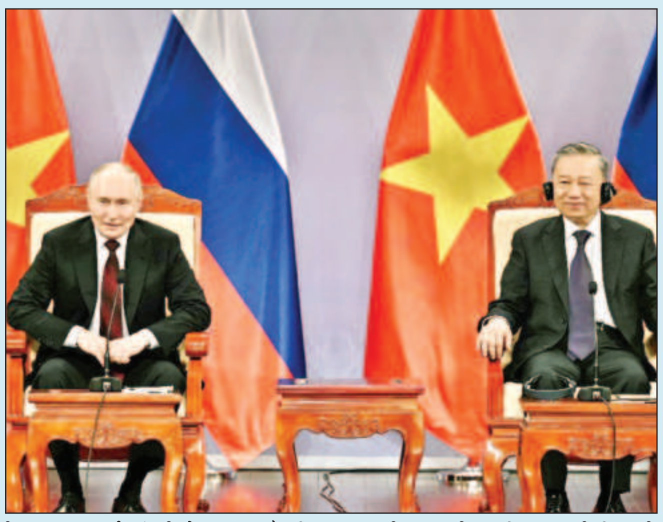

रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन की दो दिवसीय हनोई यात्रा के दौरान परमाणु ऊर्जा पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को वियतनाम और रूस ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। बढ़ती लागत और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2016 में दो परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण बंद करने के बाद दक्षिण पूर्व एशियाई देश अपनी परमाणु ऊर्जा योजनाओं को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। उम्मीद है कि इससे वर्ष 2050 तक उसे ऊर्जा-पर्याप्त बनने और अतिरिक्त ग्रीन हाउस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस समझौते पर रूस की सरकारी स्वामित्व वाली परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम और वियतनाम की सरकारी स्वामित्व वाली बिजली उपयोगिता ईवीएन के बीच हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मिशुस्टिन ने अपने समकक्ष फाम मिन्ह चिन्ह के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की और वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख टू लैम और वियतनाम की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष ट्रान थान मान से मुलाकात की। मिशुस्टिन ने कहा, वियतनाम दक्षिण पूर्व एशिया में रूस का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। हम आपके साथ रूस और वियतनाम के बीच सहयोग की एक व्यापक योजना पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं, जो 2030 तक चलेगी। अगले दिन बुधवार को वो राष्ट्रपति लुओंग कुओंग से भी मुलाकात करेंगे।

नेपाल-भारत जेटीटी और जेडब्ल्यूजी की बैठक 21-22 जनवरी को नई दिल्ली में

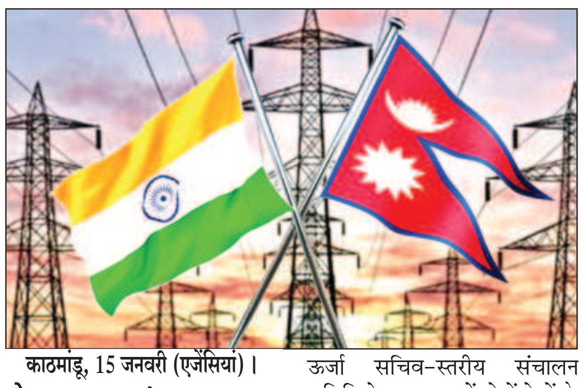

काठमांडू, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत संयुक्त तकनीकी समिति (जेटीटी) और संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की ऊर्जा क्षेत्र पर बैठक 21 और 22 जनवरी को नई दिल्ली में होगी। हर 6 महीने के अंतराल पर होने वाली बैठक इस बार एक वर्ष के बाद होने जा रही है। इससे पहले सह सचिव के नेतृत्व वाली जेडब्ल्यूजी की बैठक पिछले साल 2 जनवरी और सचिव के नेतृत्व में संयुक्त निदेशक समिति (जेएससी) की बैठक 3 जनवरी, 2024 को हुई थी।

ऊर्जा मंत्रालय के वरिष्ठ ऊर्जा विशेषज्ञ प्रबल अधिकारी ने बताया कि मौजूदा बैठक में नेपाल और भारत के बीच बनने वाली दो हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण और निवेश प्रारूप को अंतिम रूप देने पर चर्चा की जाएगी और संभव हुआ तो इस पर समझौते पर हस्ताक्षर की भी उम्मीद है।

पिछले साल 21 दिसंबर को चितवन (नेपाल) में और भारत की ऊर्जा सचिव-स्तरीय संचालन समिति ने 2027/28 में दोनों देशों के बीच तीसरी सबसे बड़ी इनरुवा-पूर्णिया 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन को पूरा करने पर सहमति व्यक्त की थी।

इसी प्रकार समान क्षमता की एक और अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन, लमकी (डोडोधारा) - बरेली ट्रांसमिशन लाइन को 2028/29 में पूरा करने पर भी सहमति हो चुकी है। हालांकि, उस बैठक में इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण प्रारूप और निवेश प्रारूप पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी।

बैठक में नेपाल ने इन दोनों ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण बुटवल-गोरखपुर 400 केवी अंतरराष्ट्रीय ट्रांसमिशन लाइन के समान तरीके से करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल की ओर ट्रांसमिशन लाइन का हिस्सा नेपाल द्वारा स्वयं बनाया जा रहा है, जबकि भारत की ओर वाला हिस्सा नेपाल विद्युत प्राधिकरण और एक कंपनी द्वारा बनाया जा रहा है जिसके पास भारत की ट्रांसमिशन ग्रिड कंपनी के आधे शेयर हैं। नेपाल की तरफ से यह प्रस्ताव रखा गया है कि 25 साल के कार्यान्वयन और ट्रांसमिशन सेवा समझौते (आईटीएसए) के तहत बिजली प्राधिकरण इस ट्रांसमिशन लाइन के पूरे उपयोग और किराये (व्हीलिंग चार्ज) का भुगतान करेगा। इस बात पर अभी सहमति नहीं बन पाई है।

बमबारी

गाजा में इजरायली बमबारी के कारण ध्वस्त हुए टेंटों के पास खड़े हुए फिलिस्तीनी लोग।

प्रचण्ड ने कहा-अब ओली सरकार की आयु अधिक नहीं

काठमांडू, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल के विपक्षी दलों की संयुक्त बैठक के बाद नेताओं ने प्रधानमंत्री केपी ओली और उनकी सरकार की आलोचना की है। प्रमुख विपक्षी नेता पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने कहा कि अब ओली सरकार की आयु अधिक नहीं है।

माओवादी संसदीय दल के कार्यालय में पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड की अध्यक्षता में विपक्षी दलों की बैठक हुई। बैठक में माओवादी के अलावा एकीकृत समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, नेपाल समाजवादी पार्टी और आम जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही। बैठक में ओली सरकार द्वारा संसद की बैठक नहीं बुलाने और अध्यादेश के माध्यम से शासन करने का आरोप लगाया गया। साथ ही सरकार के 6 महीना पूरा होने पर भी कोई बड़ी उपलब्धि नहीं होने का आरोप भी लगाया गया। प्रचण्ड ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली के रवैये से सत्तारूढ़ दलों में असंतुष्टि चरम पर पहुंच गई है। नेपाली कांग्रेस के बड़े नेताओं का सरकार के विरोध में सार्वजनिक बयान आ रहा है। उसको देखते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं होने का स्पष्ट संकेत मिल रहा है। प्रचंड ने पत्रकारों को कहा कि ओली सरकार की आयु अब अधिक दिनों की नहीं बची है। ओली सरकार को अपदस्थ करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रचंड ने कहा कि किसी भी समय नेपाली कांग्रेस ओली सरकार से समर्थन वापस ले सकती है। प्रचण्ड ने कहा कि नए सत्ता गठबंधन के लिए विपक्षी दलों के तरफ से नेपाली कांग्रेस को सरकार के नेतृत्व का खुला ऑफर दे दिया गया है। जिस दिन कांग्रेस पार्टी ओली सरकार से समर्थन वापस ले लेगी उसी दिन नया गठबंधन अस्तित्व में आ जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ओली के साथ फिर से हाथ मिलने का सवाल ही खड़ा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जो गलती वो पहले दो बार कर चुके हैं वो इस बार नहीं करने वाले हैं।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने जिया अनाथालय ट्रस्ट मामले में खालिदा को बरी किया

ढाका, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बहुचर्चित जिया अनाथालय ट्रस्ट में हुए भ्रष्टाचार के मामले में हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को बरी कर दिया। हाई कोर्ट ने उन्हें 10 वर्ष जेल की सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सैयद रेफअत अहमद ने सुबह करीब पौने नौ बजे फैसला सुनाया।

बांग्लादेश के समाचार पत्र प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ 79 वर्षीय खालिदा जिया की अपील की समीक्षा के बाद प्रधान न्यायाधीश डॉ. सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने यह फैसला सुनाया। पीठ ने खालिदा जिया, उनके पुत्र तारिक रहमान सहित सभी दोषियों को बरी कर दिया। तारिक बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष हैं।

खालिदा जिया के वकील जॉयनुल आबेदीन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट ने 30 अक्टूबर 2018 को खालिदा जिया की ट्रायल कोर्ट की पांच साल की कैद की सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। 14 मार्च, 2019 को खालिदा जिया ने फैसले के खिलाफ दो अलग-अलग याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय प्रभाग ने 11 नवंबर को खालिदा जिया की याचिका को मंजूर करते हुए फैसले पर प्रतिबंध लगा दिया था।

उल्लेखनीय है कि भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने तीन जुलाई, 2008 को जया अनाथालय ट्रस्ट में हुए भ्रष्टाचार का मामला उजागर किया था। इसमें खालिदा जिया पर एक विदेशी बैंक के माध्यम से अनाथों के लिए अनुदान के रूप में प्राप्त 21 मिलियन टका से अधिक का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। आठ फरवरी, 2018 को विशेष न्यायाधीश कोर्ट-5 ने फैसला सुनाया और खालिदा जिया को 5 साल की सजा सुनाई। उनके बड़े बेटे और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान, पूर्व संसद सदस्य काजी सलीमुल हक कमाल, पूर्व प्रमुख सचिव कमालुद्दीन सिद्दीकी, व्यवसायी शरफुद्दीन अहमद को 10 साल कैद की सजा सुनाई थी। खालिदा जिया ने 2018 में ट्रायल कोर्ट की सजा के फैसले खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट ने खालिदा जिया की अपील खारिज कर उनकी पांच साल कैद की सजा को भी बढ़ाकर 10 साल कर दिया था।

एलन मस्क और जुकरबर्ग ट्रम्प के शपथ ग्रहण में एक साथ आएंगे नजर

वाशिंगटन। एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग जो एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्विता के जाने जाते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में एक साथ बैठे नजर आ सकते हैं। दोनों के बीच कई मुद्दों पर असहमतियां हैं जैसे कि एआई, सोशल मीडिया नीतियां आदि को लेकर। मस्क ने पहले जुकरबर्ग के साथ एक पिंजरे की लड़ाई की घोषणा की थी और भाषण पर उनके दृष्टिकोण की आलोचना की थी। वहीं एलन मस्क के पास फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट नहीं हैं जबकि मार्क जुकरबर्ग एक्स पर उपलब्ध नहीं हैं लेकिन अब ट्रम्प के उद्घाटन समारोह ने इन दोनों तकनीकी अरबपतियों को एक साथ लाने का काम किया जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनके बीच के मतभेदों के बावजूद यह उनके रिश्ते में बदलाव का संकेत हो सकता है। इस बीच अमेरिका एजेंसी एसईसी ने मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तानी करेंगे जैक एडवर्ड्स

मेलबर्न, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सिडनी में आगामी चार दिवसीय मैच में इंग्लैंड लायंस का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की 12 सदस्यीय युवा टीम का कप्तान बनाया गया है, जिसमें दो अन्य तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आरोन हार्डी और विल सदरलैंड भी शामिल हैं।

31 वर्षीय कर्टिस पैटरसन को भी 2020 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया ए टीम में वापस बुलाया गया है और वह टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने युवाओं पर जोर दिया है और अक्टूबर और नवंबर में दो चार दिवसीय मैचों में भारत ए का सामना करने वाली टीम से केवल पांच खिलाड़ियों को ही बरकरार रखा है, जिसमें जॉर्डन बकिंघम, फर्गस ओ%नील, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, हालांकि डॉगेट को केवल उस श्रृंखला में देर से चोट लगने पर प्रतिस्थापन के रूप में शामिल किया गया था।

मार्कस हैरिस, जिमी पीरसन या नाथन मैकएंड्रू के लिए कोई जगह नहीं थी, जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे ऑस्ट्रेलिया ए गेम में ठोस प्रदर्शन किया था। पूर्व टेस्ट बल्लेबाज मैट रेनशॉ या पीटर हैंड्सकॉम्ब को भी नहीं चुना गया।

कैमरून बैनक्रॉफ्ट बीबीएल में कंधे की हड्डी टूटने के कारण चोटिल हो गए हैं। अनुभवी दो टेस्ट मैच खेलने वाले तेज गेंदबाज माइकल नेसर, जिन्हें एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, को भी नहीं चुना गया है।

चयनकर्ताओं ने दिखाया कि वे भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए के मैचों में उनके प्रदर्शन को कितना महत्व देते हैं, जिसमें नाथन मैकस्वीनी, सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर को भारत ए के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट डेब्यू के लिए चुना गया।

मैके में भारत ए के खिलाफ 15 रन देकर 6 विकेट लेने वाले डोगेट को दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए तेज गेंदबाजी कवर के रूप में भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया। सीए के अनुबंधित तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को मौका मिला है, जो साइड इंजरी के कारण ऑस्ट्रेलिया ए के दो मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने बीबीएल ब्रेक से पहले क्वींसलैंड के लिए अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में 32 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

न्यूज ब्रीफ

सट्टेबाजी मामले में हिरासत में लिए गए सेविला के डिफेंडर सालास

मैड्रिड। सेविला के डिफेंडर किके सालास को मंगलवार को पुलिस ने हिरासत में लिया और धोखाधड़ी के संदेह में मोरोन डे ला फ्रोंटेरा शहर की अदालत में पेश किया। 22 वर्षीय किके सालास पर अवैध सट्टेबाजी के लिए जानबूझकर पीले कार्ड हासिल करने का संदेह है,

साथ ही कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है, जो उनके परिवार और परिचितों के करीबी माने जाते हैं। स्पेन के एल कॉन्फिडेंशियल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार जांचकर्ताओं का मानना है कि सालास के परिवार और दोस्तों ने 10,000 यूरो प्रति माह जीतने के लिए लगभग 30 अलग-अलग दांव लगाए होंगे। जांच 2023-2024 सत्र के अंत में खेले गए कई मैचों पर केंद्रित है, जहां सालास को पिछले नौ मैचों में सात पीले कार्ड दिखाए गए थे, जिनमें से अधिकांश पीले कार्ड खेल के अंतिम मिनटों में आए थे। सालास ने अभियान में 23 लीग प्रदर्शनों में कुल 10 पीले कार्ड देखे, जबकि इस सीजन में उन्हें 14 प्रदर्शनों में तीन बार बुक किया गया है। खिलाड़ी ने हाल ही में सेविला के साथ 2029 तक क्लब में अपने प्रवास को बढ़ाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, और अदालत में पेश होने के बाद, उन्होंने बाकी पहली टीम के दल के साथ प्रशिक्षण लिया।

पहलवान अमन सेहरावत ओलंपिक पदक का रंग फीका पड़ने की शिकायत करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सेहरावत ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में उनको मिले कांस्य पदक की चमक कम हो गयी है जिसकी अब वह आधिकारिक तौर पर शिकायत करेंगे। अमन ने ओलंपिक में पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीता था।

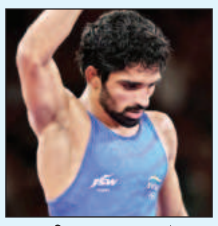

अमन के अलावा कई और खिलाड़ियों के पदक के रंग फीके होने के मामले सामने आये हैं। कुछ ने इसकी शिकायत की है, वहीं कुछ ने नहीं। वहीं 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालिंपिक के लिए पदक बनाने वाली कंपनी मोनाई डे पेरिस ने कहा कि पदकों के खराब होने की कई शिकायतों को देखते हुए वह ऐसे पदकों को बदलने के लिए तैयार है। अमन ने पदक बदलने के लिए आधिकारिक तौर पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं कराई है। भारतीय पहलवान के एक करीबी ने कहा, अमन ने पेरिस में जो कांस्य पदक जीता था, वह दोषपूर्ण लगता है। इसका रंग फीका पड़ने लगा है पर हमने अभी तक आईओसी के साथ आधिकारिक शिकायत साझा नहीं की है। वहीं केवल चार महीनों में पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल आयोजन समिति (कोजोप) को एथलीटों द्वारा 100 से अधिक ऐसे पदक पदक लौटाए गये हैं जिनका रंग फीका पड़ा है। ये पदक, एक लक्जरी फ्रांसीसी जौहरी चौमेट द्वारा डिजाइन किया गया था जिसे फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक एफिल टॉवर से लोहे के एक टुकड़े से सजाया गया था। प्रत्येक पदक के केंद्र में 0.6 औंस का पुडल आयरन का टुकड़ा है। पिछले साल खेलों के समापन के तत्काल बाद ही विभिन्न एथलीटों ने सोशल मीडिया के जरिये पदक खराब होने की शिकायतें की थीं।

प्रीमियर लीगः लिवरपूल ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रा खेलकर छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी

लंदन। लिवरपूल ने मंगलवार रात नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर प्रीमियर लीग में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। फॉरेस्ट के स्ट्राइकर क्रिस वुड ने अपने शानदार सत्र को जारी रखते हुए, आठवें मिनट में एक तेज जवाबी हमले के बाद बाएं पैर से गोल करके

अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लिवरपूल ने 66वें मिनट में बराबरी हासिल की, जब कोच आर्ने स्लॉट के प्रतिस्थापन ने काम किया, उन्होंने कोस्टास सिमिकास की जगह डिओगो जोटा को मैदान में उतारा, जिन्होंने मैदान में आने के एक मिनट बाद ही गोल कर लिवरपूल को 1-1 से बराबरी दिला दी। लिवरपूल ने अंतिम मिनटों में दबदबा बनाए रखा और मैच ड्रा करा लिया, इस परिणाम के साथ फॉरेस्ट ने आर्सेनल से आगे निकलकर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया, हालांकि आर्सेनल अगर बुधवार को जीतता है तो लिवरपूल की बढ़त को चार अंकों तक सीमित कर सकता है। चेल्सी और बोर्नमाउथ ने 2-2 से रोमांचक ड्रा खेला, जिसमें मेहमान टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की बढ़त हासिल की, इससे पहले रीस जेम्स ने 95वें मिनट में बराबरी कर ली। 14वें मिनट में चेल्सी ने वापसी की, लेकिन एंटोनी सेमेनियो पर पुश के बाद जस्टिन क्लुइवर्ट द्वारा दिए गए पेनल्टी ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया।

भारतीय महिला टीम ने रचा इतिहास, एकदिवसीय क्रिकेट में बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

राजकोट, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड के खिलाफ राजकोट में खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट में 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 435 रनों का विशाल स्कोर बनाया। यह भारतीय महिला टीम का एकदिवसीय में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल महिला एकदिवसीय में यह चौथा सर्वोच्च स्कोर है। महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रकॉर्ड न्यूजीलैंड महिला टीम के नाम है। यह रकॉर्ड उसने आयरलैंड के खलिाफ ही साल 2018 में बनाया था। न्यूजीलैंड महिला टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 491 रन बनाए थे।

12 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने 370 रन बनाए थे जो कि टीम का एकदिवसीय में सबसे बड़ा स्कोर था लेकिन तीसरे मैच में टीम ने ये रिकॉर्ड तोड़ डाला। भारतीय महिला टीम को इस एतिहासिक स्कोर तक पहुंचाने में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल का अहम योगदान रहा। प्रतिका ने जहां 129 गेंदों में 154 रनों की पारी खेली, वहीं मंधाना ने महज 80 गेंदों में 135 रन बनाए।

आयरलैंड के खिलाफ इस सीरीज में हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी कर रहीं मंधाना ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। भारतीय महिला टीम को सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल और कप्तान स्मृति मंधाना ने दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में ही टीम का स्कोर 150 के पार पहुंचा दिया। इसके बाद मंधाना ने एकदिवसीय में अपना 10वां शतक जड़ दिया। मंधाना ने महज 70 गेंदों में शतक लगाया जो भारत के लिए महिला क्रिकेट में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाया सबसे तेज शतक है। मंधाना ने इस मामले में हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ 87 गेंदों पर शतक जमाया था। मंधाना 80 गेंदों में 12 चौके और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुईं। मंधाना और प्रतिका के बीच पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी हुई।

मंधाना के बाद प्रतिका ने एकदिवसीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा। उनका साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने दिया। ऋचा ने 42 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ 59 रन बनाए। ऋचा के बाद भारतीय टीम का तीसरा विकेट प्रतिका के रूप में गिरा। उन्होंने 129 गेंदों पर 20 चौके और एक छक्के की मदद से 154 रन की यादगार पारी खेली। इनके अलावा तेजल हसबनिस ने 28 रन और हरलीन देओल ने 15 रन बनाए। दीप्ति शर्मा 11 रन और जेमिमा रोड्रिग्ज चार बनाकर नाबाद रहीं। इस तरह भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 435 रन बनाए।

आयरलैंड की ओर से ओरला प्रेंडरगास्ट ने दो विकेट, जबकि आरलेने केली, फ्रेया सरगेंट और जॉर्जिना डेंपसे को एक-एक विकेट मिला। उल्लेखनीय है कि तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम 2-0 से आगे है।

भारत की नंबर 1 महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी की नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में वापसी

स्टवांगर (नॉर्वे), 15 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत की शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी और विश्व में क्लासिकल शतरंज में छठे स्थान पर काबिज कोनेरू हम्पी प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला 2025 टूर्नामेंट में वापसी कर रही हैं। टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी ने प्रशंसकों और विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है।

हम्पी का शतरंज करियर उनकी असाधारण उपलब्धियों से भरा है। वह 2002 में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी अन्य बड़ी उपलब्धियों में 2019 और 2024 में विश्व रैपिड चैम्पियनशिप खिताब जीतना शामिल है। 2020 में, उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ओलंपियाड, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में भी भारत का नाम रोशन किया है।

नॉर्वे शतरंज महिला 2025 हम्पी के लिए अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करने का एक और बड़ा मंच होगा। 2600 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की दो महिला खिलाड़ियों में से एक के रूप में, उन्होंने शतरंज में असाधारण मानक स्थापित किए हैं।

हम्पी ने टूर्नामेंट के प्रति अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए गर्व की बात है।

टूर्नामेंट के निदेशक केजेल मैडलैंड ने हम्पी की वापसी पर कहा, हम्पी की उपलब्धियां शतरंज जगत में एक प्रेरणा हैं। हम नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में उनका स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं।

उनकी भागीदारी न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी हम्पी अपने शानदार प्रदर्शन से खिताब हासिल कर पाती हैं।

एफए कप फुटबॉल

नौटिंघम में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए नौटिंघम फोरेस्ट और लीवरपूल की टीमें।

वीजा देरी के कारण अबू धाबी में इंग्लिश टीम के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा नहीं ले पाएंगे साकिब महमूद

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के भारत दौरे से पहले, इंग्लिश तेज गेंदबाज साकिब महमूद वीजा देरी के कारण अबू धाबी में अपनी टीम के प्रशिक्षण शिविर से चूक जाएंगे। साकिब को इंग्लैंड की वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि 22 जनवरी को सीरीज के अपने पहले टी20 मैच के लिए पूरी टीम के कोलकाता जाने से पहले वीजा की समस्या का समाधान हो जाएगा। पाकिस्तानी मूल के अंग्रेजी खिलाड़ियों के लिए वीजा में देरी एक परिचित समस्या है।

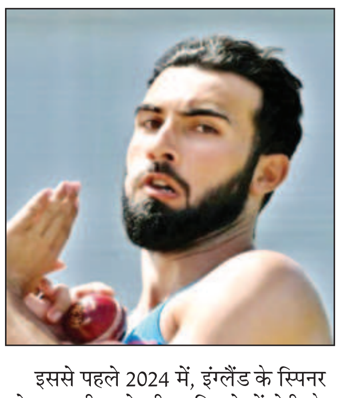

इससे पहले 2024 में, इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को वीजा मिलने में देरी के कारण हैदराबाद में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था।

ईसीबी ने दिसंबर 2024 को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें तीन वनडे, पांच टी20 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है। पांच मैचों की टी-20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

वनडे सीरीज 6 फरवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अंतिम मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है-

वनडे टीमः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

टी20 टीम : जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

चेन्नइयन एफसी पर लीग डबल पूरा करना मोहम्मडन स्पोर्टिंग का लक्ष्य

कोलकाता, 15 जनवरी (एजेंसियां)।

मोहम्मडन एससी की टीम बुधवार शाम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी की मेजबान करेगी, तो उसका लक्ष्य अपना पहला लीग डबल हासिल करना होगा जबकि मरीना माचान्स किसी नई-नवेली टीम के हाथों ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहेंगे।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपने पिछले तीन मैचों (1 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित रहकर रक्षात्मक मजबूती दिखाई है, जिसमें उनकी पिछले अवे मैच में बेंगलुरू एफसी पर 1-0 की जीत भी शामिल है। वहीं, चेन्नइयन एफसी घर से बाहर अपने पिछले तीन मैच बिना गोल किए हारी है।

मोहम्मडन एससी 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन एफसी 15 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और सात हार से 16 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में हैडर के जरिये छह गोल खाए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। चार हैडर से गोल करने वाली चेन्नइयन एफसी

मेजबान टीम की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

मोहम्मडन (26) ने चेन्नइयन एफसी (22) की तुलना में ज्यादा बड़े मौके बनाए हैं, लेकिन उसकी 19.2त्न की रूपांतरण दर लीग में सबसे कम है।

चेन्नइयन एफसी अपने पिछले तीन अवे मैचों में गोल करने में विफल रही है। लाडिनपुइया प्रति मैच 6.2 बार कब्जा फिर हासिल करते हैं, अब तक 21 टैकल किए हैं और 77त्न सटीकता के साथ प्रति मैच 32 पास किए हैं।

रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने ब्लैक पैंथर्स को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा, मैं इन खिलाड़ियों के साथ काम करके काफी खुश हूं। जीत ने हमारे अंदर सकारात्मकता पैदा की है। मैं अपने खिलाड़ियों से खुद पर यकीन करने के लिए कहता रहता हूं।

मरीना माचान्स के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी टीम से रक्षात्मक रूप से अधिक अनुशासित रहने को कहा।

उन्होंने कहा, हम अभी भी सामान्य खेल रहे हैं। हमें अपना स्तर वापस पाने की कोशिश करनी होगी। हमें डिफेंस में कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम मैच जीतना शुरू कर देंगे।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग पहली जीत का स्वाद चखा था। मोहम्मडन एससी ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया था।

आईटीसी ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए डीपीआईआईटी के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली,15 जनवरी (एजेंसियां)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत के अग्रणी व्यापार समूहों में से एक आईटीसी लिमिटेड के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की है। डीपीआईआईटी ने उद्यमिता और नवाचार को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए यह अहम कदम उठाया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) विशेष रूप से गतिशील साझेदारी का माहौल तैयार करेगा, जिसमें आईटीसी के व्यापक बाजार नेटवर्क के विशाल अनुभव और विशेषज्ञता देशभर में स्टार्टअप्स को सहयोग देने में डीपीआईआईटी की पहल का पूरक बनेगी। यह सहयोग देशभर में स्टार्टअप्स के लिए सुगठित बाजार सृजित करने और स्टार्टअप विकास तथा तकनीकी प्रगति में तेजी लाने के साझा दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि इस साझेदारी के तहत आईटीसी, विनिर्माण निष्पादन प्रणालियों (एमईएस) के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, विनिर्माण स्थलों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा अवसरों का संयोजन, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्टार्टअप समाधान उपलब्ध कराएगा। इस सहयोग का उद्देश्य देशभर में स्टार्टअप के लिए उद्यमिता, तकनीकी उन्नति और बाजार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इस प्रो-स्टार्टअप पहल के बारे में डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के साथ संरेखित है। इसके अलावा यह नवाचार-आधारित उद्यमिता द्वारा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देकर विजन 2047 की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। इसके पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,842.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,578.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,201.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,423.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 138.48 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,271.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अब पीएफ कर्मचारी खुद सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए कर सकेंगे केवाईसी

नई दिल्ली। एंप्लॉयी प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स के लिए अहम बदलाव होने वाले हैं। अब

कर्मचारियों को पीएफ केवाईसी कराने के लिए एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत नहीं होगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने घोषणा की है कि जून 2025 से वह कर्मचारी खुद से सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए केवाईसी कर सकेंगे, जिससे कंपनी के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस बदलाव से पीएफ से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, खासकर तब जब कंपनियां बंद हो जाती हैं और केवाईसी की वजह से पीएफ क्लेम अटक जाते हैं। यह कदम ईपीएफओ 3.0 का हिस्सा होगा, जो इस साल लॉन्च किया जाएगा। इस नई योजना में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और रोजगार आधारित योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे ईपीएफओ का कामकाज और भी आसान होगा। ईपीएफओ 3.0 के लॉन्च से अनुमान लगाया है कि पीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जो वर्तमान में करीब आठ करोड़ है और यह 10 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा फंड निकालने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। ईपीएफओ के नए नियमों के तहत बैंकों के साथ मिलकर सब्सक्राइबर्स को एक तय सीमा तक बिना किसी आवेदन के सीधे अपने खाते से फंड निकालने की सुविधा दी जा सकती है, जिससे पीएफ के सब्सक्राइबर्स को अपनी मेहनत की कमाई निकालने में आसानी होगी।

अमेरिकी एसईसी ने ट्विटर के स्वामित्व हिस्सेदारी के विलंबित प्रकटीकरण को लेकर एलन मस्क पर केस दर्ज किया

नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज अरबपति एलन मस्क डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ

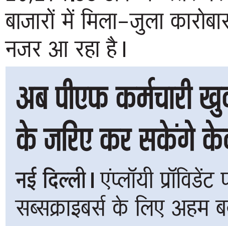

ग्रहण से कुछ ही दिन पहले अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा कानूनी जांच के घेरे में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने साल 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) का अधिग्रहण किया था। हालांकि, अब उस डील को लेकर एलन मस्क मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के बाजार के नियामक आयोग सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर कराया है। एसईसी का आरोप है कि एलन मस्क ने एक्स खरीदने से पहले ही उसके शेयर खरीद लिये थे, लेकिन मस्क ने एसईसी को इस बात की जानकारी नहीं दी थी। नियमों के उल्लंघन के चलते एसईसी ने एलन मस्क के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एलन मस्क ने साल 2022 की शुरुआत से ही ट्विटर के शेयर खरीदने शुरू कर दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2022 तक एलन मस्क के पास ट्विटर के 5 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। शिकायत में कहा गया है कि एलन मस्क ने 4 अप्रैल तक इसका खुलासा नहीं किया था, जो नियमों का उल्लंघन है। मस्क ने अक्टूबर 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया और बाद में उसका नाम बदलकर 'एक्स' कर दिया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विस्तारवाद नहीं ...

भारत ने हमेशा खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिन्द प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में पहले मदद का हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है। जल हो, थल हो, नभ हो या गहरा समुद्र या असीम अंतरिक्ष हर जगह भारत अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत की समुद्री विरासत, नौसेना के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने भारत में नौसेना को एक नई ताकत और दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने शिवाजी महाराज की भूमि पर 21वीं सदी की भारतीय नौसेना को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

श्री मोदी ने कहा, आज का कार्यक्रम हमारी गौरवशाली विरासत को हमारी भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत का लंबी समुद्री यात्राओं, वाणिज्य, नौसेना रक्षा और जहाज उद्योग से जुड़ा एक समृद्ध इतिहास है। इस समृद्ध इतिहास से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किए गए प्लेटफॉर्म उसी की एक झलक दिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने चोल वंश की समुद्री शक्ति को समर्पित आईएनएस नीलगिरि और सूरत युद्धपोत सहित नए प्लेटफार्मों के लॉन्च का उल्लेख किया, जो उस युग की याद दिलाता है जब गुजरात के बंदरगाह भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ते थे। उन्होंने कुछ साल पहले पहली पनडुब्बी कलवरी के कमीशन के बाद पी 75 श्रेणी की छठी वाग्शीर पनडुब्बी के कमीशन का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नए प्लेटफॉर्म भारत की सुरक्षा और प्रगति दोनों को बढ़ाएंगे।

वैश्विक सुरक्षा, अर्थशास्त्र और भू-राजनीतिक गतिशीलता को आकार देने में भारत जैसे समुद्री राष्ट्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, प्रधान मंत्री ने आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय समुद्री सीमा की रक्षा, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और व्यापार आपूर्ति लाइनों और समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र को आतंकवाद, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री मोदी ने समुद्र को सुरक्षित, समृद्ध बनाने, रसद दक्षता बढ़ाने और शिपिंग उद्योग का समर्थन करने में वैश्विक भागीदार बनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दुर्लभ खनिजों और मछली स्टॉक जैसे समुद्री संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। नए शिपिंग मार्गों और संचार के समुद्री मार्गों में निवेश के महत्व को ध्यान में रखते हुए और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत इस दिशा में लगातार कदम उठा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में, भारतीय नौसेना ने सैकड़ों लोगों की जान बचाई है और हजारों करोड़ रुपये के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्गो को सुरक्षित किया है, जिससे भारत, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल में वैश्विक विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने आसियान, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देशों और अफ्रीकी देशों के साथ भारत के आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर प्रकाश डाला, इसका श्रेय हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उपस्थिति और क्षमताओं को दिया। उन्होंने सैन्य और आर्थिक दोनों दृष्टिकोणों से आज के आयोजन के दोहरे महत्व पर जोर दिया। इक्कसवीं सदी में भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और आधुनिक बनाने के महत्व पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा, चाहे वह जमीन हो, पानी हो, हवा हो, गहरा समुद्र हो या अनंत अंतरिक्ष हो, भारत हर जगह अपने हितों की रक्षा कर रहा है।

अग्रिम मोर्चे के...

से होकर गुजरता है । भू-रणनीतिक कारणों से यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय शक्ति प्रतिद्वंद्विता का भी हिस्सा बन रहा है। यहां मादक पदार्थों की तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने, मानव तस्करी और आतंकवाद जैसी अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है। आईओआर में भारत के भू-रणनीतिक और आर्थिक हित बहुत लंबे समय से रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज भी भारत का 95 प्रतिशत व्यापार इसी क्षेत्र से जुड़ा है। ऐसे में हिंद महासागर क्षेत्र में एक मजबूत भारतीय नौसेना की मौजूदगी हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाती है। आज तीन आधुनिक प्लेटफॉर्मों का चालू होना हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने

इस बात पर जोर दिया कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता रही है । उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय रक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भरता' मंत्र को लागू करके आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, आईएनएस सूरत और आईएनएस नीलगिरि की 75 प्रतिशत से अधिक सामग्री भारत में ही विकसित की गई है। देश में निर्मित किए जा रहे अन्य प्लेटफॉर्मों में भी स्वदेशी सामग्री लगातार बढ़ रही है।

रक्षा आधुनिकीकरण पर, जो सरकार का एक और फोकस क्षेत्र है, रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि तीनों नौसेना के लड़ाकू जहाज अत्याधुनिक प्रणालियों/प्रौद्योगिकियों से पूरी तरह सुसज्जित हैं, जो इन प्लेटफामों को किसी भी स्थिति से निपटने में पूरी तरह सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा, एक तरफ हम देश में ही बड़े प्लेटफॉर्म बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हमारा ध्यान कम लागत और उच्च प्रभाव वाली प्रणालियों पर है, जो कम समय में हमारे सशस्त्र बलों को अधिक शक्तिशाली बना सकती हैं। इस प्रकार, हमारे बलों के तेजी से आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में, हम एक संतुलित मिश्रण ला रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय में 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किए जाने पर, सिंह ने मंत्रालय और तीनों सेनाओं के लिए आवश्यक सुधारों पर काम करने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने वर्ष के अंत तक कई सुधारों को लागू करने का विश्वास व्यक्त किया, जो भारत के रक्षा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

भारत की...

पीएम मोदी ने कहा कि मैं अभी देख रहा था कि श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर परिषद की जो रूपरेखा है, इस मंदिर के पीछे जो विचार है, इसका जो स्वरूप है, उसमें अध्यात्म और ज्ञान की सम्पूर्ण परंपरा के दर्शन होते हैं। मंदिर में ईश्वर के विविध स्वरूपों के दर्शन होते हैं। मुझे विश्वास है कि यह मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा। मैं इस पुनीत कार्य के लिए इस्कॉन के सभी संतो, सदस्यों और महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज को याद करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज इस मौके पर मुझे परम श्रद्धेय गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज का भावुक स्मरण भी हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनका विजन जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति का आशीर्वाद जुड़ा हुआ है। आज वह भौतिक शरीर से भले ही यहां न हों, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सब महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि दुनियाभर में इस्कॉन के अनुयायी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की डोर से बंधे हैं। उन सबको एक-दूसरे से कनेक्ट रखने वाला एक और सूत्र है, जो चौबीसों घंटे हर भक्त को दिशा दिखाता रहता है। यह श्रील प्रभुपाद स्वामी के विचारों का सूत्र है। उन्होंने उस समय वेद-वेदांत और गीता के महत्व को आगे बढ़ाया जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था। उन्होंने भक्ति वेदांत को जनसामान्य की चेतना से जोड़ने का अनुष्ठान किया। उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया के हर कोने में करोड़ों लोगों को उनकी तपस्या का प्रसाद मिल रहा है। श्रील प्रभुपाद स्वामी की सक्रियता और उनके प्रयास आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं में बंधा भूमि का एक टुकड़ा मात्र नहीं है। भारत एक जीवंत धरती है, एक जीवंत संस्कृति है और इस संस्कृति की चेतना है- यहां का आध्यात्म! इसलिए, यदि भारत को समझना है, तो हमें पहले आध्यात्म को आत्मसात करना होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग दुनिया को केवल भौतिक दृष्टि से देखते हैं, उन्हें भारत भी अलग-अलग भाषा और प्रांतों का समूह नजर आता है। लेकिन, जब आप इस सांस्कृतिक चेतना से अपनी आत्मा को जोड़ते हैं, तब आपको भारत के विराट रूप के दर्शन होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे संतोष है कि हमारी सरकार भी सेवा भावना के साथ पूरे समर्पण से लगातार देशवासियों के हित में काम कर रही है। हर घर में शौचालय बनवाना, हर गरीब महिला को उज्ज्वला का गैस कनेक्शन देना, हर घर तक नल से जल की सुविधा पहुंचाना, हर गरीब को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देना, 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को इस सुविधा के दायरे में लाना, हर बेघर को पक्के घर देना, इसी सेवा भावना और समर्पण भाव के साथ किए गए कार्य हैं। जो मेरे लिए हमारी महान सांस्कृतिक परंपरा का प्रसाद हैं।

पीएम मोदी ने आगे कहा, सेवा की यही भावना सच्चा सामाजिक न्याय लाती है। सच्चे सेक्युलरिज्म का प्रतीक है। हमारी सरकार कृष्णा सर्किट के माध्यम से देश के अलग-अलग तीर्थों और धार्मिक स्थलों को जोड़ रही है। इस सर्किट का विस्तार गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और ओडिशा तक है।

चुनाव आयोग ...

याचिका में साल 1961 के चुनाव नियमों में संशोधन को चुनौती दी गई है। सीजेआई संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने मामले की सुनवाई की है। बता दें कि 24 दिसंबर को अदालत के समक्ष दायर अपनी याचिका में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने तर्क दिया था कि चुनाव आयोग को 1961 के चुनाव संचालन नियम में इस तरह के बेशर्मी से और सार्वजनिक परामर्श के बिना एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि चुनाव नियम, 1961 में हाल ही में किए गए संशोधनों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट दायर की गई है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार संवैधानिक निकाय चुनाव आयोग को एकतरफा और बिना सार्वजनिक परामर्श के इस तरह के महत्वपूर्ण कानून में इस तरह से संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

राज्यसभा सांसद रमेश ने कहा कि ईसीआई की सिफारिशों के बाद 21 दिसंबर को पेश किया गया संशोधन चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने वाली आवश्यक जानकारी तक जनता की पहुंच को खत्म कर देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनावी प्रक्रिया की अखंडता तेजी से खत्म हो रही है।

कुंभमेला जा रहे ...

दूसरी ओर, बस को आग लगने की जानकारी मिलते ही केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और मुथोल विधायक रामा राव पटेल तुरंत यूपी अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने श्रद्धालु को उनके गृहनगर वापस भेजने के लिए अधिकारियों से बात की। विधायक रामाराव पटेल ने स्थानीय जिलाधीश और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की। उन्होंने अनुरोध किया कि श्रद्धालु को सुरक्षित रूप से तेलंगाना पहुंचाया जाए। उत्तर प्रदेश के वृंदावनम के अधिकारियों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।। सभी श्रद्धाल-ुओं को गृहनगर तक भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

हालांकि, आग में बस और श्रद्धालुओं का सारा सामान जल गया। फिलहाल सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश पुलिस और आरएसएस की सुरक्षा में हैं। सभी को भोजन और पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। आग में सब कुछ खो चुके श्रद्धालु को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। उत्तर प्रदेश के वृंदावन से श्रद्धालुओं को उनके गृहनगर भेजने की प्रक्रिया जारी हैं।

2000 करोड़ के शराब...

इसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश करने से पहले मेडिकल चेकअप के लिए रायपुर के मेकाहारा अस्पताल ले जाया गया।

ईडी ने कवासी लखमा से उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट के साथ उपस्थित होने को कहा था, क्योंकि छापे में मिले सबूतों के आधार पर लेन-देन से संबंधित जानकारी मांगी जा रही थी। हालांकि, सीए की गैरमौजूदगी ने मामले को और गंभीर बना दिया है।

बता दें कि ईडी ने 28 दिसंबर को कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश के ठिकानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर नगद लेन-देन के सबूत मिले थे। 3 जनवरी को दोनों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया था। लेकिन बुधवार को पूछताछ के बाद ईडी ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही कवासी लखमा और हरीश लखमा को कोर्ट में पेश करेगा। इस मामले में ईडी की ओर से लगातार जांच और पूछताछ जारी है।

नियां पुलिस नियां...

आत्मसमर्पित नक्सलियों में एक दंपत्ति भी है। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने पुलिस को बताया कि खोखली और अमानवीय माओवादी विचारधारा और वरिष्ठ कैडरों द्वारा निर्दोष आदिवासियों के शोषण से निराश होकर आत्मसमर्पण किया है। वे जिला पुलिस द्वारा शुरू किए गए 'निया पुलिस निया नार' (हमारा गांव, हमारी पुलिस) आत्मसमर्पण और पुनर्वास अभियान से भी प्रभावित हुए हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों में गांधी ताती उर्फ अरब उर्फ कमलेश (35वर्ष) और मैनू उर्फ हेमलाल कोर्राम (35वर्ष) नक्सलियों की डिविजनल कमेटी के सदस्य थे।आत्मसमर्पित दो अन्य नक्सलियों में रंजीत उर्फ लेकामी उर्फ अर्जुन (30 वर्ष) तथा उसकी पत्नी काजल(28 वर्ष)भी शामिल है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पड़ोसी बीजापुर जिले के निवासी कमलेश ने माअ-ोवादियों के माड़ डिवीजन और नेलनार क्षेत्र समिति में विभिन्न पदों पर काम किया था। आठ साल तक नारायणपुर के नेलनार इलाके में 50 से अधिक गांवों में आतंक का राज कायम रहा है। वह 2010 में तत्कालीन दंतेवाड़ा जिले (अब सुकमा में स्थित) में ताड़मेटला नरसंहार में कथित रूप से शामिल था, जिसमें 76 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी।

बीजेपी उम्मीदवार...

दरअसल, नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे इगझ उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने बुधवार को नामांकन किया। पर्चा दाखिल करने से पहले प्रवेश वर्मा ने पूरे लाव-लश्कर के साथ यात्रा निकाली और समर्थकों के साथ पहुंचकर पर्चा दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने और पदयात्रा निकालने से पहले प्रवेश वर्मा ने मंदिर पहुंचकर त्रिशूल-गदा उठाया और भगवान के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से महिलाओं को जूते पहनाए। इसको लेकर आम आदमी पार्टी ने भी उन पर वोटर्स को लालच देने का आरोप लगाया था।अब थाना प्रभारी को लिखे पत्र में रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा था, मैं यह बताना चाहता हूं कि डॉ। रजनीश भास्कर, एडवोकेट ने व्हाट्सएप पर शिकायत की है कि प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, भावी भाजपा उम्मीदवार, मंदिर मार्ग, पुलिस स्टेशन के पास वाल्मीकि मंदिर के धार्मिक परिसर में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को जूते वितरित कर रहे हैं। शिकायतकर्ता ने दो वीडियो भेजे हैं, जिसमें प्रवेश साहिब सिंह वर्मा महिलाओं को जूते वितरित करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो और शिकायत पहले ही सुबह 10:36 बजे आपके आधिकारिक व्हाट्सएप पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा भेजी जा चुकी है।

उन्होंने आगे कहा, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (1) (ए) के अनुसार, किसी उम्मीदवार या उसके एजेंट या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेंट की सहमति से किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का उपहार, प्रस्ताव या वादा करना भ्रष्ट आचरण के अंतर्गत आता है। इसलिए, यह निर्देश दिया जाता है कि मामले की तत्काल जांच की जाए और आचार सहिंता के उल्लंघन के लिए उचित कार्रवाई की जाए।प्रवेश वर्मा के महिलाओं को जूते पहनाने पर दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा,'बीजेपी दिल्ली के लोगों को खरीदना चाहती है। दिल्ली के लोगों का अपमान कर रही है। बीजेपी को क्या लगता है कि जूते बांटने से वो दिल्ली के लोगों को खरीद लेगी?'वहीं आम आदमी पार्टी ने भी वर्मा के महिलाओं को जूते पहाने वाला वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, क्या चुनाव आयोग को लोकतंत्र की हत्या होती हुई नहीं दिख रही? एक तरफ नई दिल्ली विधानसभा से बीजेपी उम्मीदवार प्रवेश वर्मा खुलेआम सड़कों पर जूते बांट रहे। उसका फोटो और वीडियो बनवा रहे। वहीं दूसरी तरफ़ जिला निर्वाचन अधिकारी कह रहे हैं कि ऐसा कुछ हो ही नहीं रहा है। खुलेआम आचार संहिता के उल्लंघन के इस वीडियो के बाद भी अगर चुनाव आयोग इसपर कार्रवाई नहीं करता है तो फिर चुनाव और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का क्या मतलब रह जाता है।

तटरक्षक बल ने ...

यूटीएल प्रशासन, लक्षद्वीप से एक संकट कॉल का जवाब देते हुए, नाव मोहम्मद कासिम-2 के लापता होने के बारे में बताया गया, जिसमें 54 लोग (03 चालक दल, 09 पुरुष, 22 महिलाएं और 23 बच्चे) सवार थे, जो कवारत्ती से सुहेलीपार द्वीप के रास्ते पर थी। भारतीय तटरक्षक ने तेजी से एसएआर ऑपरेशन शुरू किया। आईएफबी को तटीय निगरानी प्रणाली के माध्यम से स्थित किया गया और 4.00 बजे आईसीजी जहाज ने 54 यात्रियों को सुरक्षित रूप से कवारत्ती वापस ला दिया।

आपराधिक समूहों के...

सिफारिश की है, जिसके पहले के आपराधिक संबंध और पृष्ठभूमि भी जांच के दौरान सामने आई थी। जांच समिति ने सिफारिश की है कि कानूनी कार्रवाई शीघ्रता से पूरी की जानी चाहिए।

बयान में आगे कहा गया है कि समिति ने प्रणालियों और प्रक्रियाओं में कार्यात्मक सुधार के साथ-साथ ऐसे कदम उठाने की सिफारिश की है जो भारत की प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर सकते हैं, और इस तरह के मामलों से निपटने में व्यवस्थित नियंत्रण और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित कर सकते हैं।

आईएसआई की...

अफगानिस्तान के हवाई इलाकों में पाकिस्तानी जासूस मंडरा रहे हैं।

जिन्ना के देश तथा अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के पीछे वजह यह भी मानी जा रही है कि तालिबान भारत के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है। इस्लामाबाद ऐसा किसी कीमत पर नहीं चाहता। काबुल नई दिल्ली के निकट जाए, यह बात उसे हजम नहीं हो सकती।

पाकिस्तान की थानेदारी जैसी हरकतों को देखते हुए काबुल की सत्ता ने उसे धमकाया है उसकी संप्रभुता का सम्मान किया जाए। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र में पिछले दिनों जिस प्रकार के हमले बोले थे उसे देखते हुए तालिबान की ओर से उसे यह चेतावनी दी गई है।

काबुल में पाकिस्तानी जासूसों के मंडराने के सुराग अफगानिस्तान के पूर्व उप राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह के निकट के लोगों ने दिए हैं। उनका दावा है कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई के लगभग 150 जासूस अफगानिस्तान के भीतर जासूसी कर रहे हैं, हवाई इलाकों पर खासतौर से नजर रखी जा रही है।इसके बरअक्स ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई हैं जो बताती है कि पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की काट के लिए अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत जिहादी गुट इस्लामिक स्टेट यानी आईएस को मजबूत बना रही है। आईएस जिन्ना के देश के फौजियों को ठिकाने लगा रही है।पूर्व उपराष्ट्रपति के निकट सूत्रों के अनुसार, आईएसआई के जासूसों के मुखबिर अफगानिस्तान एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और हवाई अड्डों पर मौजूद हैं। ये जासूस हवाई मार्गों तथा बाकी की चीजों की खुफिया जानकारी जमा करते हैं। एक जासूस का तो नाम, नंबर तक जारी किया गया है। यह जासूस मुख्य रूप से काबुल और आसपास के हवाई अड्डों, मंत्रालयों में मौजूद मुखबिरों से संपर्क में रहता है।रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2024 में मोहम्मद नाम के उक्त जासूस ने खोस्त के हवाई अड्डे के संचालन प्रबंध को लेकर तालिबान से संपर्क साधा था। हालांकि तालिबान इसके लिए राजी न हुए थे। फिर इसी मोहम्मद ने खोस्त हवाई अड्डे पर प्रोफेशनल कामगारों को तैनात करने को लेकर गुपचुप एक समझौता किया था। इस तरह मोहम्मद को हवाई अड्डों के साथ ही अन्य संवेदनशील ठिकानों की जानकारी मिलती रही है।जिन्ना के देश के ये जासूस काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास से जुड़े हुए हैं। पिछले साल काबुल में भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के दौरे के वक्त से पाकिस्तान ने अपने जासूसों को और चुस्त करते हुए उनकी तादाद बढ़ाई है। शक है कि कई आईएसआई एजेंट तालिबान हुकूमत के बड़े नेताओं और अफसरों के साथ साठगांठ बनाए हुए हैं।

माघ मास आरंभ

12 फरवरी तक रहेगा पुण्य देने वाला माघ मास

स्नान-दान से मिलता है कई यज्ञ करने जितना पुण्य

हिंदी पंचांग का 11वां महीना माघ 14 जनवरी से शुरु हो रहा है और 12 फरवरी तक रहेगा। ये महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इस महीने में किए गए पूजन, तीर्थ दर्शन और नदी स्नान से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। इस महीने में तिल-गुड़ का सेवन खासतौर पर करना चाहिए। माघ मास में प्रयाग राज में स्नान करने का महत्व काफी अधिक है। जो लोग इस माह में प्रयाग में स्नान करते हैं, उन्हें अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य फल मिलता है। इस शुभ काम से भगवान विष्णु की भी विशेष कृपा मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीश व्यास ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि माघ मास में नदी स्नान करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इस महीने में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने और नदी में नहाने का महत्व बताया गया है। इस पवित्र महीने के दौरान नदियों में नहाने से ही पुण्य मिल जाता है। क्योंकि पुराणों में कहा गया है कि माघ महीने के दौरान गंगाजल में भगवान विष्णु का कुछ अंश रहता है। वैसे तो पूरे साल में किसी भी दिन गंगा स्नान करना शुभ ही होता है, लेकिन माघ महीने में इसका महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है। इस पवित्र महीने में गंगा का नाम लेकर नहाने से गंगा स्नान का फल मिलता है। इस महीने में प्रयाग, काशी, नैमिषारण्य, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार या अन्य पवित्र तीर्थों और नदियों में स्नान का बहुत महत्व है।यह महीना पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य और सेहत सुधारने का समय है। इन दिनों में जीवन शैली में किए गए बदलाव से सकारात्मक फल मिलते हैं। माघ मास में तीर्थ दर्शन के साथ ही नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अगर नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो अपने घर पर ही पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। ऐसा करने से भी नदी स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

घर पर गंगाजल से स्नान करने के बाद सूर्य को अर्घ्य जरूर चढ़ाएं। ध्यान रखें अर्घ्य देने के लिए ऐसी जगह का चयन करें, जहां सूर्य को चढ़ाया हुआ जल पर किसी के पैर न लगे। इसके बाद घर के मंदिर में अपने इष्टदेव की पूजा करें, मंत्र जप करें।

करें शुभ काम

माघ महीने में श्रीमद् भगवद् गीता और रामायण का पाठ करना चाहिए। इस माह में रोज सुबह स्नान के बाद घर के मंदिर में धूप-दीप जलाएं, पूजा करें। ग्रंथों का पाठ करें। मंत्र जप करें। माघ माह में प्रयाग में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो अपने शहर में या शहर के आसपास किसी नदी में स्नान कर सकते हैं। इस महीने में प्रयागराज के साथ ही हरिद्वार, काशी, मथुरा, उज्जैन जैसे धार्मिक शहरों में काफी भक्त पहुंचते हैं। इस माह में तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। किसी ज्योतिर्लिंग, शक्तिपीठ, चारधाम या किसी अन्य प्राचीन मंदिर में दर्शन किए जा सकते हैं। पूजा-पाठ के साथ ही इस महीने में जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान जरूर करें। अभी ठंड का समय है तो इन दिनों में कंबल, तिल-गुड़ का दान जरूर करें। किसी गौशाला में पैसों के साथ ही हरी घास भी दान करनी चाहिए। इस माह में रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। भगवान गणेश, विष्णु जी, श्रीकृष्ण, शिवजी, देवी मां की पूजा करें।

पुराणों में महत्व

पद्म, स्कंद और ब्रह्मवैवर्त पुराण में बताया गया है कि माघ महीने में जब सूर्य मकर राशि में होता है तब सुबह जल्दी उठकर पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। महाभारत और अन्य ग्रंथों में भी इस हिंदी महीने का महत्व बताया गया है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि जो माघ महीने में नियम से एक समय भोजन करता है, वो धनवान कुल में जन्म लेकर अपने कुटुम्बीजनों में महत्व को प्राप्त होता है। इसी अध्याय में कहा गया है कि माघ महीने की द्वादशी तिथि को दिन-रात उपवास करके भगवान माधव की पूजा करने से उपासक को राजसूय यज्ञ का फल मिलता है और वो अपने कुल का उद्धार करता है।

सुख-सौभाग्य और मोक्ष देने वाला महीना

माघ मास में हर दिन प्रयाग संगम पर नहाने से सुख, सौभाग्य, धन और संतान प्राप्ति होती है और मृत्यु के बाद मोक्ष भी मिल जाता है। भगवान विष्णु का धाम मिलता है। पूरे माघ महीने में प्रयागराज के संगम में नहाने से कई यज्ञों को करने जितना पुण्य भी मिलता है। साथ ही सोना, भूमि और गौदान करने का पुण्य भी माघ मास में तीर्थ स्नान करने से मिलता है। सूर्योदय से पहले गंगा में स्नान करने के बाद पूजा और सूर्यदेव को अर्घ्य देना चाहिए। अगर गंगा स्नान के लिए जाना संभव न हो तो घर में नहाने के पानी में गंगाजल की कुछ बूंदें मिलाकर भी कर सकते हैं। इसके बाद पूजा-पाठ करके साधु-संतों और जरूरमंतों को दान देना चाहिए। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए पापों से मुक्ति मिलती है। इससे हमारे भाग्य के द्वार खुलते हैं।

श्रीकृष्ण पूजा

धर्म ग्रंथों के मुताबिक, इस महीने में भगवान कृष्ण की पूजा करने से

मनोकामनाएं पूरी होती हैं। माघ में श्रीकृष्ण की पूजा से पहले सुबह तिल, जल, फूल और कुश लेकर पूजा का संकल्प लेना चाहिए। फिर श्रीकृष्ण की प्रार्थना और पूजा करें। घर में शुद्धता से बने पकवानों का भोग लगाएं। उसमें तुलसी के पत्ते जरूर डालें। माना जाता है इस तरह पूरे महीने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से हर तरह की परेशानियां दूर होती हैं और घर में सुख-समृद्धि रहती है।

व्रत और पूजा

माघ महीने में भगवान विष्णु के वासुदेव रूप की पूजा की जाती है। साथ ही उगते हुए सूरज को अर्घ्य देना चाहिए। इस महीने सूर्य के त्वष्टा रूप की पूजा करनी चाहिए। पुराणों में बताया गया है कि इस महीने में भगवान कृष्ण और शिवजी की पूजा भी करनी चाहिए। शिव पूजा में तिल के तेल का दीपक लगाने से शारीरिक परेशानियां नहीं होती। धर्म ग्रंथों में कहा गया है कि माघ महीने के दौरान मंगल और गुरुवार का व्रत करने का विशेष फल मिलता है।

स्नान-दान

महाभारत और अन्य पुराणों में कहा गया है कि इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। लेकिन महामारी के दौर को देखते हुए विद्वानों का कहना है कि ऐसा न हो पाए तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहाने से तीर्थ स्नान का पुण्य मिल जाता है। साथ ही पानी में तिल डालकर नहाना चाहिए। इससे कई जन्मों के पाप खत्म होते हैं। इस महीने तांबे के बर्तन में तिल भरकर दान करना चाहिए।

महाभारत में माघ का महत्व

महाभारत और अन्य ग्रंथों में माघ मास के महत्व के बारे में बताया गया है। महाभारत के अनुशासन पर्व के अनुसार जो माघ मास में नियम से एक वक्त खाना खाता है, वो धनवान कुल में जन्म लेकर अपने परिवार में महत्वपूर्ण होता है। इसी अध्याय में कहा गया है कि माघ मास की द्वादशी तिथि को दिन-रात उपवास करके भगवान माधव की पूजा करने से उपासक को राजसूय यज्ञ का फल प्राप्त होता है और वह अपने कुल का उद्धार करता है।

माघ मास की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा किनारे सुव्रत नाम का ब्राह्मण रहता था। वो वेद, धर्मशास्त्रों और पुराणों के जानकार थे। कई देशों की भाषाएं और लिपियां भी जानते थे। इतने विद्वान होते उन्होंने अपने ज्ञान का उपयोग धर्म के कामों में नहीं किया। पूरा जीवन केवल धन कमाने में ही गवां दिया। जब वो बूढ़े हुए तो याद आया कि मैंने धन तो बहुत कमाया, लेकिन परलोक सुधारने वाला कोई काम नहीं किया। ये सोचकर दुखी होने लगे। उसी रात चोरों ने उनका धन चुरा लिया, लेकिन सुव्रत को इसका दु:ख नहीं हुआ क्योंकि वो तो परमात्मा को पाने का उपाय सोच रहे थे। तभी सुव्रत को एक श्लोक याद आया-

माघे निमग्ना: सलिले सुशीते विमुक्तपापास्त्रिदिवं प्रयान्ति।

उनको अपने उद्धार का मूल मंत्र मिल गया। फिर उन्होंने माघ स्नान का संकल्प लिया और नौ दिनों तक सुबह जल्दी नर्मदा के पानी में स्नान किया। दसवें दिन नहाने के बाद उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया। सुव्रत ने जीवन भर कोई अच्छा काम नहीं किया था, लेकिन माघ में स्नान के बाद उनका मन निर्मल हो चुका था। जब उन्होंने प्राण त्यागे तो उन्हें लेने दिव्य विमान आया। उस पर बैठकर वो स्वर्ग चले गए।

माघ महीने के नियम

इस माह में आपको प्रत्येक दिन स्नान करना चाहिए। स्नान के पानी में आप काला तिल मिलाकर कर स्नान करें।

इस पूरे माह में आप एक समय ही भोजन करें। सात्विक भोजन करें।

माघ माह में तिल का उबटन, तिल मिश्रित जल से स्नान, तिलों से पितृ तर्पण, तिल का हवन, तिल का दान और तिल से बनी हुई सामग्री का भोजन करने से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होता है।

माघ माह में रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करनी चाहिए। साथ ही इस मास में तिल, गुड़ और कंबल के दान का खास महत्त्व माना जाता है।

माघ माह व्रत-त्यौहार

* 17 जनवरी 2025-17 जनवरी को सकट चौथ और लंबोदर संकष्टी चतुर्थी है। महिलाएं इस दिन संतान की लंबी आयु और खुशहाल जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं और गणेशजी की पूजा करती है।
* 21 जनवरी 2025-21 जनवरी को कालाष्टमी है। यह दिन भैरव बाबा की पूजा-आराधना के लिए समर्पित माना जाता है।
* 25 जनवरी 2025-25 जनवरी को माघ महीने की कृष्ण पक्ष की एकादशी है। इस दिन षटतिला एकादशी व्रत रखा जाता है और विष्णुजी की पूजा-अर्चना की जाती है।
* 27 जनवरी 2025- जनवरी माह का दूसरा प्रदोष 27 जनवरी 2025 दिन सोमवार को रखा जाएगा। इसलिए इसे प्रदोष व्रत कहा जाएगा।
* 29 जनवरी 2025- माघ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 29 जनवरी 2025 को है। माघ महीने की अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है।
* 30 जनवरी 2025- 30 जनवरी से माघ महीने की गुप्त नवरात्रि की शुरुआत होगी।
* 01 फरवरी 2025-01 फरवरी को विनायक चतुर्थी व्रत रखा जाएगा। यह दिन गणेशजी की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित माना जाता है।
* 02 फरवरी 2025-02 फरवरी को बसंत पंचमी है। बसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए शुभ माना जाता है।
* 08 फरवरी 2025-08 फरवरी 2025 को जया एकादशी व्रत है। इस दिन विष्णुजी की पूजा-आराधना की जाती है। मान्यता है कि एकादशी व्रत रखने से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियों का वास होता है।
* 09 फरवरी 2025-09 फरवरी 2025 दिन रविवार के दिन प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा की जाती है। रविवार पड़ने के कारण इसे रवि प्रदोष व्रत कहा जाएगा।
* 12 फरवरी 2025-12 फरवरी को माघ महीने की पूर्णिमा तिथि है। इस दिन स्नान-दान और माघी पूर्णिमा का व्रत रखा जाता है।

डॉ. अनीश व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रवीना की बेटी राशा ने कलाई में बांधे 11 काले धागे

टोटका या कुछ और? स्टारकिड ने एक-एक का बताया महत्व

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी जल्द अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। राशा की पहली फिल्म 'आजाद' है जो 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में राशा के साथ अजय देवगन के भांजे अमन देवगन लीड रोल में होंगे। राशा इन दिनों जोरों-शोरों से अपने फिल्म के प्रमोशन में जुटी हैं। कुछ दिनों पहले ही उनका गाना 'उई अम्मा' रिलीज हुआ था, जो काफी चर्चा में है। इस गाने को अब तक 34 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। राशा की अपकमिंग फिल्म के साथ ही उनका स्पिरिचुअल साइड भी चर्चा में है। अपने फिल्म प्रमोशन के दौरान राशा अलग-अलग लुक में दिखीं, लेकिन एक चीज हमेशा कॉमन रही और वो थी उनके हाथ में बंधे काले धागे।

राशा थडानी ने हाथ में क्यों बांध रखे हैं काले धागे?

राशा 'आजाद' के प्रमोशन के दौरान सभी जगह हाथ में ढेर सारे काले धागे पहने दिखाई दीं, जिसे कई लोगों ने नोटिस किया। ऐसे में जहां कुछ का कहना था कि स्टारकिड ने नजर से बचने के लिए ये धागे पहने हैं तो किसी ने इसे उनकी अपकमिंग फिल्म से जोड़कर देखा। लेकिन, अब खुद राशा थडानी ने बता दिया है कि उन्होंने हाथ में इतने सारे काले धागे क्यों पहन रखे हैं और इन धागों का क्या महत्व है।

राशा थडानी ने हाथ में बांध रखे हैं इतने धागे

राशा ने फिल्मी ज्ञान के साथ बातचीत के दौरान अपने हाथ में बंधे धागों के बारे में बताया और साथ ही साथ इनकी गिनती भी कर डाली। राशा थडानी ने बताया कि उन्होंने फिलहाल हाथ में 11 धागे बांध रखे हैं, जो 12 ज्योतिर्लिंगों को दर्शाता है। राशा ने कहा- 'मैं अब तक जहां गई हूं, मैंने हर जगह का एक धागा बांधा हुआ है। केदारनाथ, सोमनाथ, रामेश्वरम... इसमें से एक धागा बद्रीनाथ धाम का भी है, हालांकि, वो ज्योतिर्लिंग नहीं है। मैं आखिरी बार काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए गई थी।'

आजाद के ट्रेलर पर कैसा था रवीना टंडन का रिएक्शन?

राशा आगे कहती हैं- 'मैं अब तक 11 ज्योतिर्लिंग जा चुकी हूं। अब बस नागेश्वर जाना बाकि है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस साल में जरूर वहां जाऊंगी। मैं शिवजी की बहुत बड़ी भक्त हूं।' इसके बाद राशा ने आजाद के ट्रेलर पर मां रवीना टंडन के रिएक्शन का भी खुलासा किया। राशा ने बताया कि उनकी मां यानी रवीना टंडन 'आजाद' को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। वह हमेशा उनके साथ रहती हैं, लेकिन कभी उन्हें कॉम्पलीमेंट नहीं दिया और ना ही कहा कि वह उन पर प्राउड फील करती हैं। बता दें, आजाद 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो राशा थडानी और अमन देवगन की डेब्यू फिल्म है।

गेम चेंजर पर भारी पड़ी डाकू महाराज ?

विलेन बन बॉबी ने उड़ाया गर्दा

बीते तीन रोज पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'डाकू महाराज' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। 64 साल के हीरो 'नंदामुरी बालकृष्ण' की ये फिल्म रामचरण तेजा की फिल्म 'गेम चेंजर' पर भारी पड़ रही है। डाकू महाराज ने 3 दिनों में 50 करोड़ रुपयों से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म में बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल भी विलेन बनकर गर्दा उड़ा रहे हैं। बॉबी देओल का भले ही इस फिल्म में छोटा किरदार है लेकिन धमाकेदार है। बॉबी देओल को भी लोगों ने इस फिल्म में खूब पसंद किया है।

बता दें कि रामचरण तेजा की फिल्म गेम चेंजर भी 10 जनवरी को रिलीज हुई थी। फिल्म ने 5 दिनों में 106 करोड़ रुपयों की कमाई कर ली है। सेकनिल्क वेबसाइट के मुताबिक गेम चेंजर ने पहले दिन 51 करोड़ रुपयों की ओपनिंग की थी। इसके बाद अगले दिन 21 करोड़ कमाए और दिन पर दिन इसका कलेक्शन घटता गया है। अब तक फिल्म ने 5 दिनों में 106 करोड़ रुपयों का कलेक्शन कर लिया है। हालांकि इस फिल्म की कमाई की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक काफी कम रही है। राम चरण तेजा साउथ सिनेमा के सुपरस्टार हैं और उनकी फिल्म से बड़ी उम्मीदें थीं। ये फिल्म एक बड़े बजट में बनी थी और काफी उम्मीदें भी दर्शकों को थीं। हालांकि इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं छोड़ा है।

बता दें कि 64 साल के हीरो 'नंदामुरी बालकृष्ण' की फिल्म डाकू महाराज ने 3 दिनों में 50 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई कर ली है। फिल्म में नंदामुरी की एक्टिंग की भी जमकर तारीफ की जा रही है। फिल्म में बॉबी देओल भी अहम किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। बॉबी देओल को भी इस किरदार के लिए खूब तारीफें मिल रही हैं। इस फिल्म के कलेक्शन ने अब तक लोगों को प्रभावित किया है।

सुपरस्टार अशोक कुमार को देखने के लिए अपनी शादी में राजकपूर की पत्नी ने उठा लिया था घूंघट

नाराज हो गए थे शो मैन, जिंदगी भर नहीं की बात

अशोक कुमार यानी दादामुनी बॉलीवुड के शुरूआती दशक के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक थे। अशोक कुमार ने बतौर हीरो इंडस्ट्री में डेब्यू किया था और लंबे समय तक उन्होंने फिल्मों में काम किया। उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। एक समय में वह बॉलीवुड के सुपरस्टार थे। कहा जाता है कि उस दौर में उनका स्टारडम कुछ ऐसा था कि हर आयु वर्ग के लोग उनके दीवाने थे। आज के समय में जिस तरह लड़कियां शाहरुख- सलमान की दीवानी है, वैसे ही उस दौर में लड़कियां अशोक कुमार की दीवानी हुआ करती थी।

अशोक कुमार का स्टारडम कुछ ऐसा था कि जिसे देख कर राज कपूर भी नाराज हो गए थे। यह किस्सा उनकी शादी का है, जब अशोक कुमार के स्टारडम को देख कर राजकपूर ने इसे अपनी बेइज्जती समझी। अपनी ही शादी में उनकी बेइज्जती करने पर अशोक कुमार को आजीवन उन्होंने माफ नहीं किया। अपने समय के लोकप्रिय अभिनेता अशोक कुमार को फैंस हिंदी सिनेमा के अब तक के सबसे महान अभिनेताओं में से एक मानते हैं। उन्हें भारतीय सिनेमा के पहले सुपरस्टार और पहले लीड एक्टर के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने एंटी-हीरो की भूमिका निभाने का साहस दिखाया।

अशोक कुमार ने देव आनंद, प्राण, मधुबाला, लता मंगेशकर और कई अन्य सितारों को भी ब्रेक दिया था। वह फिल्मों में हीरो से लेकर, भाई -दोस्त और बाद में पिता के रोल में नजर आए।अशोक कुमार अपने सभी साथी कलाकारों को प्यार करते थे। उन्होंने अपने शानदार करियर में शायद ही कोई फ्लॉप फिल्में दी हों।

इंटरव्यू में अशोक कुमार की बेटी भारती जाफ़री ने बताया था कि असल में राज कपूर और कृष्णा मल्होत्रा की शादी में कुछ ऐसा हुआ था, जिसने राज कपूर को नाराज कर दिया था। जब उनके पिता अशोक कुमार राज और कृष्णा को उनकी खुशहाल शादीशुदा जिंदगी की बधाई देने के लिए स्टेज पर गए थे। भारती ने खुलासा किया था कि जैसे ही उनके पिता राज और कृष्णा के सामने खड़े हुए, खूबसूरत दुल्हन ने अपना घूंघट उठाया और अशोक कुमार को अपने सामने देखकर खुश हो गई। यह कृष्णा के लिए एक अद्भुत क्षण था। इस घटना ने राज कपूर को परेशान कर दिया।

भारती ने कहा था, निश्चित रूप से पापा वहां थे। और जब वह जोड़े को बधाई देने के लिए स्टेज पर गए, तो दुल्हन कृष्णा जी ने खुशी के मारे अपना घूंघट उठा दिया, और बोलीं।। 'ओह, यह अशोक कुमार हैं। मैं बहुत खुश हूं।' यह राज कपूर को अपना अपमान लगा और अपनी ही शादी में उन्हें अपमानित करने के लिए राज कपूर ने उन्हें कभी माफ नहीं किया।''अशोक कुमार ने 1935 में शोभा देवी से शादी की थी। यह एक अरेंज मैरिज की थी, जिसे उनके परिवारों ने तय किया था। उनके चार बच्चे हुए, एक बेटा, अरूप गांगुली और तीन बेटियां, भारती पटेल, रूपा वर्मा, प्रीति गांगुली।आपको बता दें कि 10 दिसंबर, 2001 को इस महान अभिनेता का 90 वर्ष की आयु में हार्ट अटैक से निधन हो गया।

इन 5 सितारों ने भी बॉलीवुड छोड़ पकड़ी संन्यास की राह

बॉलीवुड में करियर बनाने का सपना लेकर हर रोज जाने कितने ही कलाकार मुंबई पहुंचते हैं, लेकिन इस इंडस्ट्री में पहचान बनाने में कुछ को ही कामयाबी मिलती है। एक तरफ कुछ ऐसे स्टार हैं जो स्टारडम के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, इनमें से कुछ सफल होते हैं तो कुछ बस एड़िया रगड़ते रह जाते हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल पाती। दूसरी तरफ मनोरंजन जगत में कुछ ऐसे भी सितारे हैं, जिन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल करने के बाद ऐसा फैसला लिया, जिसने सबको चौंका दिया। इन सितारों ने सफलता की बुलंदियों पर पहुंचने के बाद एक्टिंग से दूरी बना ली और संन्यास की राह पकड़ ली।

ओशो की शरण में पहुंच गए थे विनोद खन्ना

विनोद खन्ना 70 के दशक के सबसे सफल और हैंडसम अभिनेताओं में से थे, उन्होंने अपने करियर में कई सपरहिट फिल्में दीं। एक समय था जब उन्हें अमिताभ बच्चन के लिए बड़ी चुनौती माना जाने लगा था। उनकी फैन फॉलोइंग दिन पर दिन बढ़ती जा ही थी, इसी बीच विनोद खन्ना ने सबसे हैरानी भरा फैसला लिया। अपने करियर के पीक पर एक्टिंग छोड़ उन्होंने संन्यास ले लिया। अपने करियर की बुलंदियों पर होते हुए वह ओशो की शरण में जा पहुंचे और उनके इस फैसले ने उनके फैंस को तगड़ा झटका दिया था।

अनघा भोसले को रास आई कृष्ण भक्ति

रुपाली गांगुली के 'अनुपमा' में नंदिनी के रोल से घर-घर में मशहूर हुई अनघा भोसले ने मात्र 23 साल की उम्र में एक्टिंग छोड़कर भक्ति की राह पकड़ ली। अनघा ने बीच में ही सीरीयल छोड़ दिया और अपने संन्यासिन बनने का ऐलान करके सबको हैरानी में डाल दिया।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और बताया कि अब वह अपने धर्म के रास्ते पर चलना चाहती हैं और उनके लिए कर्म ही सबसे बड़ी पूजा है। इसी के साथ उनका कहना था कि वह अब ऐसी जगह काम नहीं करना चाहतीं, जहां ऐसी प्रतिस्पर्धा हो जो उनकी मान्यताओं को हर घड़ी आघात लगती है।

नुपुर अलंकार भी भक्ति में हुईं लीन

'दीया और बाती हम' फेम नुपुर अलंकार भी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो ग्लैमर की चमचमाती दुनिया से दूरी बना चुकी हैं। उन्होंने अपने 27 साल के एक्टिंग करियर को छोड़ आध्यात्म का रुख किया और संन्यासिन बन गईं। उन्होंने साल 2023 में एक सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपने संन्यास लेने का ऐलान किया था।

छोड़ा ग्लैमर इंडस्ट्री का मोह, अब साध्वी बन ऐसी जिंदगी गुजार रही ब्यूटी क्वीन इशिका तनेजा

इन दिनों कई सितारे बॉलीवुड की चमक-दमक से दूरी बना ले रहे हैं। ये सितारे अपनी अलग राह चुन रहे हैं। इन्हें फिल्मी दुनिया का ग्लैमर रास नहीं आ रहा और ये भगवान की भक्ति में डूबने का फैसला कर रहे हैं। आज हम ऐसी ही एक एक्ट्रेस के बारे में बताएंगे, जो अपनी खूबसूरती के चलते चर्चा में आईं। कई ब्यूटी पेजेंट अपने नाम किए, बॉलीवुड फिल्मों में भी अदाएं दिखाईं, लेकिन अब नेम-फेम छोड़ जिंदगी को नई दिशा दे दी है। ये एक्ट्रेस पूरी तरह से अब संन्यासी बन गई हैं और रंगीन जिंदगी छोड़ सादगी से जीवन गुजार रही हैं। अब ये एक्ट्रेस कौन हैं, चलिए आपको बताते हैं।

अब बनीं साध्वी -पूर्व मिस वर्ल्ड टूरिज्म और एक्ट्रेस इशिका तनेजा ने शोबिज की चमक-दमक को पीछे छोड़ दिया है। मोह-माया की दुनिया से आगे बढ़कर उन्होंने त्याग और तप को अपना लिया है। आध्यात्मिक मार्ग पर अब इशिका तनेजा चल पड़ी हैं। बीते हफ्ते ही उन्होंने मध्य प्रदेश के जबलपुर में शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज के मार्गदर्शन में गुरु दीक्षा ली है। अपने फैसले पर उन्होंने कहा कि आज के युवाओं की धर्म की राह पर चलना चाहिए। इस रास्ते को खुद चुनने के बाद वो युवाओं से भी ऐसा ही करने का आग्रह कर रही हैं। ग्लैमरस तस्वीरों से भरा उनका सोशल मीडिया अब धार्मिक दृष्टिकोण स्थापित कर रहा है।

जीते ये खिताब- इशिका तनेजा साल 2017 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब अपने नाम की थी। मलेशिया के मेलाका में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान बिजनेस वूमन ऑफ द वर्ल्ड खिताब भी उन्होंने जीता। भारत की 100 सफल महिलाओं में से एक के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार भी इशिका हासिल कर चुकी हैं। इन सफलताओं के बावजूद उन्होंने आध्यात्म की ओर बढ़ने का फैसला किया। सुंदरता और ग्लैमर की दुनिया छोड़ अब वो पूरी तरह से भगवान को समर्पित हो गई हैं। रंगीन कपड़ों में नजर आने वाली इशिका अब भगवा कपड़े ही पहनती हैं।

ऐश्वर्या-सुष्मिता को टक्कर देने वाली अक्षय की हीरोइन बरखा मदान

चली धर्म के राह पर

बनी भिक्षुणी मुंडवाया सिर

बॉलीवुड में कई एक्ट्रेस आईं और चली गईं। इनमें से कुछ ही एक्ट्रेस का करियर बन पाया। फिल्म इंडस्ट्री में वैसे भी एक्ट्रेस का करियर ज्यादा लंबा नहीं होता है। साल दर साल कई नई-नई एक्ट्रेस आती हैं और फ्लॉप होकर घर बैठ जाती हैं। दर्शकों को लुभाने के लिए अधेड़ उम्र के एक्टर के सामने उसकी आधी से भी कम उम्र की एक्ट्रेस को हीरोइन बनाया जाता रहा है। करियर खास ना होने की वजह से कई एक्ट्रेस ने शोबिज ही छोड़ दिया है और शादी कर घर बसा लिया है। इनमें से कुछ एक्ट्रेस ऐसी भी हैं, जो साध्वी बन गई हैं। बात करेंगे एक पूर्व एक्ट्रेस की जो अब साध्वी बन चुकी है। यह पूर्व एक्ट्रेस ब्यूटी पेजेंट मिस इंडिया में भाग ले चुकी हैं।

कौन है ये एक्ट्रेस?

हम बात कर रहे हैं पूर्व एक्ट्रेस बरखा मदान की, जो ऐश्वर्या राय और सुष्मिता सेन की तरह ब्यूटी पेजेंट में भाग ले चुकी हैं। बता दें, बरखा मदान मिस टूरिज्म इंडिया का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। साथ ही बरखा ने मलेशिया में हुईं मिस टूरिज्म इंटरनेशनल प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया था। यहां, बरखा थर्ड रनर अप बनी थी। बता दें, बरखा मदान ने साल 1996 में अक्षय कुमार स्टारर फिल्म खिलाड़ियों का खिलाड़ी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। अक्षय कुमार की यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। वहीं, बरखा ने बॉलीवुड में खास प्रोजेक्ट को हाथ ही लगाया। बरखा साल 2003 में सुपरनेचुरल हॉरर फिल्म भूत में नजर आई थीं।

साध्वी क्यों बनी एक्ट्रेस?

वहीं, जब बरखा की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फेल साबित हुईं, तो एक्ट्रेस का फिल्मों से लगाव कम होने लगा। सुर्खाब और सोच लो जैसी फिल्में फ्लॉप होने के बाद एक्ट्रेस ने साल 2012 में शोबिज छोड़ने का फैसला लिया। वह अब एक मोंक बन गईं और ग्यालटेन समटेन का नाम अपना लिया है। आज बरखा मदान 14वें दलाई लामा तेनजिन गोस्टो की अनुयायी हैं। इसी के साथ बरखा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव हैं। बरखा सोशल मीडिया पर अपनी साध्वी लाइफ को शेयर कर रहती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे– तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 16 जनवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 04:09 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 11:17 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 01:05 तक
करण : वणिज दोपहर 03:42 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 11:17 तक
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 03:40 से रात्रि 04:07 , गण्डमूल चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

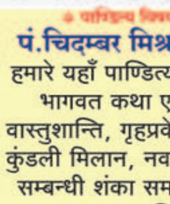

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राइजिंग राजस्थान समिट के तहत ऊर्जा विभाग के एमओयू की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रतिमाह 11 व 26 तारीख को भेजें एमओयू की प्रगति रिपोर्ट

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसी क्रम में राइजिंग राजस्थान के तहत ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू किए गए हैं जिससे राज्य में ऊर्जा सुदृढ़ीकरण को गति मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति के लिए हुए इन विभिन्न एमओयू को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत ऊर्जा विभाग द्वारा हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को इन प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में आए प्रत्येक निवेशक को राज्य में निवेश करने के लिए किसी भी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। यदि ऐसे प्रकरण सामने आते हैं तो इसके लिए संबंधित अधिकारी की जबावदेहिता तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए प्रत्येक एमओयू की समीक्षा करते हुए प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिमाह राइजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक की जाए जिससे राज्य में विद्युत सुदृढीकरण के काम में तेजी आ सके। साथ ही, मुख्यमंत्री कार्यालय को हर माह 11 व 26 तारीख को इस संबंध में प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी इन निवेशों के माध्यम से राज्य की राजस्व आय में बढ़ोतरी के लिए प्रयास करें।शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भी ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) प्रोजेक्ट, ग्रीन हाइड्रोजन, आरई पार्क, हाइब्रिड प्रोजेक्ट ट्रांसमिशन, सीए–नजी, विंड प्रोजेक्ट, थर्मल प्रोजेक्ट सहित विभिन्न सेक्टर्स में एमओयू हुए हैं। उन्होंने इन सेक्टर्स में हुए प्रत्येक एमओयू के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए जिससे सभी निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरें तथा आमजन को इसका लाभ मिले।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ऊर्जा विभाग द्वारा किए गए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भजनलाल ने डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह से की मुलाकात

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को बीलवा स्थित राधास्वामी सत्संग ब्यास केन्द्र पहुंचे। उन्होंने राधास्वामी ब्यास के डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आत्मीय मुलाकात की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो से आध्यात्म, सामाजिक मूल्यों, समाज में व्याप्त कुरीतियों आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

हरियाणा निकाय चुनाव क्यों टले?

चंडीगढ़,15 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में नगर निगम चुनावों को लेकर एक बार फिर बदलाव हुआ है। पहले ये चुनाव फरवरी 2024 में प्रस्तावित थे, लेकिन अब संभावना है कि ये चुनाव मार्च में होंगे। प्रदेश के 34 नगर निकायों में होने वाले इन चुनावों की तारीखों को लेकर मतदाताओं और राजनीतिक दलों में उत्सुकता है।

क्या है चुनाव में देरी की वजह?

नगर निगम चुनावों में देरी की सबसे बड़ी वजह मतदाता सूचियों का अंतिम रूप से तैयार न होना बताया जा रहा है। खासकर नगर निगमों की मतदाता सूची का काम अभी अधूरा है।

26 निकायों की मतदाता सूची: अंतिम मसौदा 20 जनवरी को जारी किया जाएगा। रोहतक, हिसार और थानेसर नगर निगम: मतदाता सूची का काम 15 जनवरी तक पूरा हो जाएगा। करनाल नगर निगम: मतदाता सूची 28 जनवरी तक तैयार हो जाएगी। इसके अलावा दिल्ली विधानसभा चुनाव (5 फरवरी 2024) के कारण नगर निगम चुनाव स्थगित करने पर भी विचार किया जा रहा है।

कब होगा कार्यक्रम की घोषणा?

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया है कि चुनाव की घोषणा 8 फरवरी के बाद की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदान से लेकर परिणाम तक चुनावी प्रक्रिया में करीब 25 दिन का समय लगेगा। ऐसे में नगर निगम चुनाव मार्च 2024 में होने की संभावना है।

एक चरण में होंगे चुनाव

हरियाणा सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि नगर निगम चुनाव एक ही चरण में होंगे। इस संबंध में सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट को आश्वासन दिया था कि चुनाव जनवरी के अंत या फरवरी के पहले सप्ताह में करा लिए जाएंगे। हालांकि अब शेड्यूल में बदलाव हो गया है।

कितने निकायों में होंगे चुनाव?

हरियाणा में इस बार कुल 34 नगर निकायों में चुनाव होंगे। इनमें 8 नगर निगम रोहतक, हिसार, थानेसर, करनाल।4 नगर परिषद।22 नगर पालिकाएं।

राजनीतिक दलों की रणनीति पर असर

दिल्ली विधानसभा चुनाव के कारण हरियाणा के राजनीतिक दलों की चुनाव तैयारियां प्रभावित हो रही हैं। कई दलों के कार्यकर्ता और नेता दिल्ली चुनाव में व्यस्त हैं, जिसका असर हरियाणा में चुनावी रणनीति पर पड़ रहा है। यही वजह है कि राज्य चुनाव आयोग ने 8 फरवरी के बाद नगर निगम चुनाव की घोषणा करने का फैसला लिया है।

चुनाव में पारदर्शिता और तैयारी

हरियाणा सरकार मतदाता सूची को पूरी तरह अपडेट करने पर जोर दे रही है, ताकि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सकें। इसके लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रारूप तैयार किया जा रहा है। एक चरण में चुनाव करवाने से समय और संसाधनों की बचत होगी। चुनावी प्रक्रिया में 25 दिन का समय तय किया गया है, ताकि सुचारू रूप से चुनाव संपन्न हो सके।

हरियाणा में नगर निगम चुनाव 2024 को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मतदाता नई तारीखों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शेड्यूल में बदलाव भले ही अस्थायी हो, लेकिन यह चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। अब सभी की निगाहें 8 फरवरी के बाद जारी होने वाले नए शेड्यूल पर टिकी हैं। मार्च 2024 में होने वाले ये चुनाव हरियाणा की स्थानीय राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

साइबर ठगों की गिरफ्तारी : लालसोट थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दौसा,15 जनवरी (एजेंसियां)। लालसोट थाना पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। साइबर शील्ड अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई, जिसमें अभियुक्तों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। थानाधिकारी रामनिवास के अनुसार, पुलिस की विशेष टीम ने साइबर शील्ड अभियान के तहत इन ठगों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

सूचना मिलने के बाद जिला साइबर सैल ने साइबर पुलिस पोर्टल पर एक रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया गया था कि दो साइबर अपराधी लालसोट क्षेत्र में सक्रिय हैं और ठगी कर रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर लालसोट थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया और अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।अभियुक्तों ने इन्स्टाग्राम पर चैनल बना कर गेम में खोए हुए पैसों को 100 प्रतिशत रिकवर करने का झांसा दिया था और साइबर ठगी के पैसे अपने और अपने परिचितों के खातों में जमा कराए। गिरफ्तार मुल्जिम राकेश कुमार और धर्मराज दोनों शिवसिंहपुरा के रहने वाले हैं। यह कार्रवाई साइबर अपराधों को लेकर पुलिस की कड़ी निगरानी और प्रभावी कदम को दर्शाती है।

थानाधिकारी झंवर 50,000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जोधपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जोधपुर शहर द्वारा बुधवार को कार्यवाही करतें हुए श्री मूलाराम चौधरी निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी पुलिस थाना झंवर पुलिस आयुक्तालय जोधपुर को 50,000 रूपयें रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेशक पुलिस डा. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की जोधपुर शहर ईकाई कों एक शिकायत इस आशय की मिली कि झंवर थानें में दर्ज प्रकरण में मामले को रफा दफा करनें एवं परिवादी के पक्ष में कार्यवाही करनें की एवज में 50000 रूपयें रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर हरेन्द्र महावर उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में चक्रवर्ती सिह राठौड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर शहर के नेतृव में मनीष वैष्णव निरीक्षक पुलिस मय किशन सिंह चारण उप अधीक्षक पुलिस मय जाब्ता के ट्रेप कार्यवाही करतें हुए आरोपी मूलाराम चौधरी थानाधिकारी झंवर, पुलिस आयुक्तालय जोधपुर पश्चिम को 50,000 रूपयें रिश्वत राशि लेतें हुए गिरफ्तार किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने जामडोली में किया समेकित क्षेत्रीय केंद्र के भवन का शिलान्यास

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि केन्द्र व राज्य की सरकार समाज के सभी वर्गों के सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के साथ देश को आत्मनिर्भर बनाने में सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। डॉ. कुमार जामडोली स्थित केन्द्र सरकार के समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) के भवन के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना के साथ नये भवन का शिलान्यास किया और राज्य सरकार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल में समेकित क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए ढाई एकड़ भूमि आवंटित किये जाने के लिए धन्यवाद दिया।

डॉ. वीरेंद्र कुमार ने नये सीआरसी की स्थापना पर आमजन को बधाई देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया कि इस केंद्र के माध्यम से राजस्थान के दिव्यांगजनों तथा अन्य जरूरतमंद लाभार्थियों की पुनर्वास आवश्यकताओं की पूर्ति तो होगी ही, साथ ही भविष्य में पुनर्वास क्षेत्र में शैक्षिक पाठ्यक्रम संचालित करके नये पुनर्वास पेशेवरों की फसल भी तैयार की जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार से ढाई एकड़ भूमि और देने का अनुरोध भी किया। गौरतलब है कि समेकित क्षेत्रीय केंद्र जामडोली का प्रशासनिक नियंत्रण पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान के पास है और इसकी स्थापना से जयपुर तथा आस पास के क्षेत्रों में बसे दिव्यांगजनों को काफी लाभ होगा।

वन नेशन – वन एप्लीकेशन के तहत विधान सभा का सदन हो रहा है डिजिटल : देवनानी

जयपुर,15 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि इस सूचना एवं तकनीकी युग में डिजिटल पद्धति से कार्य किया जाना समय की आवश्यकता है। राजस्थान विधान सभा भी इस क्षेत्र में निरंतर आगे बढे, इसके लिये वन नेशन–वन एप्लीकेशन के तहत विधान सभा में यह प्रयास किया जा रहा है। राजस्थान विधान सभा का सदन सूचना तकनीक के साथ नये कलेवर में तैयार हो गया है। सदन में 200 विधायकों की सीटों पर आईपेड लगाये गये है। इन आईपेड के माध्यम से विधायकगण सदन में ऑनलाईन पद्धति से विधान कार्यों का सम्पादन कर सकेगें।

देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा के सदन में आयोजित समारोह में लगभग एक सौ दस विधायकगण ने बुधवार को आइपेड के माध्यम से सदन से संबंधित कार्यों को करने का एक दिवसीय प्रशिक्षण लिया। लोक सभा सचिवालय से आये नेता और एनआईसी के अधिकारियों ने तकनीकी प्रशिक्षण दिया। विधायकगण को विधान संबंधी कार्य सम्पादित करने के लिये आईपेड पर दिये गये भौतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि अब विधायकगण ऑफलाइन के साथ–साथ नेशनल ई–विधान एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन पद्धति से भी कार्य सम्पादित कर सकेगे। देवनानी ने कहा कि वन नेशन–वन एप्लीकेशन नेवा के तहत राजस्थान विधान सभा के सदन में भी लोक सभा व राज्य सभा की तर्ज पर विधान संबंधी कार्य होगें।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा के सभागार में सदस्यों की सीटों पर कम्प्यूटर उपकरण स्थापित करने और विधानसभा सचिवालय को पेपरलैस किये जाने हेतु नेवा प्रोजेक्ट के तहत विधायकगण को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के नेशनल ई–विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत विधान सभा को डिजिटलाईज परियोजना के तहत केन्द्र व राज्य सरकार के वित्त का उपयोग 60 व 40 के अनुपात में किया गया है।देवनानी ने बताया कि सदन में विधायकगण की प्रत्येक सीट पर एक आई–पैड लगाया गया है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने दिया नायाब तोहफा

महाराजा सूरजमल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया

सिरसा,15 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हिंदू हृदय सम्राट महाराजा सूरजमल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर भारतीय जाट विकास मंच सहित विभिन्न संगठनों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस पर अखिल भारतीय जाट महासभा के सदस्यों ने प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया।भारतीय जाट विकास मंच के प्रधान डॉ. राजेंद्र कड़वासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा महाराजा सूरजमल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवा कर एक महत्वपूर्ण मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि यह मांग गत 24 दिसंबर को महाराजा सूरजमल के बलिदान दिवस के अवसर पर रखी गई थी।

डॉ. कड़वासरा ने कहा कि इस फैसले से न केवल हरियाणा बल्कि राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी खुशी का माहौल है। उन्होंने बताया कि आगामी 13 फरवरी को हिंदू हृदय सम्राट महाराजा सूरजमल की जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें हरियाणा सरकार का आभार प्रकट किया जाएगा।

धन्ना भक्त जी ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव महेंद्र घणघस ने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय हरियाणा सरकार ने लिया है। उन्होंने बताया कि इस सफलता में भारतीय जाट विकास मंच के प्रधान डॉ. राजेंद्र कड़वासरा का अहम योगदान रहा है, जिसके लिए उन्हें फक्र ए कौम से सम्मानित किया जाएगा। इस पूरे फैसले से विभिन्न राज्यों में खुशी का माहौल है और हरियाणा सरकार के इस कदम की सराहना की जा रही है।

हरियाणा सरकार किसानो/धरने पर नजर रखे हुए है

जो आवश्यक होगा वह किया जाएगा : विज

चंडीगढ़,15 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर मनी लांड्रिंग मामले में संलिप्तता के लिए ईडी द्वारा केस चलाने की इजाजत देने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केजरीवाल पर केस चलेगा तो जो सच्चाई है वह लोगों के सामने भी आएगी।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने कहा कि केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी अब आखिरी सांसे ले रही है। उनके मुरझाए व लटके चेहरे इसका साफ इशारा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कुश्ती में पहलवान नीचे गिरा होने के बावजूद कहता है कि मैं ही जीतूंगा, मगर जो गिर चुका होता है वह गिरता ही है।

दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के नए भवन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर रखने पर उपजे विवाद पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री रहते हुए भी कांग्रेस ने काम नहीं करने दिया। उनकी सारी शक्तियों, स्वतंत्रता व बुद्धिमता पर इन्होंने अंकुश लगाकर रखा। ऐसे में इनसे किसी प्रकार की उम्मीद नहीं की जा सकती।खनौरी बार्डर पर हरियाणा में किसानों के भूख हड़ताल पर बैठने के मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि सरकार इस पर पूरी निगाह रखे हुए है और हमारे मुख्यमंत्री इस विषय पर ध्यान दे रहे है और जो भी आवश्यक होगा, वह किया जाएगा।

बिहार विधान परिषद उपचुनाव के नतीजे घोषित करने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

आरजेडी से निष्कासित नेता के पास थी सीट

पटना (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार विधान परिषद उपचुनाव के नतीजे घोषित करने पर रोक लगा दी। यह सीट पहले राजद से निष्कासित नेता सुनील कुमार सिंह के पास थी। पिछले साल 26 जुलाई को सुनील कुमार सिंह को सदन में अभद्र व्यवहार की वजह से बिहार विधान परिषद से निष्कासित कर दिया गया था। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के करीबी माने जाने वाले नेता पर 13 फरवरी 2024 को सदन में तीखी नोकझोंक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करने का आरोप है।

सुनील कुमार सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि सीट के लिए उपचुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जा सकते हैं। इसकी वजह यह है कि चुनाव निर्विरोध हुआ है। पीठ ने कहा कि चूंकि वह पहले से ही मामले पर दलीलें सुन रही है, इसलिए इस बीच सीट के लिए कोई परिणाम घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

सिंघवी ने कहा कि कोर्ट अगस्त 2024 से निष्कासन के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही है और अगर कल अदालत याचिका को अनुमति देती है, तो यह एक अजीब स्थिति होगी, क्योंकि एक ही सीट के लिए दो उम्मीदवार होंगे। पीठ ने कहा कि वह 16 जनवरी को राज्य विधान परिषद, आचार समिति और अन्य की दलीलें सुनेंगी, जिसके बाद वह इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रखेगी।

2024 में आचार समिति की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के एक दिन बाद सुनील के निष्कासन का प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया था। उन पर मुख्यमंत्री की शारीरिक भाषा की नकल करके उनका अपमान करने और आचार समिति के सामने उपस्थित होने के बाद समिति के सदस्यों की योग्यता पर सवाल उठाने का भी आर-ोप लगाया गया था। उनके निष्कासन के अलावा एक अन्य राजद एमएलसी मोहम्मद कारी सोहैब को भी दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। आचार समिति की रिपोर्ट में कहा गया कि सोहैब ने जांच के दौरान अपने कार्यों के लिए खेद जताया, जबकि सिंह अपनी बात पर अड़े रहे।

परीक्षा के लिए बेटे को बस पकड़ाने गए शिक्षक दंपति की सड़क हादसे में मौत

पटना (एजेंसियां)।

सुपौल जिले के भीमपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को एनएच 27 पर सुरसर नदी पुल के समीप दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में छातापुर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय गांधीनगर टेंगरी की प्रधानाध्यापिका फूलकुमारी देवी और उनके पति कृष्ण मोहन चौधरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब दंपति अपने बेटे को बस पकड़ाने गए थे। बेटे को आईटीआई की परीक्षा के लिए बस लेनी थी। जहां बस पकड़ाने के बाद दंपति सड़क किनारे खड़ा था।

बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने दोनों को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। मृतक दंपति भीमपुर वार्ड 11 के निवासी थे। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है। वही दूसरी ओर घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने एनएच जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे एनएच पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इधर, घटना की सूचना पर भीमपुर थानाध्यक्ष मिथिलेश पांडेय के साथ पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने में जुटी है। इधर, घटना के विरोध में गुस्साए स्थानीय लोगों ने एनएच 27 को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और दोषी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। वही सूचना पर छातापुर बीडीओ भी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने के प्रयास में जुट गए। प्रशासन ने मुआवजे और कार्रवाई का भरोसा दिया, लेकिन प्रदर्शनकारी तुरंत समाधान की मांग कर रहे थे। वही भीमपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस जांच में जुट गई है। लोगों को शांत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पटना समेत कई जिलों में हाड़ कंपाने वाली ठंड, बर्फीली हवाओं से गिरा पारा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में अचानक ठंड बढ़ गई है। गया, सारण, पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, कोसी मुंगेर, भागलपुर, पूर्णिया प्रमंडल में कई इलाकों में सुबह धूप नहीं निकली। ठंडी हवाओं ने तापमान में गिरावट ला दी है। मौसम विभाग के अनुसार, ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई है। अगले दो से तीन दिन के अंदर एक और पश्चिमी विक्षोभ आयेगा। इससे तीन से चार डिग्री तक पारा गिर सकता है। पिछले 24 घंटे में पटना का तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस तक कम हो गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले चार दिनों तक पश्चिम और पूर्वी चंपारण, सीवान, सारण, गोपालगंज, बक्सर, रो-हतास, भोजपुर, भभुआ, औरंगाबाद, शिवहर, सीतामढ़ी,

मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर में घना कोहरा रहेगा।

इधर, कोहरे के कारण विमान सेवा भी प्रभावित हुई है। पटना एयरपोर्ट की रनवे पर दृश्यता कम होने के कारण फ्लाइट लेट से लैंड कर रही। पिछले 24 घंटे में दिल्ली से पटना आने वाले इंडिगो और एयर इंडिया के विमान को भी डायवर्ट कर कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया। वहीं दिल्ली-पटना स्पाइस जेट को कैंसिल कर दिया गया। इस कारण यात्री काफी परेशान दिखे।

खराब मौसम और कोहरे के कारण दरभंगा एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली सभी 12 उड़ानें कैंसिल कर दी गईं। इस वजह से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को जहां कड़ी धूप के कारण यात्रियों ने हवाई यात्रा के लिए टिकट बुक किए थे। वहीं, मंगलवार को अचानक खराब मौसम के कारण दरभंगा एयरपोर्ट से मुंबई की फ्लाइट एसजी 950, नई दिल्ली से आने वाली फ्लाइट्स एसजी 751 और 6ई 360, कोलकाता से आने वाली फ्लाइट 6ई 7234, बेंगलुरु से एसजी 327 और हैदराबाद से 6ई 537 उड़ानें रद्द हो गईं। यह उड़ानें रद्द होने के कारण यात्रियों को बहुत अधिक असुविधा हुई, क्योंकि वे दूर-दूर से एयरपोर्ट पहुंचे थे। खासकर सीमांचल, कोसी, तिरहुत और नेपाल से आने वाले यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बिहार का सेंट्रल जेल लिख रहा अनोखी इबारत, स्मार्ट क्लास में कैदी कर रहे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर का अमर शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा अब केवल कैदियों की सजा काटने का स्थान नहीं रह गया है। यह जेल एक ऐसी अनोखी पहल का गवाह बन रहा है, जहां कैदी न केवल आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहे हैं, बल्कि पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपनी जिंदगी को एक नई दिशा देने की कोशिश कर रहे हैं।

जेल प्रशासन ने कैदियों को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जेल के अंदर ही एक स्मार्ट क्लासरूम तैयार किया है। इस क्लासरूम में बड़े एलईडी स्क्रीन, डेस्क और बेंच लगाकर आधुनिक तकनीक का

उपयोग किया जा रहा है। यहां 18 कैदी बीपीएससी, दारोगा, सिपाही, एसएससी और रेलवे जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

स्मार्ट क्लासरूम में कैदियों को पढ़ाने के लिए दो तकनीकी रूप से दक्ष शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। ये शिक्षक देशभर के चर्चित शिक्षकों के ऑनलाइन वीडियो डाउनलोड कर, उन्हें एलईडी स्क्रीन के जरिए कैदियों को दिखाते हैं। इसके साथ ही कैदियों को आने वाली किसी भी शंका का समाधान कक्षा में ही दिया जाता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा, 200 से अधिक कैदी राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र और अंग्रेजी जैसे विषय शामिल हैं।

स्मार्ट क्लास के माध्यम से बंदियों को ये विषय पढ़ाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है।

जेल अधीक्षक बृजेश सिंह मेहता ने जानकारी दी कि वर्ष 2024 में जेल में पढ़ाई और तैयारी करने वाले तीन कैदियों ने सरकारी नौकरी हासिल की है। यह उपलब्धि न केवल जेल प्रशासन के प्रयासों को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि शिक्षा से कोई भी बदलाव संभव है।

जेल प्रशासन की इस पहल से कैदियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जहां कुछ साल पहले तक जेल केवल सजा का प्रतीक था, वहीं अब यह शिक्षा और सुधार का केंद्र बन चुका है। कैदियों का कहना है कि इस प्रयास ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

जेल अधीक्षक बृजेश सिंह मेहता ने कहा कि हम लगातार कैदियों के सुधार और बेहतरी के लिए प्रयासरत हैं। स्मार्ट क्लास की शुरुआत से कैदियों को नई राह मिल रही है। हमारी कोशिश है कि जेल से निकलने के बाद वे एक बेहतर जिंदगी जी सकें।

पीएमसीएच के डॉ. अजय के साथ पांच जूनियर डॉक्टर पुलिस की रडार पर, एक की तलाश में छापेमारी जारी

पटना (एजेंसियां)।

पटना मेडिकल कॉलेज अस्प-ताल के चाणक्य हॉस्टल में लगी आग के बाद हुए खुलासे में जिस डॉक्टर अजय कुमार सिंह का नाम सामने आया था, वह अब तक फरार है। बिहार पुलिस की टीम ने डॉ. अजय कुमार सिंह की गिरफ्तारी के लिए मुजफ्फरपुर और वैशाली में छापेमारी अभियान चलाया। हालांकि वह पुलिस के हाथ नहीं लगा। इतना ही नहीं पुलिस ने यह भी खुलासा किया है कि अजय के साथ साथ एमबीबीएस और पीजी के पांच डॉक्टर भी रडार पर है। जल्द ही पुलिस पूछताछ के लिए हिरासत में लेगी।

इधर, सूत्रों की मानें तो डॉक्टर

अजय नेपाल में छिपा हुआ है। आठ जनवरी को अजय को पीरबहोर थाना की पुलिस पकड़ कर ले गई थी। लेकिन, पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया था। एक डॉक्टर ने बताया कि जिस दिन अजय को पुलिस ने छोड़ा था, उसी दिन वह रुपये से भरे बैग को लेकर फरार हुए था। इतना ही नहीं डॉक्टर अजय को भगाने में मखनियां कुआं के एक कंपाउंडर का नाम सामने आ रहा है। इसने डॉक्टर अजय को भगाने में गाड़ी मुहैया करवाई थी। इसके बाद डॉक्टर अजय नेपाल में जा छिपा।

सोमवार के दिन सीबीआई की टीम भी पीएमसीएच गई और करीब चार घंटे तक पड़ताल की। सीबीआई की टीम ने पीरबहोर और टीओपी थाना को सख्त निर्देश दिया है कि किसी भी प्रकार की जानकारी मिलती है तो साझा करें।

पीएमसीएच के चाणक्य हॉस्टल में बीते दिनों दूसरे तल्ले पर मेडिकल स्टूडेंट अजय सिंह के रूम में आग लग गई थी। इसके बाद फायर ब्रिगेड के तीन गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया था। वही इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ था। उसके रूम से करीब 10-12 लाख के 500-500 और 100 - 100 के जले हुए नोट मिले हैं। साथ ही नीट-पीजी के कई एडमिट कार्ड भी मिला था। इसके अलावा आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी का एमबीबीएस का जला हुआ ओएमआर शीट के साथ एक शराब की आधी खाली बोतल मिली थी। डॉक्टर अजय कुमार सिंह समस्तीपुर जिले का रहने वाला है। वह 2022 में ही पीजी पास कर चुका था। चाणक्य हॉस्टल के छठे तल्ला के एक कमरे, दूसरे तल्ले के एक और नीचे के तल के एक कमरे पर डॉ. अजय ने कब्जा कर लिया था।

सूत्रों का कहना था कि अजय एमबीबीएस और नीट यूजी समेत अन्य मेडिकल कॉलेज में दाखिला कराने के लिए स्कॉलर को बैठाता था। स्कॉलर बैठाकर अभ्यर्थियों और उसके परिजनों से मोटी रकम वसूल करता था। यही नहीं वह एमबीबीएस के इंटरनल एग्जाम में भी एमबीबीएस पास आउट को बैठाकर मेडिकल स्टूडेंट को पास कराता था।

आएसएस प्रमुख पर तेजस्वी का हमला

आरक्षण छीनना चाहते हैं मोहन भागवत, वह इसके विरोधी हैं

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद पहुंचे पूर्व उपमुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत का बयान महात्मा गांधी बाबू, वीर कुंवर सिंह, सरदार भगत सिंह समेत तमाम स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है। मोहन भागवत एवं उनके टीम पहले तिरंगा भी नहीं फहराते थे। यह लोग आरक्षण विरोधी लोग हैं। इन लोगों से हम पूछना चाहते हैं कि दलित और पिछड़ों को आजादी कब मिलेगी। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि मोहन भागवत आरक्षण को छीनना चाहते हैं ।आने वाले दिनों में वे कहेंगे जब तक आरक्षण है तब तक देश आजाद नहीं हुआ है। देश की जनता ऐसे लोगों को पहचान रही है। तेजस्वी यादव ने बिहार में खेल होने के सवाल पर कहा कि अब इस चीज पर

विराम लग गई है। अब खेल जनता के हाथ में है आने वाले चुनाव में जनता फैसला करेगी की कौन बिहार में राज करेगा? उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर चुटकी लेते हुए कहा कि वह थक चुके हैं। बिहार उनसे नहीं चल रहा है। उनके इर्द-गिर्द रहने वाले रिटायर पदाधिकारी एवं कुछ लोग बिहार को चला रहे हैं। बिहार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। बिहार में भ्रष्टाचार एवं अपराध की गंगोत्री, यमुनोत्री, यमुना सभी नदियों का मिश्रण होकर बह रही है। बिहार की जनता थके हारे मुख्यमंत्री से परेशान हैं।तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो हमलोग माई-बहन मान योजना, हर घर 200 यूनिट बिजली फ्री, वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन 1500 करने का योजना लाएंगे। पहले हम प्रत्येक जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात कर उन्हें मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

लोगों को दवा के पर्चे बांटने वाले वायरल 'पागल डॉक्टर' का गोरखपुर में होगा इलाज

संस्था ने किया रेस्क्यू

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव के निवासी रोहित राम को 'पागल डॉक्टर' के रूप में जाना जा रहा है। उनका वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फर्राटेदार अंग्रेजी में बातचीत करने और राह चलते लोगों को दवा का पर्चा लिखने वाले रोहित की कहानी ने लोगों को चौंका दिया है। पिछले सात वर्षों से मानसिक असंतुलन के कारण सड़कों पर भटकने वाले रोहित को अब उत्तर प्रदेश की गोरखपुर स्थित संस्था 'स्माइल रोटी बैंक' ने इलाज के लिए रेस्क्यू किया है।

जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में रोहित सड़कों पर घूमते हुए लोगों को दवाओं की पर्ची लिखकर देते नजर आ रहे थे। यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और उनकी अनोखी हरकतें चर्चा का विषय बन गईं। स्माइल रोटी बैंक ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर उन्हें रेस्क्यू कर गोरखपुर ले जाकर

इलाज का बीड़ा उठाया है।

रोहित राम का जन्म सिमरी थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में एक गरीब परिवार में हुआ। आठवीं तक पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली का रुख किया। वहां वे एक दवा की दुकान में काम करने लगे। वर्ष 2013 में दिल्ली में काम करते हुए रोहित को नशे की लत लग गई, जिसके चलते उनका मानसिक संतुलन बिगड़ने लगा। परिवार ने उन्हें 2014 में रांची मानसिक अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन स्थिति में केवल अस्थायी सुधार हुआ।

रोहित की पहली शादी 2005 में पंचोभ पंचायत की पुनीता देवी से हुई, जिनसे उन्हें एक बेटी है। मानसिक अस्थिरता के कारण पुनीता ने बाद में रोहित के छोटे भाई से शादी कर ली। 2016 में रोहित की दूसरी शादी प्रियंका देवी से हुई, जिससे उनका एक बेटा है। लेकिन रोहित की बिगड़ती स्थिति के चलते प्रियंका भी तीन साल पहले उन्हें छोड़कर चली गईं।

रोहित का परिवार भूमिहीन है और दैनिक मजदूरी करके जैसे-तैसे गुजारा करता है। परिवार ने उनकी इलाज की कई कोशिशें कीं, लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण वे असफल रहे। उनके पिता राम श्रेष्ठराम ने बताया कि अब वे पूरी तरह हार चुके हैं और रोहित को सड़कों पर भटकते हुए देखना उनकी मजबूरी बन गई थी।

गोरखपुर की संस्था स्माइल रोटी बैंक ने रोहित की स्थिति पर संज्ञान लिया और उन्हें इलाज के लिए अपने साथ ले गई। संस्था ने कहा है कि रोहित का इलाज अच्छे मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया जाएगा ताकि उनकी जिंदगी को वापस पटरी पर लाया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com